www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, शनिवार
30 मई 2026
वर्षः 49
अंकः 37 पृष्ठः 6
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

पुणे में जहरीली शराब पीने से 15 की मौत

सीएम फडणवीस ने जांच के आदेश दिए

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे में जहरीली शराब पीने से पिछले 24 घंटे में 15 लोगों की मौत हो गई है। ये मौतें हडपसर, फुगेवाड़ी, दापोडी और पिंपरी इलाके में हुई हैं। पुलिस और राज्य आबकारी विभाग ने जॉइंट कार्रवाई करते हुए 8 लोगों को हिरासत में लिया है। इनमें एक अवैध शराब कारोबारी भी शामिल है। जांच में सामने आया है कि शराब में मेथेनॉल हो सकता है। मामला सामने आने के बाद सीएम देवेंद्र फडणवीस ने जांच के आदेश दे दिए हैं। स्थानीय नागरिकों ने आरोप लगाया है कि प्रतिबंधित हाथ भट्टी की जहरीली शराब पीने से इन लोगों की मौत हुई है। इस मामले को लेकर पुलिस प्रशासन पर भी सवाल उठ रहे हैं। राष्ट्रवादी कांग्रेस के नेता तथा पूर्व महापौर योगेश बहल ने मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। हालांकि, पिंपरी-चिंचवड़ पुलिस का कहना है कि 5 लोगों की मौत अलग-अलग कारणों से हुई है। लेकिन मृतकों में कई लोगों को मौत से पहले चक्कर आया था, जिससे जहरीली शराब की आशंका जताई गई है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

गधोली में ट्रैक्टर ट्रॉली खाई में गिरी, दो युवकों की मौत

अल्मोड़ा। हवालबाग विकासखंड के कफड़खान–सिरकोट–शैल मोटरमार्ग पर गधोली क्षेत्र में शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में ट्रैक्टर ट्रॉली गहरी खाई में गिर गई। दुर्घटना में ट्रॉली में सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार ट्रैक्टर ट्रॉली संख्या यूके02 सीए–0073 सुंदरपुर क्षेत्र के पास अनियंत्रित होकर सड़क से करीब 100 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। हादसा पूर्वाह्न करीब 11:20 बजे हुआ। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि ट्रैक्टर में सवार दोनों लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान 23 वर्षीय चतुर राजी निवासी नेपाल तथा 22 वर्षीय उमेश पुत्र रमेश निवासी अजीतपुर, जिला रामपुर (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली अल्मोड़ा और एनटीडी चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से कड़ी मशक्कत के बाद दोनों शवों को खाई से बाहर निकालकर सड़क तक लाया गया और एंबुलेंस से बेस अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने पंचनामा भरने की कार्रवाई पूरी कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दुर्घटना के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सुप्रीम कोर्ट बोलाः यूपीएससी में कभी पेपर लीक नहीं हुआ

एनटीए को उनसे सीखने की जरूरत, जवाबदेही तय होने तक ये घटनाएं नहीं रुकेंगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को NEET-UG पेपर लीक मामले पर कहा कि जवाबदेही तय होने तक ऐसी घटनाएं रुकने वाली नहीं। कोर्ट में मौजूद नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) से सवाल किया कि UPSC तो आपसे बड़े पैमाने पर परीक्षा करवाता है, वहां कभी पेपर लीक नहीं हुआ। NTA को उनसे सीखने की जरूरत है। सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद NEET पेपरलीक की जांच पर नजर रख रहे हैं ताकि कोई चूक न हो। केस की सुनवाई कर रहे जस्टिस नरसिम्हा ने शिक्षा मंत्रालय से NEET-UG परीक्षाओं की जांच प्रक्रिया का ब्योरा मांगा। सॉलिसिटर जनरल ने बताया कि पेपर लीक के बाद बड़े लेवल पर सुधार किए हैं। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि हम युवाओं को लेकर गंभीर हैं। NEET-UG री-टेस्ट के लिए नए तरीके अपनाए गए हैं। देशभर में 3 मई को NEET-UG परीक्षा हुई थी। 7 मई की शाम पेपर लीक की खबर सामने आई थी। 12 मई को परीक्षा रद्द कर दी गई। 21 जून को री-एग्जाम होगा। सुप्रीम कोर्ट ने NTA को भंग करने वाली याचिकाओं पर सुनवाई की। इस दौरान 2024 में NEET पेपर लीक के बाद बनाई गई हाई-पावर मॉनिटरिंग कमेटी के प्रमुख और पूर्व इसरो प्रमुख डॉ. के राधाकृष्णन से पूछा कि सिफारिशों और सुधारों के बावजूद इस बार नाकामी क्यों हुई। राधाकृष्णन ने बताया कि समिति की अधिकांश सिफारिशें लागू की जा चुकी हैं। NEET-PG 2025 सफल रहा और इस साल सामने आई कमजोरियों को आगामी री-टेस्ट से पहले दूर किया जा रहा है। कोर्ट ने कहा- NTA अभी स्थायी और मजबूत संस्था की तरह काम नहीं कर रही है। केंद्र सरकार NTA को मजबूत बनाने के लिए क्या करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया कि NTA को IIT और दूसरे बड़े संस्थानों के विशेषज्ञों की मदद लेनी चाहिए, ताकि भविष्य में परीक्षाएं सुरक्षित तरीके से हो सकें। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस नरसिम्हा, सरकार की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और कमेटी की ओर से राधाकृष्णन सुनवाई में शामिल हुए। जस्टिस नरसिम्हाः हाई पावर्ड कमेटी के बावजूद पेपर लीक जैसी घटना कैसे हुई? गड़बड़ी सिफारिशों में थी या इम्प्लीमेंटेशन में। राधाकृष्णनः कमेटी ने 35 लॉन्ग टर्म और 60 शॉर्ट टर्म सुझाव दिए थे, ज्यादातर लागू हो चुके हैं। जस्टिस नरसिम्हाः अगर तैयारी थी तो NEET-UG में फिर समस्या क्यों हुई। राधाकृष्णनः पेपर से छेड़छाड़ बड़ी चुनौती थी, लेकिन अगले महीने होने वाले री-एग्जाम में सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा जाएगा। जस्टिस नरसिम्हाः असली जवाबदेही तय किए बिना ऐसी घटनाएं नहीं रुकेंगी। जस्टिस नरसिम्हाः UPSC में ऐसी स्थिति नहीं बनती, NTA को उससे सीखने की जरूरत है।

बदरीनाथ की ऊंची चोटियों और हेमकुंड में हुई बर्फबारी

चमोली : चमोली जनपद में लगातार दूसरे दिन भी निचले क्षेत्रों में बारिश और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी हुई। बदरीनाथ धाम की ऊंची चोटियों के साथ ही हेमकुंड साहिब, रुद्रनाथ, फूलों की घाटी व नीती घाटी के गांवों में बर्फबारी हुई। मौसम में अचानक आए परिवर्तन से लोगों को गरमी से राहत मिल गई है। शुक्रवार को सुबह चटख धूप खिली। बीते दिन हुई बारिश से मौसम में ठंडक आ गई थी। मगर दोपहर बाद फिर से अचानक मौसम बदल गया और काले बादल छा गए। शाम चार बजे ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी और निचले क्षेत्रों में बारिश शुरू हो गई। करीब एक घंटे तक बारिश होने से तापमान में भारी गिरावट आ गई। दो दिन पूर्व जिले का तापमान जहां 30 डिग्री था वह शुक्रवार को घटकर 22 डिग्री तक पहुंच गया। हेमकुंड साहिब यात्रा मार्ग पर बृहस्पतिवार रात हुई भारी बर्फबारी के कारण आस्था पथ अटलाकोटी से हेमकुंड साहिब तक बर्फ से ढक गया। कई स्थानों पर रास्ता बेहद फिसलन भरा और खतरनाक हो गया है जिससे श्रद्धालुओं को आवाजाही में परेशानियों का सामना करना पड़ा। घांघरिया चौकी प्रभारी अमनदीप सिंह ने शुक्रवार को पुलिस टीम के साथ बर्फबारी के बीच तीर्थयात्रियों को आवाजाही में मदद की। फिसलन भरे स्थानों पर पुलिस टीम श्रद्धालुओं के साथ कदम से कदम मिलाकर चलती रही। चौकी प्रभारी अमनदीप सिंह ने यात्रियों का हाथ पकड़कर हिम्मत बंधाई और एक-एक कर सुरक्षित रास्ता पार कराया। गोविंदघाट गुरुद्वारे के वरिष्ठ प्रबंधक सरदार सेवा सिंह ने बताया कि हेमकुंड साहिब क्षेत्र में बर्फबारी से ठंड बढ़ गई है। यहां रुक-रुककर बर्फबारी होने से पैदल रास्ते में श्रद्धालुओं का आवाजाही में परेशानी भी उठानी पड़ रही है। पुलिस टीम, एसडीआरएफ के साथ ही गुरुद्वारे के सेवादार श्रद्धालुओं की मदद में जुटे हैं। (एजेंसी)

यूपी में निमार्णाधीन पुल का स्लैब गिरा, 6 की मौत

अफसर बोले- आंधी-बारिश के चलते हादसा, 3 मजदूरों को बचाया गया

हमीरपुर (एजेंसी)। यूपी के हमीरपुर में बेतवा नदी पर बन रहे निमार्णाधीन पुल का स्लैब शुक्रवार देर रात 2 बजे गिर गया। हादसे में 6 मजदूरों की मौत हो गई। स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स (SDRF) ने मलबे में फंसे 3 मजदूरों को निकाला। साढ़े 7 घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चला। उत्तर प्रदेश ब्रिज कॉरपोरेशन के एमडी धर्मवीर सिंह ने बताया कि आंधी-बारिश के कारण स्लैब गिरा और नीचे सो रहे मजदूर दब गए। हादसे के बाद सहायक अभियंता गजेंद्र कुमार चौधरी को निलंबित कर दिया गया है। डीपीएम दिलीप कुमार पर विभागीय कार्रवाई शुरू की जा रही है। मौसम विभाग के मुताबिक, हमीरपुर में देर रात 70-80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चली थी। हादसा शहर से 25 किमी. दूर ललपुरा इलाके में हुआ। मृतकों में 4 बांदा और 2 हमीरपुर के रहने वाले थे। रऊफ्क्र के अधिकारियों ने बताया कि रात ढाई बजे से शुरू हुआ रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा हो चुका है। प्रत्यक्षदर्शी सुरेश कुमार ने बताया- पुल पर दो शिफ्ट में काम होता है। जिस वक्त आंधी आई, पहली शिफ्ट के लोग पुल के नीचे थे, जबकि दूसरी शिफ्ट के 7 मजदूर पुल पर काम कर रहे थे।

उनमें मैं भी था। आंधी से बचने के लिए हम लोग पुल पर लेट गए। इसी बीच हादसा हो गया। उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम पुल का निर्माण करवा रहा है। इसकी लागत 90 करोड़ रुपए है। 700 मीटर लंबा दो लेन का ब्रिज मोराकांड से कुरारा गांव के बीच बनाया जा रहा है। इसका निर्माण मार्च 2024 में शुरू हुआ था। दिसंबर 2026 तक इसे पूरा किया जाना है। यूपी ब्रिज कारपोरेशन के एमडी धर्मवीर सिंह ने बताया- मामले में प्रथम दृष्टया सहायक अभियंता गजेंद्र कुमार चौधरी को निलंबित किया है। डीपीएम दिलीप कुमार के खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू की गई है। उन्होंने बताया कि मामले में विभागीय जांच के लिए कमेटी गठित की है। जांच कमेटी में संयुक्त प्रबंध निदेशक, मुख्य परियोजना प्रबंधक (डिजाइन) और मुख्य परियोजना प्रबंधक, कानपुर शामिल हैं। हादसे के जान गंवाने वाले गंगाचरण (26) पुत्र शोभरन सिंह निवासी भूरागढ़ दो भाइयों में बड़े थे। परिवार में उनके छोटे भाई राजीव (20) हैं। परिजनों के मुताबिक, गंगाचरण ने कक्षा 8 तक पढ़ाई की थी। वह करीब दो महीने पहले घर लौट आए थे, लेकिन परसों ठेकेदार का फोन आने पर दोबारा काम के लिए बांदा से हमीरपुर चले गए थे। परिजनों ने बताया- उन्हें सूचना मिली थी कि तेज तूफान के दौरान निमार्णाधीन पुल का हिस्सा गिर गया, जिसमें उनका भतीजा पप्पू भी दब गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद परिवार के सदस्य सुन यादव, मनोज यादव और पंकज यादव मौके के लिए रवाना हुए। मृतक की उम्र करीब 26 वर्ष बताई जा रही है। हादसे में जान गंवाने वाले मृतक सभाजीत यादव (25) पुत्र नीलकंठ यादव इंटरमीडिएट पास थे। तीन भाइयों में सबसे बड़े थे।

बिहार में भारी बारिश, 20 जिलों में दिन में अंधेराः बिजली गिरने से 7 लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में शुक्रवार को आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया है। पटना, खगड़िया,रोहतास, औरंगाबाद, कैमूर, छपरा समेत 20 जिलों में सुबह पहले अंधेरा छा गया फिर तेज बारिश हुई। राज्य में बिजली गिरने से 7 लोगों की मौत हो गई। काले बादलों की वजह से गाड़ियों की लाइट जलाकर लोग सफर करते देखे गए। मौसम विभाग के मुताबिक, बिहार में अगले 3 दिनों तक मौसम ऐसा ही बना रहेगा। उधर, मध्य प्रदेश में ग्वालियर, मुरैना, श्योपुर, निवाड़ी, टीकमगढ़ और छतरपुर जिलों में दिन में हीटवेव चलेगी, जबकि शाम को

बारिश के साथ ओले गिर सकते हैं। यूपी में गर्मी के बजाय बारिश-आंधी का सिलसिला जारी है। शुक्रवार सुबह लखनऊ, प्रयागराज, झांसी और चंदौली में तेज आंधी-तूफान के साथ बारिश हुई। 100 स्त्रँ की रफ्तार से हवाएं चलीं। हमीरपुर में तूफान के चलते अंडर कंस्ट्रक्शन पुल गिर गया। जिसमें 6 की मौत हो गई। लखनऊ में रेलवे स्टेशन का टिन शेड गिर गया। 2 लोग घायल हुए। राजस्थान में 12 जिलों में बारिश हो सकती है। देश में नौतपा के बीच 10 राज्यों में प्री-मानसून बारिश हो रही है। यूरोप की मौसम एजेंसी यूरोपियन सेंटर फॉर मीडियम-रेंज वेदर फोरकास्ट्स ने सैटेलाइट, समुद्री और वायुमंडलीय डेटा को मिलाकर भारत में 15 दिनों की बारिश का पूर्वानुमान निकाला है। इसमें अगले 8 दिनों में केरल, तमिलनाडु, दिल्ली, पंजाब, यूपी, बिहार, राजस्थान, एमपी में ज्यादा बारिश के संकेत हैं। केरल में मानसून की दस्तक को लेकर मौसम विभाग का पूर्वानुमान गलत साबित हुआ है। मानसून केरल के तट से 30-35 किमी दूर 5 दिन से अटका है और अगले दो-तीन दिन इसके आगे बढ़ने के आसार नहीं हैं।

चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर पहुंचे सीआईएसएफ डीजी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के महानिदेशक प्रवीर रंजन ने शुक्रवार को चंडीगढ़ में एक महत्वपूर्ण परिचालन समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस उच्च स्तरीय बैठक का मुख्य उद्देश्य सीआईएसएफ के 'उत्तर क्षेत्र' और 'हवाई अड्डा क्षेत्र' की परिचालन तैयारियों, सामरिक रणनीतियों और सुरक्षा व्यवस्थाओं का व्यापक मूल्यांकन करना था। बैठक में ड्रोन हमला और तोड़फोड़ विरोधी गतिविधियों से बचाव पर मुख्य फोकस रहा। चरणबद्ध ड्रोन-विरोधी प्रशिक्षण कार्यक्रम की समीक्षा की गई। सीआईएसएफ के वरिष्ठ अधिकारियों और विभिन्न सुरक्षा इकाइयों के कमांडरों ने संवेदनशील राष्ट्रीय प्रतिष्ठानों और नागरिक उड्डयन क्षेत्रों को सुरक्षित रखने के लिए अत्याधुनिक तकनीकों को अपनाने, आपातकालीन स्थिति से निपटने की क्षमताओं को बढ़ाने और अंतः-एजेंसी समन्वय को मजबूत करने पर विस्तृत रोडमैप तैयार किया है।

न्यूयॉर्क मेयर ममदानी ने ईरान जंग का विरोध किया

कहा- इसमें हजारों जान गईं, लोग एक लापरवाह फैसले की कीमत चुका रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी ने ईरान जंग का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि यह युद्ध अब खत्म होना चाहिए, क्योंकि इसकी सबसे बड़ी कीमत आम लोग चुका रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करते हुए ममदानी ने कहा, आज से तीन महीने पहले एक ऐसा युद्ध शुरू हुआ था, जिसके लिए किसी ने वोट नहीं किया था। लेकिन इसकी कीमत उन लोगों ने चुकाई, जिनकी इसमें कोई आवाज नहीं थी। उन्होंने कहा कि इस युद्ध में हजारों नागरिकों की जान जा चुकी है। साथ ही 13 अमेरिकी सैनिक भी मारे गए, जो अब कभी अपने परिवारों के पास वापस नहीं लौट पाएंगे। ममदानी ने कहा कि इस युद्ध का असर सिर्फ युद्ध क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि अमेरिका के आम लोगों पर भी पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल और खाने-पीने की चीजों की कीमतें बढ़ गई हैं, जिससे मिडिल और वर्किंग क्लासस के परिवारों का बजट बिगड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह संघर्ष अमेरिकी संसद यानी कांग्रेस की मंजूरी के बिना शुरू किया गया। ममदानी ने कहा, विदेश में जाने वाली हर जान और अमेरिका में आम परिवारों पर पड़ने वाला हर आर्थिक बोझ, एक ही लापरवाह फैसले की कीमत है। ईरान ने दावा किया है कि उसने अपने नए एयर डिफेंस सिस्टम 'अराश-ए-कामंगिर' से अमेरिकी MQ-9 रीपर ड्रोन को मार गिराया। तेहरान का कहना है कि यह सिस्टम पहली बार युद्ध जैसी स्थिति में इस्तेमाल किया गया। ईरानी समाचार एजेंसी फर्स के मुताबिक ड्रोन को होर्मुज स्ट्रेट के पास केश्म द्वीप के नजदीक निशाना बनाया गया। ईरान का दावा है कि अराश-ए-कामंगिर ऐसा एयर डिफेंस सिस्टम है, जो निगरानी और जासूसी करने वाले ड्रोन को ट्रैक कर उन्हें मार गिरा सकता है। तेहरान ने कहा कि यह सिस्टम पूरी तरह देश में विकसित किया गया है और इसका पहला ऑपरेशनल इस्तेमाल इसी कार्रवाई में हुआ। हालांकि अमेरिका ने अब तक इस दावे की पुष्टि नहीं की है और इसकी स्वतंत्र पुष्टि भी नहीं हो सकी है। ईरान ने कहा है कि पिछले 24 घंटे में 24 जहाजों को होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने की अनुमति दी गई। ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड (IRGC) का कहना है कि समुद्री रास्ते पर भीड़ से बचने के लिए जहाजों की आवाजाही नियंत्रित तरीके से कराई जा रही है।

गाजा के खान यूनिस में इजराइली ड्रोन हमला, 3 की मौत

गाजा में इजराइली हमले लगातार जारी हैं। फिलिस्तीनी समाचार एजेंसी वफा के मुताबिक, दक्षिणी गाजा के खान यूनिस शहर में इजराइली ड्रोन हमले में तीन लोगों की मौत हो गई। रिपोर्ट के अनुसार, हमला खान यूनिस के अल-मवासी इलाके में किया गया। ड्रोन हमले में कई अन्य लोग भी घायल हुए हैं। इसी इलाके में इजराइली गोलाबारी में भी कई फिलिस्तीनी घायल हुए। वहीं गाजा पट्टी के उत्तरी हिस्से में गाजा सिटी की यरमूक स्ट्रीट पर हुए एक अन्य इजराइली हमले में पांच लोग घायल हो गए। फिलहाल घायलों की स्थिति को लेकर ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है।

हाईकोर्ट 3 महीने से ज्यादा फैसला सुरक्षित न रखें

सुप्रीम कोर्ट का निर्देश- जमानत पर आदेश उसी दिन या अगले दिन दें, अपलोड तुरंत करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने देशभर के सभी हाईकोर्ट में फैसलों में देरी पर चिंता जताई है। कोर्ट ने शुक्रवार को कहा, ह्यकिसी भी मामले में फैसला सुरक्षित (रिजर्व) रखने के बाद उसे 3 महीने के भीतर सुनाया जाना चाहिए। अगर 3 महीने तक फैसला नहीं आता है, तो हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल उस मामले को चीफ जस्टिस के सामने रखेंगे। CJI सूर्यकांत की अगुआई वाली बेंच ने यह भी कहा कि जमानत याचिकाओं पर आदेश उसी दिन सुनाया जाए। अगर फैसला सुरक्षित रखा जाता है, तो उसे अगले दिन जरूर जारी किया जाए और तुरंत वेबसाइट पर अपलोड किया जाए। कोर्ट ने इस संबंध में 12 निर्देश जारी किए। ये निर्देश झारखंड सरकार से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान दिए गए, जिसमें आरोप था कि हाईकोर्ट ने 2022 से फैसला नहीं सुनाया है। यह मामला अनुसूचित जनजाति (ST) और अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) के 4 दोषियों की याचिका से जुड़ा है। उनका कहना था कि झारखंड हाईकोर्ट में उनकी क्रिमिनल अपील 2022 से पेंडिंग है, लेकिन अब तक फैसला नहीं सुनाया गया। याचिकाकताओं ने दलील दी कि

फैसले में इतनी देरी संविधान के अनुच्छेद-21 के तहत मिले जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन है। इसमें समय पर सुनवाई और न्याय पाने का अधिकार भी शामिल है। इससे पहले नवंबर 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने सभी हाईकोर्ट से रिपोर्ट मांगी थी। इसमें यह बताने को कहा गया था कि किन मामलों में फैसला कब रिजर्व रखा गया, कब सुनाया गया और आदेश वेबसाइट पर कब अपलोड किया गया। निजी स्वतंत्रता से जुड़े मामले, जिनमें रेगुलर बेल, अग्रिम जमानत के सामने शामिल हैं, उनमें हाईकोर्ट को तेजी दिखानी चाहिए। जमानत याचिकाओं की सुनवाई कर आदेश उसी दिन सुनाया और अपलोड किया जाना चाहिए। यदि ऑर्डर रिजर्व रखा जाता है, तो उसे अगले दिन सुनाया जाए। जमानत, सजा पर रोक के आदेश की सूचना जेल प्रशासन को तुरंत भेजी जाए, ताकि आरोपी/दोषी को उसी दिन या अगले दिन रिहा किया जा सके, बशर्ते वह किसी दूसरे केस में वॉन्टेड न हो। या जमानत की शर्तों का पालन न रह गया हो। अगर मामला आपराधिक केस, फांसी की सजा से जुड़ा है, और आरोपी जेल में है तो जज फैसला सुरक्षित रखने के 7 दिन के अंदर दोनों पक्षों से स्पष्टीकरण मांग सकते हैं। बाकी मामलों में फैसला रिजर्व रखने के 1 महीने बाद कोर्ट सफाई या दलीलें नहीं मांग सकता है। हर महीने हाईकोर्ट की वेबसाइट से ऑटोमैटिक ई-मेल चीफ जस्टिस को भेजी जाए, जिसमें फैसला रिजर्व रखे गए मामलों की जानकारी हो।

एक दिवसीय जोनल स्तरीय सीएमई कार्यक्रम पर हुई चर्चा

देहरादून। गौतम बुद्ध चिकित्सा महाविद्यालय व डॉ. केकेबीएम सुभारती अस्पताल में एक दिवसीय जोनल स्तरीय सतत् चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम में चिकित्सा की आधुनिक तकनीकों पर चर्चा की गई। शुक्रवार को बायोकेमिस्ट्री विभाग की ओर से समेकित जैव–रसायन व आणविक चिकित्सा में भविष्य की प्रवृत्तियां विषय पर सतत् चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन संस्थान के निदेशक डॉ. (ब्रिग.) वीपी. सिंह, कुलपति डॉ. देश दीपक व प्राचार्य डॉ. अनिल मेहता ने किया। डॉ. वीपी. सिंह ने कहा कि जैव–रसायन और आणविक चिकित्सा भविष्य में सटीक व व्यक्तिगत चिकित्सा की आधारशिला बनेगी। कुलपति डॉ. देश दीपक ने ऐसे शैक्षणिक आयोजनों को चिकित्सकों के निरंतर ज्ञानवर्धन बताया, प्राचार्य डॉ. अनिल मेहता ने शोध व नवाचार को चिकित्सा शिक्षा का अभिन्न अंग बताते हुए युवा चिकित्सकों को सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। इस दौरान पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित हुई। उत्तराखंड मेडिकल काउंसिल की ओर से इस कार्यक्रम को 3 क्रेडिट घंटे दिए गए। वैज्ञानिक सत्रों में एमएएमसी दिल्ली की डॉ. अनुभूति, एम्स ऋषिकेश की डॉ. मनीषा नैथानी और ग्राफिक एरा के डॉ. नीरज गुप्ता सहित कई विशेषज्ञों ने नेक्स्ट जेनरेशन सीक्वेंसिंग, सेप्सिस निदान व कैंसर जांच की आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी। इस दौरान पोस्टर प्रतियोगिता भी आयोजित हुई। उत्तराखंड मेडिकल काउंसिल द्वारा इस कार्यक्रम को 3 क्रेडिट घंटे दिए गए। कार्यक्रम में कार्यवाहक चिकित्सा अधीक्षक डॉ. प्रशान्त भटनागर, उप प्राचार्य डॉ. रूपा हंसपाल, डॉ. सुकन्या गंगोपाध्याय, डॉ. किरण भट्ट, डॉ. तारिक मसूद, डॉ विनीता कालरा, डॉ रितेश श्रीवास्तव, स्नातकोत्तर विद्यार्थी एवं शोधार्थी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने हिंदी पत्रकारिता दिवस की दी शुभकामनाएं

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर शुभकामनाएं दी है। हिन्दी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर जारी अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि हिंदी पत्रकारिता लोकतंत्र की सशक्त आवाज रही है, समाज में जनजागरुकता एवं जन भावनाओं को अभिव्यक्ति देने में पत्रकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका है।मुख्यमंत्री ने कहा कि हिंदी पत्रकारिता का गौरवशाली इतिहास रहा है। वर्तमान समय में पत्रकारिता समाज और शासन के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु के रूप में कार्य कर रही है। कहा कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में पत्रकारिता देश के राजनैतिक, आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक आदि क्षेत्रों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड में भी हिन्दी पत्रकारिता का स्वर्णिम इतिहास रहा है। प्रदेश सरकार पत्रकारों के हितों के प्रति संवेदनशील है तथा पत्रकारिता से जुड़े लोगों के कल्याण के लिए निरंतर प्रयासरत है। सूचना महानिदेशक बंशीधर तिवारी ने भी हिन्दी पत्रकारिता दिवस पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि निष्पक्षता, विश्वसनीयता एवं जनहित की भावना आज भी पत्रकारिता की मूल आत्मा है।

छह पर्वतारोहियों ने माउंट बलजोरी पीक पर लहराया तिरंगा

बागेश्वर। उच्च हिमालयी क्षेत्र स्थित 5922 मीटर ऊंची माउंट बलजोरी पीक पर पर्वतारोहियों के दल ने सफलतापूर्वक तिरंगा फहर-ाकर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। स्थानीय संस्था ह्यदेवभूमि एडवेंचरह्ल के नेतृत्व में संचालित इस अभियान ने जिले में साहसिक पर्यटन को नई पहचान दी है। अभियान का नेतृत्व अनुभवी पर्वतारोही एवं गाइड दिनेश सिंह दानू कर रहे थे, जबकि ग्रुप लीडर की जिम्मेदारी अमित बनर्जी ने संभाली। 14 सदस्यीय दल ने खाती–द्वाली मार्ग से कठिन और तीव्र ढलानों को पार करते हुए बेस कैंप तक पहुंच बनाई। इसके बाद रणनीति के तहत कैंप–1 तक सामान पहुंचाने की प्रक्रिया पूरी की गई और फिर टीम कैंप–2 तक पहुंची। माउंट बलजोरी की अंतिम और सबसे चुनौतीपूर्ण चढ़ाई के लिए दल ने रात एक बजे कैंप–2 से प्रस्थान किया। कड़ाके की ठंड, बर्फीली हवाओं और दुर्गम रास्तों के बीच छह पर्वतारोहियों ने सुबह 6:15 बजे शिखर पर पहुंचकर तिरंगा फहराया। शिखर फतह करने वालों में अरिंदम, रजत, सुमन, सोमु और पूनम प्रोमिता शामिल रहे। अभियान में अर्जुमा, संतानों अंजली सहित स्थानीय सपोर्ट टीम ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गाइड दिनेश सिंह दानू ने बताया कि अनुकूल मौसम, टीम वर्क और बेहतर समन्वय के कारण यह चुनौतीपूर्ण अभियान सुरक्षित और सफल रहा। इस उपलब्धि से क्षेत्र में साहसिक पर्यटन और पर्वतारोहण गतिविधियों को नई प्रेरणा मिली है।

संक्षिप्त समाचार

सुरई रेंज में शावक की आपसी संघर्ष में हुई मौत

रुद्रपुर। सुरई रेंज में आपसी संघर्ष में एक बाघ के शावक की मौत हो गई। लगातार 24 घंटे के भीतर खटीमा क्षेत्र की दो अलग–अलग वन रेंजों में दो जंगली जानवरों की मौत होने से वन विभाग में चिंता बढ़ गई है। अधिकारियों ने वन्यजीवों के बीच बढ़ रहे संघर्ष को गंभीर मानते हुए निगरानी बढ़ा दी है। बताया जा रहा है कि गुरुवार को हाथी गणना के दौरान किलपुरा रेंज में एक हाथी का शव मिला था। प्रारंभिक जांच में हाथी की मौत आपसी संघर्ष में होना सामने आया था। इसके कुछ घंटों बाद सुरई रेंज में भी बाघ के शावक का शव मिलने से वन विभाग सतर्क हो गया। वन विभाग की गश्ती टीम को कक्ष संख्या 55 में वन कर्मी राहुल और वन दरोगा राजू दास ने शावक का शव देखा। सूचना मिलते ही सुरई रेंजर आरएस मनराल, एसडीओ संचिता वर्मा और डीएफओ हिमांशु बागड़ी मौके पर पहुंचे और निरीक्षण किया। बाद में शव को सुरई गेस्ट हाउस लाया गया, जहां पशु चिकित्सक राहुल सती, हिमांशु पांगती की टीम ने पोस्टमार्टम किया। रेंजर आरएस मनराल ने बताया कि शावक के गले पर चोट के निशान मिले हैं और आसपास नर बाघ के पदचिह्न भी पाए गए हैं। इससे शावक की मौत आपसी संघर्ष में होने की आशंका जताई जा रही है। वन विभाग की टीम पूरे क्षेत्र में लगातार निगरानी कर रही है।

पुलिस ने जारी किया ट्रैफिक प्लान, भारी वाहनों पर प्रतिबंध

हल्द्वानी। वीकेंड पर कैंची धाम, नैनीताल, भवाली और भीमताल में उमड़ने वाली भारी भीड़ को देखते हुए नैनीताल पुलिस ने शनिवार और रविवार के लिए यातायात डायवर्जन प्लान जारी किया है। यह प्लान दोनों दिन सुबह 9 बजे से रात 10 बजे तक प्रभावी रहेगा। आवश्यक सेवाओं को छोड़कर सुबह 6 से रात 11 बजे तक भारी वाहनों का प्रवेश पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगा।एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी ने पर्यटकों और स्थानीय जनता से प्लान का पालन कर सहयोग करने की अपील की है। वहीं यातायात का दबाव कम करने के लिए अल्मोड़ा और रानीखेत की ओर से हल्द्वानी आने वाले भारी वाहनों को क्वारब और खैरना से ही डायवर्ट कर वाया रामगढ़, मुक्तेश्वर होकर हल्द्वानी भेजा जाएगा। आवश्यक सेवाओं वाले वाहनों को भवाली मस्जिद तिराहा से पीछे रोका जा सकता है या उन्हें रामगढ़ व खुटानी मार्ग से भेजा जाएगा। बाहरी राज्यों व जिलों से भीमताल होते हुए कैंची धाम जाने वाले पर्यटकों की प्राइवेट गाड़ियों को भीमताल विकास भवन पार्किंग में पार्क कराया जाएगा। यहां से पर्यटक केवल स्थानीय शटल सेवा (टैक्सी) के जरिए भवाली/कैंची धाम जा सकेंगे। गेठिया मार्ग में नैनीताल रूट पर कैंची धाम जाने वाले पर्यटकों के वाहनों को भवाली सैनेटोरियम पार्किंग में पार्क कराया जाएगा और वहां से आगे शटल सेवा से भेजा जाएगा।

यूओयू में सेमेस्टरवार जमा हो सकेगी फीस

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय (यूओयू) में शैक्षणिक सत्र जुलाई 2026 से समस्त सेमेस्टर आधारित कार्यक्रमों के वार्षिक शुल्क को सेमेस्टरवार लिया जाएगा। इससे विद्यार्थियों को पूरे वर्ष का शुल्क एकमुश्त जमा नहीं करना पड़ेगा और उनका आर्थिक बोझ कम होगा। इसके साथ ही एमबीए एवं एमसीए के विद्यार्थियों को अध्ययन सामग्री प्राप्त करने का विकल्प भी उपलब्ध कराया जाएगा।शुक्रवार को विद्या परिषद की 35वीं बैठक कुलपति एवं परिषद के अध्यक्ष प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी की अध्यक्षता में हुई। इसमें विश्वविद्यालय के शैक्षणिक, शोध एवं प्रशासनिक कार्यों से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा की गई। विवि ने छात्रहित में शैक्षणिक सत्र जुलाई 2026 से समस्त सेमेस्टर आधारित कार्यक्रमों के वार्षिक शुल्क को सेमेस्टरवार (किस्तों में) लिए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप विद्यार्थियों को दी जाने वाली ट्रांसक्रिप्ट के नवीन प्रारूप को परिषद ने अनुमोदित किया। बैठक में जानकारी दी गई कि विश्वविद्यालय के पांच नवीन एमओओसी पाठ्यक्रमों को स्वयं पोर्टल पर स्वीकृति प्राप्त हो गई है। सत्र 2026–27 के अकादमिक कैलेंडर को भी संस्तुति दी गई। बैठक में विवि की परिनियमावली में संशोधन कर भाषा विद्याशाखा को शामिल करने के प्रस्ताव पर चर्चा की गई।

मानसून से पहले टावर लगाने का काम पूरा करें

चम्पावत। डीएम मनीष कुमार ने जिले में निर्माणाधीन सभी मोबाइल टावर का काम आगामी मानसून सीजन से पूर्व करने के निर्देश दिए हैं। जिला टेलीकॉम समिति की बैठक में उन्होंने दूरसंचार की स्थिति की समीक्षा की। चम्पावत कलक्ट्रेट में शुक्रवार को जिला टेलीकॉम समिति की बैठक् हुई। बैठक में डीएम ने जिले में दूरसंचार सेवाओं की वर्तमान स्थिति, नेटवर्क विस्तार और डिजिटल सेवाओं की उपलब्धता की समीक्षा की। डीएम ने मां पूर्णागिरि धाम, रीठा साहिब, पर्यटक स्थलों और मुख्य मार्गों में निर्बाध नेटवर्क व्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर दिया। डीपीआरओ ने शैडो एरिया में आ रही विसंगतियों की जानकारी दी। जिस पर डीएम ने बीएसएनएल के अधिकारियों को डीपीआरओ की चिन्हित की गई जगहों परकॉल टेस्टिंग करने के निर्देश दिए। मानसून सीजन में बिजली बाधित होने पर भी दूरसंचार सेवाओं को प्रभावित होने से बचाने के लिए सभी टावरों पर पर्याप्त पावर बैकअप की व्यवस्था करने को कहा। बैठक में डीडीएमओ देवेंद्र पटवाल, ई–डिस्ट्रिक्ट मैनेजर तनुज रावल सहित बीएसएनएल, जियो, एयरटेल और वोडाफोन आदि कंपनियों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

कुंभ की तैयारी को लेकर विकास कार्यों का जायजा लिया

हरिद्वार। कुंभ मेले की तैयारियों को लेकर मेला प्रशासन ने अवस्थापना एवं निर्माण कार्यों में तेजी ला दी है। शुक्रवार को अपर मेलाधिकारी दयानंद सरस्वती ने लोक निर्माण विभाग, नगर निगम और तकनीकी सेल के अधिकारियों के साथ भूपतवाला–सप्तसरोवर क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण कर सड़कों की स्थिति और चल रहे विकास कार्यों का जायजा लिया। अपर मेलाधिकारी ने कहा कि मेला प्रशासन इस क्षेत्र की सड़कों के सुधार को अत्यंत गंभीरता से ले रहा है। मेलाधिकारी द्वारा भी पूर्व में कई बार क्षेत्र का निरीक्षण कर स्थानीय समस्याओं का गहन अध्ययन किया गया तथा सड़कों के सुधार कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने भारत माता मंदिर को राष्ट्रीय राजमार्ग से जोड़ने वाले मार्ग के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण सुधार के लिए लोक निर्माण विभाग एवं नगर निगम के अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह मार्ग श्रद्धालुओं एवं यात्रियों की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोगों का आवागमन होता है। ऐसे में इस सड़क का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निर्माण आवश्यक है।

अपर मेलाधिकारी ने कुंभ मेला–2027 के दृष्टिगत क्षेत्र में श्रद्धालुओं की सुविधाओं, स्वच्छता व्यवस्था तथा नालियों की नियमित एवं समुचित सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने धनौरी–सिडकुल मार्ग पर पथरी रौ नदी पर निर्माणाधीन दो लेन मोटर पुल के कार्यों का भी स्थलीय निरीक्षण कर प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कार्यदायी संस्था को निर्माण कार्यों में और तेजी लाने के निर्देश देते हुए निर्धारित समयसीमा एवं गुणवत्ता मानकों के अनुरूप कार्य पूर्ण करने की सख्त हिदायत दी।

इस दौरान अधिशासी अभियंता सिंचाई अनुभव नौटियाल, तकनीकी सेल के अभियंता श्री अतुल शांडिल्य सहित लोनिवि व नगर निगम के अधिकारी उपस्थित रहे।

उत्तराखंड से चार खिलाड़ी खेलेंगे एशियन पैरा गेम्स 2026

देहरादून। देहरादून के सोवेंद्र, शिवम सिंह नेगी, साहिल और आदित्य सजवान का चयन एशियन पैरा गैम्स 2026 के लिए हुआ हैं। गोलकीपर आदित्य सजवान पहली बार एशियन पैरा गेम्स में भाग लेंगे। ब्लाइंड फुटबॉल की भारतीय टीम अकेली टीम है जिसने एशियन पैरा गेम्स के लिए क्वालीफाई किया है।अब जापान के नागोया शहर में 18 से 24 अक्टूबर 2026 तक होने वाले खेलों में भारतीय टीम भाग लेगी। दिल्ली के ब्लाइंड रिलीफ एसोसिएशन के मैदान में हुए सिलेक्शन ट्रायल्स में देश के कई राज्यों से लगभग 24 खिलाड़ी और 8 गोलकीपर्स ट्रायल्स के लिए चयनित हुए थे।

यह ट्रायल्स 25 से 28 मई 2026 तक चले जिसमें मेघालय, केरल, गुजरात और उत्तराखंड सहित कई राज्यों के खिलाड़ियों ने भाग लिया था। इस दौरान उत्तराखंड से कुल तीन खिलाड़ी और एक गोलकीपर ने ट्रायल में भाग लिया था। यह सभी इंडियन ब्लाइंड फुटबॉल टीम का हिस्सा बन चुके हैं। ब्लाइंड फुटबॉल की भारतीय टीम अकेली टीम है जिसने एशियन पैरा गेम्स के लिए क्वालीफाई किया है। अब जापान के नागोया शहर में 18 से 24 अक्टूबर 2026 तक होने वाले खेलों में भारतीय टीम भाग लेगी।

कैंप में ट्रेनिंग के लिए चले जाएंगेः यह खिलाड़ी राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान देहरादून में कोच नरेश सिंह नयाल के संरक्षण में ट्रेनिंग कर रहे हैं। सिलेक्शन के बाद जल्दी ही नेशनल कैंप से बुलावा आने के बाद नेशनल कैंप में ट्रेनिंग के लिए चले जाएंगे। नेशनल ट्रेनिंग कैंप आईबीएफएफ यानी इंडियन ब्लाइंड फुटबॉल एसोसिएशन के तत्वाधान में होगा।

देवभूमि उत्तराखंड सफाई कर्मचारी यूनियन का गठन

काशीपुर। शुक्रवार को नगर पालिका सभागार में आयोजित पर्यावरण मित्रों की बैठक में देवभूमि उत्तराखण्ड सफाई कर्मचारी यूनियन का सर्वसम्मति से गठन किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से सुरेश कुमार लाला को यूनियन का अध्यक्ष चुना गया। इसके अलावा कार्यकारिणी के अन्य पदाधिकारियों का भी चयन कर उन्हें जिम्मेदारी सौंपी गई। यूनियन के लोकतांत्रिक गठन में सुरेश कुमार मिल्ले को उपाध्यक्ष, मुकेश कुमार को महामंत्री, विनोद कुमार को मंत्री, बंटी कुमार को कोषाध्यक्ष और राजेश कुमार को प्रचार मंत्री की कमान सौंपी गई है। नई कार्यकारिणी उत्तराखण्ड वाल्मीकि दलित समाज सुधार संगठन के अध्यक्ष अनिल वाल्मीकि के मार्गदर्शन में गठित हुई।

बल्लूपुर में खुला पार्क, ओपन जिम और पैदल ट्रैक भी बनेंगे

देहरादून। बल्लूपुर के कमला नगर में शुक्रवार को नवनिर्मित पार्क का पार्षद कोमल वोहरा ने विधिवत उद्घाटन किया। इस पार्क में ओपन जिम , वाकिंग ट्रैक और झूले आदि लगाए जाएंगे। पार्षद कोमल दीप वोहरा ने कहा कि उनके वार्ड में कुल छह पार्क हैं और उनका संकल्प है कि जनहित में बच्चों, बुजुर्गों एवं आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने कहा कि नगर निगम के सहयोग से पार्कों में ओपन जिम, बच्चों के झूले तथा पैदल चलने के लिए बेहतर फुटपाथ जैसी सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि बीते पांच वर्षों में वार्ड के चार पार्कों का सौंदर्यीकरण कराया जा चुका है और आगे भी यह कार्य लगातार जारी रहेगा।कार्यक्रम में डॉ. शशांक गंधे, एकता चड्ढा, प्रीति अहूजा, दीपक मधु लांबा, आरएल मेहंदीरत्ता, अशोक सूद, बीएस रावत, मिनाल गंधे, सचिन कुमार, पंडित विश्वास शुक्ला, सार्थक बतरा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

दून में प्री—एसआईआर अभियान के अंतर्गत 80.38 प्रतिशत की मैपिंग

देहरादून। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने कहा कि मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। सभी ईआरओ बूथवार बीएलए–2 नियुक्ति तत्काल सुनिश्चित किए जाएं। दून में प्री–एसआईआर अभियान के अंतर्गत 80.38 प्रतिशत की मैपिंग पूर्ण हो चुकी है।

शुक्रवार को जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम को लेकर सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (ईआरओ) एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में डा. चौहान ने पुनरीक्षण कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर त्रुटिरहित ढंग से पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए। कहा कि मतदाता सूची की मैपिंग गंभीरता एवं पारदर्शिता के साथ की जाए। सभी पात्र मतदाताओं के नाम सूची में शामिल किए जाएं। अनुपस्थित, स्थानांतरित एवं मृत मतदाताओं के नाम अत्यंत सावधानीपूर्वक सूची से हटाए जाएं, ताकि कोई भी पात्र मतदाता अपने मताधिकार से वंचित न रहे। कहा कि सभी अधिकारी निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा–निर्देशों का गहन अध्ययन कर लें। उन्होंने कहा कि बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) एवं सुपरवाइजरों को पुनरीक्षण कार्यों का विस्तृत प्रशिक्षण दिया जाए। उन्होंने संबंधित क्षेत्रों में पटवारियों के माध्यम से भी सत्यापन कराने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का बूथ लेवल पर पुनरीक्षण के लिए राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्ति बीएलए–2 की अहम भूमिका है। सभी ईआरओ अपने क्षेत्र में राजनीतिक दलों के साथ बैठक कर प्रत्येक बूथ के लि बीएलए–2 अवश्य नियुक्त करवा लें। मतदान केंद्रों की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से सभी ईआरओ को अपने–अपने क्षेत्रों के बूथों का भौतिक सत्यापन करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने पुनरीक्षण कार्यों के लिए नियुक्त नोडल अधिकारियों को समयबद्ध ढंग से सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन सितंबर माह में किया जाना है। इसके साथ ही निर्वाचन संबंधी विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए टेंडर प्रक्रिया की सूची तैयार कर समय पर समस्त प्रक्रियाएं पूर्ण करने के निर्देश भी दिए।

कैंचीधाम की समस्याओं पर सरकार विफल: हरीश रावत

अल्मोड़ा, पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा है कि लाभ में चल रही आईएमपीसीएल को बेचने की कोशिश हजारों लोगों के रोजगार पर चोट है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार बड़े घरानों को लाभ पहुंचाने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की इस महत्वपूर्ण इकाई को बेचने की दिशा में आगे बढ़ रही है। शुक्रवार को नगर के एक होटल में आयोजित प्रेस वार्ता में हरीश रावत ने कहा कि वह राहुल गांधी की 4 जून को प्रस्तावित अल्मोड़ा जनसभा की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक में शामिल होने पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के कार्यक्रम को लेकर कार्यकर्ताओं और आम लोगों में उत्साह है तथा जनसभा को सफल बनाने के लिए व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। रावत ने कहा कि मोहान स्थित आईएमपीसीएल की स्थापना इंदिरा गांधी के कार्यकाल में बड़े उद्देश्य के साथ की गई थी। उन्होंने दावा किया कि इस संस्थान के माध्यम से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से करीब 20 हजार लोगों को रोजगार मिला है। आंवला, हरड़, बहेड़ा समेत विभिन्न औषधीय उत्पादों की आपूर्ति से लेकर अन्य गतिविधियों के जरिए स्थानीय लोगों की आजीविका इससे जुड़ी रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस 31 मई को आईएमपीसीएल को बचाने की मांग को लेकर एक घंटे का मौन व्रत रखेगी। साथ ही स्थानीय लोगों के साथ विचार–विमर्श कर आगे के आंदोलन की रूपरेखा भी तैयार की जाएगी। पूर्व मुख्यमंत्री ने अल्मोड़ा–हल्द्वानी राष्ट्रीय राजमार्ग पर क्वारब क्षेत्र की समस्या का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि कैंची धाम क्षेत्र में लगने वाले जाम और क्वारब में लगातार हो रहे भूस्खलन का स्थायी समाधान अब तक नहीं निकल पाया है। उन्होंने इसे सरकार की विफलता बताते हुए कहा कि इससे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था प्रभावित हो रही है।

हरिद्वार लौटी सऊदी की महिला की तबीयत बिगड़ी

हरिद्वार। चारधाम यात्रा के दौरान तबीयत बिगड़ने पर हरिद्वार लौटी सऊदी अरब की एक महिला पर्यटक के होटल के कमरे का दरवाजा नहीं खुलने से शुक्रवार सुबह हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस, एलआईयू और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंच गई। बाद में महिला को सुरक्षित पाया गया।

पुलिस के अनुसार महिला को मिर्गी का दौरा पड़ा था और अब उसकी हालत सामान्य है। कोतवाली प्रभारी कुंदन सिंह राणा ने बताया कि पुलिस के मुताबिक 37 वर्षीय अलबीश नादा खालिद निवासी सऊदी अरब अपने पांच अन्य साथियों के साथ हरिद्वार आई थी। विदेशी पर्यटकों का यह दल 23 मई को होटल ली ग्रेस में ठहरा था और अगले दिन चारधाम यात्रा के लिए रवाना हो गया था। बताया गया कि महिला ने दो धाम की यात्रा पूरी कर ली थी, लेकिन यात्रा के दौरान तबीयत खराब होने और बीपी लो होने की शिकायत पर वह अकेले हरिद्वार लौट आई थी। होटल प्रबंधन के अनुसार महिला को 28 मई को डॉक्टर को भी दिखाया गया था। शुक्रवार सुबह जब महिला ने अपने कमरे का दरवाजा नहीं खोला तो होटल ली ग्रेस के लीजर अखिलेश चौहान ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस और एलआईयू की टीम मौके पर पहुंची।

टनकपुर में रोडवेज कर्मियों ने जुलूस निकाला

चम्पावत। टनकपुर में रोडवेज कर्मियों ने जुलूस निकाला। उन्होंने संविदा और विशेष श्रेणी के कर्मचारियों की नियमित नियुक्ति की मांग की। बाद में एसडीएम के जरिए मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। टनकपुर में शुक्रवार को रोडवेज के संविदा और विशेष श्रेणी कर्मचारी संगठन ने जुलूस निकाला। कर्मचारियों ने रोडवेज परिसर के धरना स्थल से टनकपुर तहसील परिसर तक जुलूस निकाला। जहां संगठन ने एसडीएम प्रमोद कुमार के जरिए मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष कैलाश भट्ट ने कहा कि रोडवेज में तीन हजार से अधिक संविदा, विशेष श्रेणी चालक, परिचालक व कार्यशाला कर्मी कार्यरत हैं। कहा कि संगठन लंबे समय से नियमितीकरण में संशोधन कर कट ऑफ डेट 2026 करने और विशेष श्रेणी कार्मिकों को नियमावली शामिल कर नियमित नियुक्ति देने की मांग कर रहा है। लेकिन उनकी अनसुनी की जा रही है। बताया कि संगठन ने 31 मई तक क्रमिक अनशन करने का निर्णय लिया है। मांग नहीं माने जाने पर एक जून से आमरण अनशन किया जाएगा। इस दौरान जुलूस और प्रदर्शन में गणेश जोशी, गोकुल सिंह, जयदेव नेगी, दिनेश जोशी, अल्मोड़ा, रानीखेत, देहरादून पर्वतीय, रुद्रपुर, काठगोदाम आदि डिपो के कर्मचारी शामिल रहे।

वन विभाग करा रहा ऑनलाइन फोटोग्राफी प्रतियोगिता

बागेश्वर। वन प्रभाग द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के शुभ अवसर पर एक ऑनलाइन फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य प्रकृति, वन एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन–जागरूकता बढ़ाना तथा प्रकृति प्रेमियों एवं युवाओं की रचनात्मक प्रतिभा को मंच प्रदान करना है। इस प्रतियोगिता में सभी प्रकृति प्रेमी, विद्यार्थी, युवा एवं आमजन प्रतिभाग कर सकते हैं। प्रतिभागी अपने द्वारा खींचे गए सुंदर एवं संदेशपरक फोटोग्राफ क्यूआर कोड के जरिये साझा कर सकते हैं, जो पर्यावरण, वन्यजीव, जैव विविधता, हरियाली, जल संरक्षण अथवा प्रकृति संरक्षण से संबंधित हों। प्रतियोगिता पूरी ऑनलाइन माध्यम से आयोजित होगी।

हरिद्वार में गंगा का जलस्तर घटा, सिंचाई को पर्याप्त पानी नहीं

हरिद्वार। टिहरी बांध और श्रीनगर बांध से भागीरथी और अलकनंदा नदी में पानी की निकासी घट रही है। इस वजह से पहाड़ी क्षेत्रों से भीमगोड़ा बैराज पर रोजाना 14078 क्यूसेक पानी कम पहुंच रहा है।

पानी घटने के बाद निचले इलाकों में सिंचाई के लिए मांग के अनुरूप जल की निकासी नहीं हो रही है। साथ ही, हरकी पैड़ी और गंगा घाटों पर पानी की मात्रा कम हो गई है। टिहरी बांध से भागीरथी नदी और श्रीनगर बांध से अलकनंदा नदी में पानी की निकासी होती है। देवप्रयाग से यह पानी ऋषिकेश और ऋषिकेश पशुलोक बैराज से भीमगोड़ा बैराज तक पहुंचता है। सामान्य दिनों में रोजाना बैराज पर न्यूनतम 25000 क्यूसेक पानी पहुंचता है। लेकिन हाल के दिनों में पानी की मात्रा घट रही है।

संक्षिप्त समाचार

मकानों के ऊपर लटका ट्रक, हादसा टला

श्रीनगर गढ़वाल : ऋषिकेश-बदरीनाथ राजमार्ग पर गुरूवार रात करीब साढ़े दस बजे बड़ा हादसा होने से बच गया जब श्रीनगर से ऋषिकेश जा रहा एक बल्कर ट्रक मेन मार्केट के ऊपर घनी बस्ती की ओर गिरने से बच गया। ट्रक का एक टायर सड़क से बाहर निकल गया था, लेकिन दूसरा टायर पैराफिट में फंस जाने से वह रुक गया, वरना कई घरों को भारी नुकसान हो सकता था। हादसे के बाद मेन मार्केट क्षेत्र में अफरा–तफरी मच गई। पुलिस और एसडीआरएफ टीम मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। पुलिस ने चालक को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। स्थानीय निवासियों चैतराम पालीवाल और प्रमोद टोडरिया ने बताया कि यह क्षेत्र पहले से ही दुर्घटना के लिहाज से संवेदनशील है, जहां कई बार बड़े हादसे होते-होते बचे हैं। उन्होंने कहा कि पुराने और कमजोर पैराफिट को हटाकर क्रैश बैरियर लगाने की मांग लंबे समय से की जा रही है, लेकिन अब तक कार्रवाई नहीं हुई है। ग्रामीणों और व्यापारियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द सुरक्षा उपाय नहीं किए गए तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। (एजेंसी)

श्रीनगर में मिलेगी पार्किंग की सुविधा

श्रीनगर गढ़वाल : चारधाम यात्रा के बढ़ते दबाव और यात्रियों की सुविधा को देखते हुए नगर निगम श्रीनगर गढ़वाल और प्रशासन ने शहर को व्यवस्थित यात्रा पड़ाव के रूप में विकसित करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। मेयर आरती भंडारी की पहल पर मुख्य बस अड्डे के समीप खाली भूमि का समतलीकरण कार्य शुरू कर दिया गया है, जहां पार्किंग विकसित की जाएगी। नगर निगम ने अभियान के दौरान आसपास की दुकानों द्वारा फैलाई गई गंदगी पर सख्ती दिखाते हुए चालानी कार्रवाई भी की। मेयर आरती भंडारी ने कहा कि चारधाम यात्रा के दौरान शहर में बेहतर व्यवस्था और यात्रियों को सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। लंबे समय बाद यात्रा सीजन में वाहनों के रात्रि ठहराव की व्यवस्था होने से शहर के होटल, रेस्टोरेंट, चाय-नाश्ते की दुकानें, फल विक्रेता और छोटे कारोबारी फिर सक्रिय नजर आने लगे हैं। व्यापारियों का कहना है कि व्यवस्थित पार्किंग और यात्रियों के बढ़ते ठहराव से स्थानीय कारोबार को नई ऊर्जा मिलेगी। (एजेंसी)

कारोबारियों के खिले चेहरे, मेयर का जताया आभार

श्रीनगर गढ़वाल : चारधाम यात्रा के दौरान यात्रियों को रात में श्रीनगर में रोकने की व्यवस्था से स्थानीय होटल कारोबारियों में खुशी है। होटल एसोसिएशन श्रीनगर के पदाधिकारियों ने नगर निगम पहुंचकर मेयर आरती भंडारी का आभार जताया। कारोबारियों ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों से यात्री बिना रुके सीधे आगे बढ़ जाते थे, जिससे होटल, रेस्टोरेंट और छोटे व्यापारियों का व्यवसाय प्रभावित हो रहा था। अब रात्रि ठहराव की व्यवस्था शुरू होने से व्यापार में सुधार और शहर में रौनक लौटने लगी है। होटल एसोसिएशन ने कहा कि मेयर आरती भंडारी के सुझाव और प्रशासन की कार्रवाई से स्थानीय व्यापार को सकारात्मक लाभ मिला है। इस अवसर पर अध्यक्ष अप्पल रतूड़ी, संरक्षक नरेश नौटियाल, विक्रम पंवार, प्रकाश उनियाल, राजेश पोस्ती और संजय पिमोली मौजूद रहे। (एजेंसी)

किशोरियों को दी मासिक धर्म स्वच्छता, स्वास्थ्य और पोषण की जानकारी

श्रीनगर गढ़वाल : विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवस के अवसर पर बेस चिकित्सालय श्रीनगर में राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें किशोरियों को मासिक धर्म स्वच्छता, स्वास्थ्य और पोषण की जानकारी दी गई तथा सेनेटरी नेपकिन वितरित किए गए। स्त्री एवं प्रसूति रोग विभागाध्यक्ष डॉ. नवज्योति बोरा ने कहा कि मासिक धर्म एक सामान्य प्रक्रिया है और इसमें संकोच नहीं करना चाहिए। उन्होंने स्वच्छता, नियमित नेपकिन उपयोग और संतुलित आहार की सलाह दी तथा स्वास्थ्य समस्या पर चिकित्सकों से संपर्क करने को कहा। सीएमओ डॉ. शिव मोहन शुक्ला और प्रभारी एनएचएम एसीएमओ डॉ. पारुल गोयल के निर्देश पर, एनएचएम प्रभारी डॉ. धनंजय डोभाल की देखरेख में कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसमें मनमोहन सिंह, संगीता रयाल और नाहिद अख्तर ने किशोरियों को स्वच्छता, मानसिक स्वास्थ्य और पोषण की जानकारी दी।

कालेश्वर मिनी उद्योग केंद्र का निरीक्षण किया

चमोली : प्रदेश सरकार में गृह, कार्मिक एवं सतर्कता तथा मुख्यमंत्री सचिव शैलेश बगोली ने मिनी उद्योग केंद्र कालेश्वर का दौरा किया। उन्होंने उद्योगों का निरीक्षण कर उद्योग मित्रों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। सचिव बगोली ने कहा कि उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना सहित कई योजनाएं संचालित हैं जिन पर अनुदान और अन्य लाभ दिए जा रहे हैं। उन्होंने उद्योगपतियों से उत्पादन बढ़ाने, पैकेजिंग बेहतर करने और बाजार में उच्च गुणवत्ता का सामान उपलब्ध कराने पर चर्चा की।

गर्मी से मिली राहत, लेकिन बिजली और यातायात व्यवस्था हुई प्रभावित

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : गुरुवार रात हुई बारिश से लोगों को राहत मिली। लेकिन, बारिश व तेज हवा ने आमजन की चुनौती बढ़ा दी। जगह-जगह पेड़ और बिजली के पोल गिरने से विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई, जबकि कई मोटर मार्गों पर मलबा आने से यातायात प्रभावित रहा।

क्षेत्र में करीब एक घंटे तक चली तेज बारिश और आंधी के कारण कोटद्वार सहित पर्वतीय क्षेत्रों में बिजली व्यवस्था चरमरा गई। नैनीडांडा ब्लॉक में 33 केवी लाइन क्षतिग्रस्त होने से मस्टखाल क्षेत्र, चाकीसैंण बाजार, तहसील क्षेत्र और आसपास के गांवों की बिजली आपूर्ति ठप हो गई। वहीं लैंसडौन क्षेत्र के डेरियाखाल, रिखणीखाल ब्लॉक के शंकरपुर, हल्दुखाल और आसपास के गांवों में भी विद्युत लाइनें क्षतिग्रस्त होने से आपूर्ति प्रभावित रही। मैठाणाघाट क्षेत्र के रसिया महादेव और आसपास के गांवों में शुक्रवार शाम तक बिजली आपूर्ति बहाल नहीं हो पाई थी। रिखणीखाल क्षेत्र के टकोलीखाल, ढाबखाल, नुनेरा, घोटला, गुडलखेत, कठूड़, मरखोला, गुर्झेता, सेंधी, कोटा और देवियोखाल बाजार क्षेत्र में भी बिजली आपूर्ति प्रभावित रही, जिसे विभागीय प्रयासों के बाद दोपहर तक बहाल कर दिया गया। उधर, ढाबखाल-देवियोखाल मोटर मार्ग पर तीन स्थानों पर पत्थर और मलबा आने से यातायात बाधित हो गया था। संबंधित विभाग ने मार्ग को दोपहर तक हल्के वाहनों के लिए खोल दिया। वहीं द्वारीखाल विकासखंड के अंतर्गत चैलूसैण-देवीखेत मोटर मार्ग पर भी मलबा आने से यातायात प्रभावित हुआ। ग्रामीणों के सहयोग से दोपहर तक मार्ग को सुचारू कर दिया गया।

तेज हवा व बारिश से धराशायी हुआ विद्युत पोल

गुलदार की धमक, घरों में कैद हुए ग्रामीण

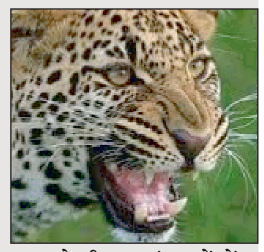

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : विकासखंड एकेश्वर के अंतर्गत भरपूर गांव में गुलदार की धमक बनी हुई है। गांव में घूम रहे गुलदार को पकड़ने के लिए कुछ दिन पूर्व वन विभाग ने पिंजरा भी लगाया था। लेकिन, अब तक गुलदार पिंजरे की कैद से दूर है। नतीजा, गुलदार की दहशत में जी रहे ग्रामीणों का घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया है। शाम ढलते ही पूरा गांव घरों में कैद हो रहा है। 14 मई को गांव के समीप खेतों में घास काट रही पिंकी देवी पर गुलदार ने हमला कर दिया था। हमले में घायल पिंकी देवी को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। गुलदार के हमले की इस घटना के बाद क्षेत्र में दहशत फैल गई। इसके बाद 15 मई को वन विभाग ने गांव के समीप पिंजरा लगाया, लेकिन कई दिन बीत जाने के बावजूद गुलदार अब तक पकड़ में नहीं आ पाया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि गुलदार लगातार गांव के आसपास घूमता दिखाई दे रहा है। ग्रामीण खेतों व जंगल की ओर जाने से डर रहे हैं। रात के समय गुलदार की गतिविधियां बढ़ने से ग्रामीणों की चिंता और अधिक बढ़ गई है। सबसे अधिक परेशानी मवेशियों के लिए चारा-पत्ती की व्यवस्था करने में हो रही है। डर के साये में जी रहे ग्रामीणों की दिनचर्या प्रभावित हो गई है। ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और जल्द गुलदार को पकड़ने की मांग की है। कहा कि जब तक गुलदार को पकड़ा नहीं जाता, तब तक क्षेत्र में खतरा बना रहेगा।

आंधी-बारिश से गर्मी से मिली राहत

वन विभाग ने ली राहत की सांस

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिला मुख्यालय समेत पाबौ व थलीसैंण क्षेत्र में गुरूवार देर रात आई आंधी व बारिश से जहां गर्मी की तपिश राहत दे गई वहीं इससे कई जगहों पर बिजली की लाइनें टूट गईं व आपूति बाधित रही तो कई जगहों पर पेड़ उखड़ गए। हालांकि विभागीय टीमों की तेजी से लाइनों की मरम्मत कर बिजली आपूर्ति बहाल कर दी। पौड़ी जिले के विभिन्न वन प्रभागों में लगातार वनाग्नि की विकराल घटनाओं पर बारिश ने फिलहाल अंकुश लगा दिया है। बारिश के बाद वन विभाग ने भी राहत की सांस ली। जिला मुख्यालय स्थित जिला पंचायत अध्यक्ष के आवास पर आंधी से पेड़ जड़ से उखड़ गया। इस कारण सुबह कंडोलिया-छतरीधार मोटर मार्ग पर यातायात प्रभावित हो गया। साथ ही पेड़ गिरने से 11 केवी लाइन क्षतिग्रस्त हो गई। इससे मुख्य कोषागार, पर्यटन व परिवहन विभाग सहित आसपास के क्षेत्रों की बिजली गुल हो गई। नैनीडांडा में 33 केवी लाइन क्षतिग्रस्त होने से मस्टखाल क्षेत्र व थलीसैंण के चाकीसैंण बाजार, तहसील और आसपास के गांव प्रभावित रहे। ऊर्जा निगम के एसडीओ गोविंद रावत ने बताया कि मरम्मत कार्य के बाद आपूर्ति सुचारु कर दी गई। विभाग के अनुसार बीते गुरूवार तक जिले में 74 वनाग्नि की घटनाओं में 117.75 हेक्टेअर में जंगल जले और 3.07 लाख का नुकसान हुआ। गढ़वाल वन प्रभाग में अभी तक सर्वाधिक 42 घटनाओं में 85 हेक्टेअर, सिविल सोयम वन प्रभाग में 29 घटनाएं व 30.9 हेक्टेअर, लैंसडोन वन प्रभाग में तीन घटनाओं में 1.35 हेक्टेअर जंगल जले।

तिरंगा लाइटों की तार चोरी करने वाले गिरफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नगर निगम की तिरंगा लाइटों की तार चोरी मामले में कोटद्वार पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने तकनीकी जांच, सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामले का खुलासा करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है, जबकि दो किशोरों को संरक्षण में लिया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई विद्युत तार और जली हुई कॉपर तार भी बरामद की है।

जानकारी के अनुसार, 23 मई 2026 को नगर निगम कोटद्वार में कार्यरत विकास ने कोतवाली कोटद्वार में शिकायत दर्ज कराई थी। जिसमें उन्होंने बताया कि नगर निगम द्वारा पुलों पर लगाई गई तिरंगा लाइटों की विद्युत तार अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर ली गई है। मामले में कोतवाली कोटद्वार में मुकदमा दर्ज किया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी सर्वेश पंवार ने शीघ्र खुलासे और आरोपियों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए। इसके बाद अपर पुलिस अधीक्षक कोटद्वार मनोज ठाकुर एवं क्षेत्राधिकारी कोटद्वार अस्मिता ममगांई के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक कोटद्वार के नेतृत्व में विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने घटना स्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की गहन जांच की तथा स्थानीय स्तर पर जानकारी जुटाने के साथ लगातार सुरागरसी-पतारसी की कार्रवाई की। तकनीकी एवं मैनुअल जांच के आधार पर पुलिस को कुछ संदिग्ध व्यक्तियों के संबंध में जानकारी मिली। इसी क्रम में 28 मई को पुलिस ने घटना में शामिल दो किशोरों को संरक्षण में लिया। पूछताछ के दौरान किशोरों ने चोरी की गई विद्युत तारों को कबाड़ियों को बेचने की बात स्वीकार की। इसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो कबाड़ियों को हिरासत में लिया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से नगर निगम के विद्युत खंभों से चोरी की गई लगभग 40 मीटर विद्युत तार और करीब 5 किलो जली हुई कॉपर तार बरामद की गई। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्तों में आमिर निवासी लकड़ी पड़ाव, कोटद्वार तथा ऋतुराज निवासी नजीबाबाद, जिला बिजनौर शामिल हैं। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक विनोद कुमार चपराना सहित अन्य पुलिस कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कोतवाली पुलिस की हिरसत में आरोपी

राष्ट्रीय सेवा व समाज कल्याण के लिए समर्पित रहा खंडूडी का जीवन

श्रद्धांजलि सभा के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री मे.ज. बीसी खंडूड़ी को श्रद्धांजलि देते लोग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पूर्व मुख्यमंत्री भुवन चंद्र खंडूरी की स्मृति में भारतीय जनता पार्टी द्वारा नगर निगम प्रेक्षागृह में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों और पार्टी कार्यकर्ताओं ने उपस्थित होकर स्वर्गीय खंडूरी को श्रद्धासुमन अर्पित किए। वक्ताओं ने कहा कि उनका पूरा जीवन राष्ट्र सेवा और जनकल्याण के लिए समर्पित रहा।

सभा को संबोधित करते हुए नेताओं ने कहा कि भुवन चंद्र खंडूरी के निधन से प्रदेश ने एक ईमानदार, अनुशासित और दूरदर्शी नेता को खो दिया है। उन्होंने युवावस्था में ही देश सेवा का संकल्प लिया और सेना में रहते हुए राष्ट्र के प्रति अपनी निष्ठा निभाई। सेवानिवृत्ति के बाद भी उन्होंने राजनीति के माध्यम से जनता की सेवा जारी रखी। वक्ताओं ने उनके केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री के कार्यकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि देश भर में सड़क नेटवर्क के विस्तार में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। वहीं मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने उत्तराखंड को विकास की नई दिशा देने का प्रयास किया। उनके व्यक्तित्व में सेना का अनुशासन और राजनीति की सादगी का अनूठा मेल देखने को मिलता था। कार्यक्रम में यह भी कहा गया कि कोटद्वार से उनका रिश्ता केवल एक जनप्रतिनिधि का नहीं, बल्कि परिवार के अभिभावक जैसा था। क्षेत्र की जनता और यहां की मिट्टी से उनका विशेष लगाव हमेशा बना रहा। श्रद्धांजलि सभा में महापौर शैलेंद्र सिंह रावत, सिंचाई सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष ऋषि कंडवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष राजगौरव नौटियाल सहित कई गणमान्य लोग और बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

स्वच्छ पेयजल के लिए भटक रहे यात्री

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : शहर में यात्रियों व शहरवासियों के लिए सार्वजनिक स्थानों में पेयजल की व्यवस्था नहीं होने से समस्याएं हो रही हैं। यात्रियों व शहरवासियों को सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छ पेयजल के लिए इधर उधर भटकना पड़ रहा है। उन्होंने नगर पालिका से जल्द ही शहर के विभिन्न स्थानों में प्याऊ लगाने की मांग की है।

यात्रियों व शहरवासियों को सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छ पेयजल नहीं मिलने पर सामाजिक कार्यकर्ताओं में भी नाराजगी बनी हुई है। शहर के सामाजिक कार्यकर्ता राकेश गौरशाली ने शहर के विभिन्न स्थानों में लोगों के लिए प्याऊ लगाने की मांग की है। उन्होंने शुक्रवार को नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी को ज्ञापन देकर कहा कि इन दिनों भीषण गर्मी पड़ रही है, लेकिन शहरवासियों व यात्रियों के लिए शहर में कही भी पीने के लिए स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था नहीं है। जिससे सभी को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कहा कि इन दिनों छुट्टियों में महानगरों से भी प्रवासी लोगों का शहर में आना शुरू हो गया है।

लाखों की स्मैक के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार

श्रीनगर गढ़वाल : ऑपरेशन प्रहार के तहत कीर्तिनगर पुलिस ने चौरास पुल स्थित यूनिवर्सिटी तिराहे के पास चेकिंग अभियान के दौरान एक नशा तस्कर को 6.54 ग्राम अवैध स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। बरामद स्मैक की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 2.5 लाख रुपए बताई जा रही है। कोतवाली निरीक्षक संजय मिश्रा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान राजू कार्की (28 वर्ष) निवासी बड़ियारगढ़, कीर्तिनगर के रूप में हुई है जो मूल रूप से संगलाकोटी, सतपुली का रहने वाला है। कहा कि पूछताछ में सामने आया कि आरोपी ने पॉलिटेक्निक की पढ़ाई की है और अधिक पैसे कमाने के लालच में नशे के कारोबार से जुड़ गया। आरोपी करीब एक माह पहले ही जेल से छूटा था और एनडीपीएस एक्ट के कई मामलों में पहले भी जेल जा चुका है। कहा कि आरोपी का नेटवर्क टिहरी, पौड़ी और चमोली तक फैला हुआ था।

वह कॉलेज और शिक्षण संस्थानों के छात्रों को नशीले पदार्थों की सप्लाई करता था। पुलिस अब उसके पूरे नेटवर्क, आर्थिक स्रोतों और अन्य सहयोगियों की गहन जांच कर रही है। उन्होंने बताया कि आरोपी के खिलाफ कोतवाली कीर्तिनगर में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की गई है। पुलिस ने युवाओं से नशे से दूर रहने व तस्करी की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की है। (एजेंसी)

उत्तर रेलवे

ई–नीलामी

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक / कोचिंग, (ए.सी.ओ) उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल के द्वारा ऑटोमेटिक वेंडिंग मशीन (AVM) के कार्य को IREPS के माध्यम से विभिन्न स्टेशनों पर ठेके पर देने हेतु ई–बोलियाँ www.ireps.gov.in पर दिनांक 17.06.2026 को आमंत्रित की जाती हैं, जिसकी विस्तृत जानकारी, नियम व शर्तें www.ireps.gov.in पर उपलब्ध हैं।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक
उ. रे., मुरादाबाद

1813/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

जौलीग्रांट हवाई हड्डे का नाम बीसी खंडूडी के नाम पर रखा जाएं

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पूर्व सैनिक संघर्ष समिति ने जौलीग्रांट हवाई अड्डे का नाम पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व सेना अधिकारी मेजर जनरल बीसी खंडूड़ी के नाम पर रखने की मांग की है। समिति का कहना है कि देश और समाज के लिए खंडूड़ी का योगदान अतुलनीय रहा है, जिसे हमेशा याद रखा जाना चाहिए।

समिति अध्यक्ष महेंद्र पाल रावत के नेतृत्व में पूर्व सैनिकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को ज्ञापन भेजा। ज्ञापन में कहा गया कि मेजर जनरल बीसी खंडूड़ी ने भारतीय सेना में कोर ऑफ इंजीनियर्स से लेकर मेजर जनरल तक सेवाएं दीं तथा 1962, 1965 और 1971 के युद्धों में सक्रिय भूमिका निभाई। पूर्व सैनिकों ने कहा कि केंद्रीय भूतल परिवहन मंत्री रहते हुए खंडूड़ी ने स्वर्णिम चतुर्भुज योजना को गति प्रदान की और 5846 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण समय पर पूरा कराया। उत्तराखंड में ऑल वेदर रोड परियोजना की नींव रखने का श्रेय भी उन्हें जाता है। ज्ञापन में कहा गया कि मुख्यमंत्री रहते उनका कार्यकाल ईमानदारी और अनुशासन के लिए जाना गया। उन्होंने लोकायुक्त एक्ट 2011 लागू कर मुख्यमंत्री पद को भी लोकायुक्त के दायरे में लाया। साथ ही पहाड़-केंद्रित विकास की सोच को बढ़ावा देते हुए गैरसैंण में विधानसभा भवन का निर्माण कराया। समिति ने कहा कि मेजर जनरल खंडूड़ी फौजी अनुशासन, राजनीतिक ईमानदारी और उत्तराखंड के स्वाभिमान के प्रतीक हैं। उनके नाम पर हवाई अड्डे का नामकरण आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रसेवा की प्रेरणा देगा। इस अवसर पर त्रिलोक सिंह, अनसूया प्रसाद सेमवाल, गोपाल सिंह नेगी, जीत सिंह, ठाकुर सिंह, गंभीर सिंह और मनमोहन सिंह सहित कई पूर्व सैनिक उपस्थित रहे।

पेपर लीक मामलों पर सरकार घिरी, शिक्षा मंत्री से इस्तीफे की मांग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राज्य आंदोलनकारी एवं अधिवक्ता जसबीर राणा ने देशभर में लगातार सामने आ रहे पेपर लीक मामलों को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि नीट सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने से लाखों युवाओं का भविष्य अधर में लटक गया है और इसके लिए शिक्षा मंत्री नैतिक रूप से जिम्मेदार हैं। राणा ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में भर्ती और प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता लगातार कमजोर होती जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार युवाओं की समस्याओं को गंभीरता से लेने के बजाय मामले को नजर अंदाज कर रही है, जिससे अभ्यर्थियों में निराशा बढ़ रही है। कहा कि लगातार हो रहे पेपर लीक से छात्र मानसिक तनाव में हैं और कई युवा गलत कदम उठाने को मजबूर हुए हैं। राणा ने चिंता जताते हुए कहा कि अब सीबीएसई जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं की परीक्षाएं भी विवादों में घिर रही हैं, जो देश की शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। उन्होंने मांग की कि सरकार पेपर लीक मामलों पर सख्त कार्रवाई करे और युवाओं का विश्वास बहाल करने के लिए ठोस कदम उठाए।

पर्थाडीप में आया मलबा, आधा घंटे रुकी वाहनों की आवाजाही

चमोली : बारिश शुरू होते ही बदरीनाथ हाईवे के भूस्खलन जोन सक्रिय होने लगे हैं। शुक्रवार को करीब एक घंटे की बारिश से ही नंदानगर के भूस्खलन खेत्र पर्थाडीप में भारी मात्रा में बारिश के पानी के साथ मलबा हाईवे पर जमा हो गया इससे करीब आधा घंटे तक यात्रा वाहनों की आवाजाही थमी रही। पर्थाडीप भूस्खलन क्षेत्र पिछले कई वर्षों से बरसात में परेशानी खड़ी कर देता है। बारिश होते ही यहां भूस्खलन होने लगता है। शुक्रवार को शाम चार बजे बारिश होने पर भूस्खलन वाली पहाड़ी से भारी मात्रा में मलबा पानी के साथ हाईवे पर आ गया जिससे यात्रा वाहनों की आवाजाही रुक गई।

कार्यालय
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0 पाबौ

D-eecdpwdpaboo@gmail.com, eecdpab.pwduk@gov.in

पत्रांकः- 911/12 AC — दिनांक 29/05/2026

ई-निविदा

महामहिम राज्यपाल महोदय, उत्तराखण्ड की ओर से अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, पाबौ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-टेण्डरिंग (सिंगल-बिड सिस्टम) के अन्तर्गत निविदाये आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित सभी सूचना http://www.uktenders.gov.in पर दिनांक 01/06/2026 से उपलब्ध होगी।

क्र0 सं0	कार्य का विवरण	धरोहर धनराशि (लाख रू0 में)	निविदा का मूल्य (रू0 में)	निविदा की वैधता	कार्य पूर्ण करने का समय	ठेकेदार की पंजीकृत श्रेणी।
1	2	3	4	5	6	7
1	राज्य आपदा न्यूनीकरण निधि (एस0डी0एम0एफ0) के अन्तर्गत विकासखण्ड पाबौ में पाबौ सन्तुधार नौगांवखाल चौबट्टाखाल दमदेवल चौरीखाल मोटर मार्ग के कि0मी0 6 के क्रॉस सैक्शन 5/7 से 5/11 में भूस्खलन से प्रभावित भाग में सुरक्षात्मक कार्य। (स्वीकृति की प्रत्याशा में)	1.28	4000.00+ 18% GST	90 दिन	3 माह	केन्द्र/राज्य सरकार के विभाग/उपक्रम में पंजीकृत मार्ग कार्यों हेतु'' श्रेणी ''डी'' एवं उच्चतर

अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, पाबौ

दैनिक जयन्त-विचार

संपादकीय

अतिथि बनें, मुसीबत नहीं

देवभूमि उत्तराखंड अपनी शांत संस्कृति, देवभूमि की पहचान, सरल जीवनशैली और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए जाना जाता है, लेकिन इधर अब यहां की शांति, गरिमा और कानून व्यवस्था को बिगाड़ने का प्रयास किया जा रहा है। राज्य के कई पर्यटन स्थलों और शहरों में बाहरी लोगों द्वारा शराबखोरी, अभद्रता, मारपीट और कानून व्यवस्था बिगाड़ने की घटनाएं बढ़ती दिखाई दे रही हैं। यह केवल कानून का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक चिंता का भी मुद्दा बन चुका है। यह स्थिति अब केवल प्रशासनिक नहीं बल्कि सामाजिक चिंता का विषय बन चुकी है। हर साल लाखों पर्यटक उत्तराखंड घूमने आते हैं। पर्यटन राज्य की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है, लेकिन कुछ लोग पर्यटन की आड़ में यहां की शांति और मर्यादा को नुकसान पहुंचा रहे हैं। देर रात शराब पीकर हुड़दंग करना, स्थानीय लोगों से बदसलूकी करना, सड़क पर मारपीट करना और धार्मिक स्थलों की गरिमा भंग करना लगातार सामने आ रहा है। इससे स्थानीय लोगों में असुरक्षा और नाराजगी बढ़ रही है। खास चिंता की बात यह है कि कई घटनाओं में बाहरी युवक नशे की हालत में महिलाओं और बुजुर्गों तक से अभद्रता करते पाए गए हैं। पहाड़ों की शांत वादियों में बढ़ती यह असामाजिक गतिविधियां स्थानीय संस्कृति के लिए खतरे का संकेत हैं। यदि समय रहते इस पर सख्ती नहीं हुई तो उत्तराखंड की पहचान और सामाजिक संतुलन दोनों प्रभावित हो सकते हैं। प्रशासन को चाहिए कि पर्यटन स्थलों पर पुलिस गश्त बढ़ाई जाए, शराब पीकर उपद्रव करने वालों पर कड़ी कार्रवाई हो और होटल–रिसॉर्ट संचालकों को भी जिम्मेदारी दी जाए कि वे संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को दें। साथ ही बाहरी लोगों के सत्यापन की व्यवस्था को भी मजबूत किया जाना चाहिए।

इसके साथ–साथ समाज को भी जागरूक होने की आवश्यकता है। पर्यटन का स्वागत होना चाहिए, लेकिन उत्तराखंड की संस्कृति और मर्यादा के साथ खिलवाड़ किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। राज्य की शांति और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के लिए प्रशासन और जनता दोनों को मिलकर जिम्मेदारी निभानी होगी।

उत्तराखंड केवल एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि आस्था, संस्कृति और प्रकृति का संगम है। देवभूमि उत्तराखंड की गरिमा बनाए रखना शासन, प्रशासन एवं हर नागरिक की जिम्मेदारी है।

चिंतन–मनन

सदाचार की परीक्षा

राजा अंग सिंह के पुत्र प्रवीण सिंह गलत संगति में पड़कर अनुचित कार्य करने लगा। चारों तरफ से उसकी शिकायतें आने लगीं। इससे राजा अत्यंत चिंतित हो गए। प्रवीण सिंह अभी बालक ही था, इसलिए राजा चाहते थे कि उसका स्वभाव बदले और भविष्य में वह एक नेक राजा बन सके।

वह उसे अपने गुरु सोमदेव के पास लेकर आए। सोमदेव ने युवराज को छह माह तक अपने आश्रम में छोड़ देने के लिए कहा। वह प्रतिदिन युवराज को अपने साथ रखते और उससे कई कार्य कराते। इसी तरह तीन महीने बीत गए। अब राजकुमार पर सुसंगति के साथ ही गुरुदेव की बातों का असर पड़ने लगा था। एक दिन गुरु बोले, पुत्र, ईश्वर हर जगह मौजूद है। याद रखो दुष्कर्म और पाप की सजा मिलती अवश्य है क्योंकि ईश्वर सब कुछ देख रहा होता है। जब तुम किसी प्रलोभन से पाप करने को उतारू हो तो वहीं ईश्वर की उपस्थिति का अनुभव करो। तुम हर जगह यह सोचो कि मेरा प्रभु मेरे सामने है।

वह ये बातें प्रतिदिन युवराज को बताते। एक दिन उन्होंने राजकुमार को एक खरगोश देकर उसे एकांत में ले जाकर मारने को कहा। युवराज खरगोश को लेकर कई स्थानों पर गया लेकिन उसकी गर्दन नहीं मरोड़ पाया। वह जब भी उसकी गर्दन पर हाथ रखता तो उसकी निरीह आंखों में उसे ईश्वर नजर आते। कई घंटों बाद वह वापस जीवित खरगोश को लेकर गुरु के पास पहुंचा और बोला, गुरु जी आप ही ने तो सिखाया है कि हर किसी में ईश्वर की उपस्थिति समझो। फिर मैं अकेला कैसे हो सकता हूं? इस खरगोश की भोली आंखों में मुझे ईश्वर की उपस्थिति नजर आई। इसलिए मैं इसे मार नहीं पाया। युवराज की बात सुनकर गुरु सोमदेव ने उसे गले से लगा लिया और बोले, पुत्र, आज तुम सदाचार और प्रेम की परीक्षा में पास हो गए हो। इसके बाद महाराज उसे अपने साथ ले गए।

'फ्लेक्सिबल जियोपॉलिटिक्स' के अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक निहितार्थ

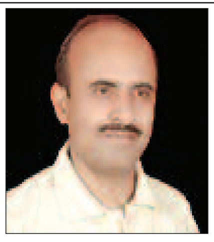

कमलेश पांडेय

'लचीली भूराजनीति' यानी फ्लेक्सिबल जियोपॉलिटिक्स का जन्मदाता भारत की देखा-देखी अब पूरी दुनिया में इसका प्रचलन बढ़ रहा है। इसे मोदी डॉक्ट्रिन कहना ज्यादा उचित होगा, जो गुटनिरपेक्षता का हाइब्रिड पालिसी संस्करण है। आम कहानी वाली भाषा में कहें तो 'खुल जा सिमसिम और बंद हो जा सिमसिम' वाली वैश्विक कूटनीति ही अब लचीली भूराजनीतिक बन चुकी है।

दरअसल, फ्लेक्सिबल जियोपॉलिटिक्स यानी लचीली भूराजनीति का अर्थ ऐसी अवसरवादी विदेश नीति से है, जिसमें देश अपने हित के अनुसार कभी दोस्ती का दरवाजा खोलते हैं और कभी तुरंत बंद कर लेते हैं। आज की दुनिया में यही 'फ्लेक्सिबल जियोपॉलिटिक्स' तेजी से बढ़ रही है।

जिसके सफल उपयोगकर्ता टीम पीएम मोदी हैं। इसका सबसे बड़ा लाभ भारत जैसे उन देशों को होता है जो आर्थिक रूप से शक्तिशाली हों, तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर हों, सैन्य रूप से सक्षम हों, और बहुध्रुवीय दुनिया में संतुलन साधना जानते हों। यही वजह है कि भारत इसे अपनाकर दुनिया के शीर्षस्थ देशों की कतार में शामिल होने की दिशा में बढ़ता जा रहा है।

सवाल है कि आखिर इससे किसका भला होगा? तो इसके कई जवाब होंगे, जिनमें पहला है महाशक्तियों का सबसे अधिक लाभः संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और आंशिक रूप से रूस-भारत जैसी शक्तियाँ इस नीति से सबसे अधिक फायदा उठाती हैं। पूर्वक सवाल है क्यों? तो सीधा सा जवाब है कि वे परिस्थितियों के अनुसार गठबंधन बदल सकती हैं। आर्थिक प्रतिबंधों, सैन्य दबाव और तकनीकी नियंत्रण का इस्तेमाल कर सकती हैं। 'मित्र' और 'प्रतिद्वंद्वी' दोनों से व्यापार जारी रख सकती हैं। उदाहरणः अमेरिका, चीन से प्रतिस्पर्धा भी करता है और व्यापार भी। चीन रूस का साझेदार है लेकिन पश्चिमी बाजार भी नहीं छोड़ना चाहता। वहीं, रूस पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद एशियाई देशों से संबंध मजबूत कर रहा है।

दूसरा, मध्यम शक्तियों का भी फायदाः भारत, तुर्किये, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे देश 'मल्टी-अलाइनमेंट' नीति से लाभ उठा रहे हैं। भारत इसका बड़ा उदाहरण है, जो क्वाड (Quad) में भी है, ब्रिक्स (BRICS) में भी, रूस से रक्षा सहयोग भी रखता है, और अमेरिका से तकनीकी साझेदारी भी बढ़ाता है। इससे रणनीतिक स्वतंत्रता बनी रहती है, निवेश कई दिशाओं से आता है, और वैश्विक मंचों पर प्रभाव बढ़ता है।

तीसरा, कॉर्पोरेट और टेक कंपनियों को बड़ा लाभः एप्पल (Apple), टेस्ला (Tesla), माइक्रोसॉफ्ट (Microsoft) जैसी वैश्विक कंपनियाँ देशों की प्रतिस्पर्धा का लाभ उठाती हैं। क्योंकि देश उन्हें निवेश आकर्षित करने के लिए टैक्स छूट देते हैं, सप्लाई चेन अपने यहाँ लाने की कोशिश करते हैं, और टेक्नोलॉजी कंपनियों को रणनीतिक साझेदार मानते हैं।

सवाल है कि ऐसी मतलबी कूटनीति से नुकसान किसका? तो जवाब होगा कि-

पहला, छोटे और कमजोर देशों काः अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और छोटे एशियाई देशों पर दबाव बढ़ता है कि वे किसी एक खेमे का समर्थन करें। वे कर्ज जाल, प्रतिबंध, राजनीतिक दबाव, और सामरिक प्रतिस्पर्धा के बीच फँस जाते हैं।

दूसरा, वैश्विक स्थिरता काः ऐसी कूटनीति में भरोसा कम होता है। देश स्थायी मित्र नहीं बल्कि 'तात्कालिक हित' देखते हैं। इससे युद्धों की आशंका बढ़ती है, व्यापारिक तनाव बढ़ता है, और अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ कमजोर पड़ती हैं।

भारत के लिए क्या संदेश?

वहीं, भारत के लिए यह दौर अवसर भी है और चुनौती भी। यदि भारत नवाचार, निर्माण, रक्षा आत्मनिर्भरता, ऊर्जा सुरक्षा, और तकनीकी क्षमता को मजबूत करता है, तो वह इस बदलती दुनिया में 'संतुलनकारी शक्ति' बन सकता है। लेकिन यदि आर्थिक और तकनीकी शक्ति पर्याप्त न हो, तो ऐसी 'खुल जा सिमसिम' कूटनीति में बड़े देश छोटे देशों को केवल रणनीतिक मोहरे की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं।

निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि इस प्रकार की वैश्विक कूटनीति का सबसे बड़ा लाभ उन्हीं देशों और कंपनियों को मिलेगा जिनके पास शक्ति, पूँजी, तकनीक और विकल्प हैं। जबकि कमजोर देशों के लिए यह अनिश्चितता, दबाव और निर्भरता का नया युग भी बन सकता है।

कलम की चेतना से डिजिटल युग तक हिन्दी पत्रकारिता की गौरव गाथा

विनोद कुमार सिंह

राष्ट्र निर्माण,जनजागरण और लोकतंत्र की आत्मा बनी हिन्दी पत्रकारिता की ऐतिहासिक यात्रा...

'खींचो न कमानों को, न तलवार निकालो,जब तोप मुकाबिल हो तो अखबार निकालो।' अकबर इलाहाबादी की यह प्रसिद्ध पंक्ति केवल साहित्यिक अभिव्यक्ति नहीं,बल्कि भारतीय पत्रकारिता की आत्मा है। हिन्दी पत्रकारिता दिवस उस चेतना,संघर्ष और वैचारिक शक्ति का प्रतीक है जिसने भारत के जनमानस को जागृत किया, स्वतंत्रता आंदोलन को जनांदोलन बनाया और लोकतंत्र को मजबूत आधार प्रदान किया।भारत की आत्मा उसकी भाषाओं में बसती है और उन भाषाओं की चेतना को जन-जन तक पहुंचाने का सबसे प्रभावशाली माध्यम पत्रकारिता रही है।हिन्दी पत्रकारिता केवल समाचारों का संसार नहीं, बल्कि यह भारत की सामाजिक चेतना, सांस्कृतिक अस्मिता,राष्ट्रीय स्वाभिमान और लोकतांत्रिक मूल्यों की जीवंत धारा है।हिन्दी पत्रकारिता दिवस केवल एक तिथि नहीं,बल्कि उस ऐतिहासिक यात्रा का स्मरण है जिसमें कलम ने सत्ता से प्रश्न पूछे,समाज को दिशा दी और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।30 मई 1826 का वह ऐतिहासिक दिन भारतीय पत्रकारिता के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित है,जब पंडित युगल किशोर शुक्ल ने कोलकाता से हिन्दी के प्रथम समाचार पत्र 'उदन्त मार्तण्ड' का प्रकाशन प्रारंभ किया। उस समय अंग्रेजी शासन का दौर था।संसाधनों का अभाव, आर्थिक कठिनाइयां और हिन्दी भाषियों तक समाचार पहुंचाने की सीमित व्यवस्था जैसी अनेक बाधाएं थीं,लेकिन राष्ट्रभाषा के प्रति समर्पण इतना प्रबल था कि विपरीत परिस्थितियों में भी हिन्दी पत्रकारिता का दीप प्रज्वलित हुआ। यही दीप आगे चलकर जनचेतना की मशाल बन गया।

हिन्दी पत्रकारिता की प्रारंभिक यात्रा संघर्षों से भरी रही।आर्थिक संकट,सरकारी उपेक्षा और तकनीकी अभाव के बावजूद हिन्दी समाचार पत्रों ने समाज को नई दिशा देने का कार्य किया। 'बनारस अखबार','हिन्दी प्रदीप','कवि वचन सुधा', 'भारत मित्र', 'सरस्वती' और 'प्रताप' जैसे पत्रों ने राष्ट्रीय चेतना को जागृत किया। उस समय पत्रकारिता व्यवसाय नहीं,बल्कि राष्ट्र सेवा का माध्यम थी।पत्रकार अपनी लेखनी के माध्यम से अंग्रेजी शासन के विरुद्ध आवाज उठाते थे और समाज में शिक्षा, स्वाभिमान तथा स्वतंत्रता की भावना का संचार करते थे। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही।लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक,गणेश शंकर विद्यार्थी,बाबूराव विष्णु पराड़कर, माखनलाल चतुर्वेदी और महात्मा गांधी जैसे महान पत्रकारों एवं विचारकों ने अपनी लेखनी को राष्ट्रहित के लिए समर्पित कर दिया। गणेश शंकर विद्यार्थी का 'प्रताप' केवल समाचार पत्र नहीं था,बल्कि अन्याय के विरुद्ध संघर्ष की आवाज था।बाबूराव विष्णु पराड़कर ने हिन्दी पत्रकारिता को वैचारिक गंभीरता और सामाजिक उत्तरदायित्व प्रदान किया।महात्मा गाँधी ने पत्रकारिता को जनसेवा का माध्यम माना और सत्य,नैतिकता तथा जनहित को पत्रकारिता का मूल आधार बनाया।उस दौर की पत्रकारिता मिशन की पत्रकारिता थी।पत्रकार सत्ता के गलियारों में नहीं,बल्कि जनता के बीच खड़े दिखाई देते थे।लेखनी जेल गई,अखबार बंद हुए,मुकदमे चले, लेकिन कलम झुकी नहीं।

'सत्य लिखना यदि अपराध है,
तो यह अपराध बार-बार होगा।'

यह भावना उस समय की पत्रकारिता की पहचान थी। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद हिन्दी पत्रकारिता ने राष्ट्र निर्माण में नई भूमिका निभाई।गाँव,गरीब, किसान,मजदूर,श्रमिक और आम नागरिक की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया।रेडियो, दूरदर्शन और बाद में उपग्रह चैनलों के आगमन ने पत्रकारिता के स्वरूप को व्यापक बनाया।हिन्दी समाचार पत्रों का प्रसार गांवों तक पहुंचा और हिन्दी भाषा देश की सबसे प्रभावशाली मीडिया भाषा बनकर उभरी।हिन्दी पत्रकारिता की सबसे बड़ी शक्ति उसकी भाषा और जनसरोकार रहे हैं।हिन्दी ने उन लोगों की आवाज को शब्द दिए, जिनकी पीड़ा अक्सर सत्ता के गलियारों तक नहीं पहुंच पाती थी। यही कारण है कि हिन्दी पत्रकारिता जनमानस से जुड़ी पत्रकारिता बनी।

समय के साथ पत्रकारिता का स्वरूप तेजी से बदला। प्रिंट मीडिया से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और अब डिजिटल मीडिया के युग में सूचना की गति अभूतपूर्व हो गई है।आज मोबाइल पत्रकारिता, डिजिटल न्यूज पोर्टल,सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म,पॉडकास्ट, यूट्यूब चैनल और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीकों ने समाचारों की दुनिया को पूरी तरह बदल दिया है। अब समाचार केवल अखबार के पन्नों तक सीमित नहीं,बल्कि कुछ सेकेंड में देश-दुनिया तक पहुंच जाते हैं।करोड़ों लोग मोबाइल स्क्रीन पर हिन्दी समाचार पढ़ते, सुनते और देखते हैं।आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल लोकतंत्र बन रहा है और हिन्दी दुनिया की तेजी से बढ़ती भाषाओं में शामिल है।छोटे शहरों और गाँवों से निकल रहे युवा डिजिटल पत्रकारिता में नई पहचान बना रहे हैं। इंटरनेट और तकनीक ने पत्रकारिता को महानगरों की सीमाओं से बाहर निकालकर गांवों तक पहुँचा दिया है।डिजिटल क्रांति के इस दौर में पत्रकारिता के सामने गंभीर चुनौतियां भी खड़ी हुई हैं।

आज पत्रकारिता का सबसे बड़ा संकट 'विश्वसनीयता' का है।फेक न्यूज,आधी-अधूरी सूचनाएं, टीआरपी की अंधी दौड़,सनसनी खेज प्रस्तुति और एजेंडा आधारित खबरों ने पत्रकारिता की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न खड़े किए हैं।कभी मिशन मानी जाने वाली पत्रकारिता का एक बड़ा हिस्सा आज बाजारवाद और कॉरपोरेट दबावों के बीच संघर्ष करता दिखाई देता है।'पहले खबरों में तथ्य होते थे,अब तथ्यों में खबर खोजी जाती है।'यह कटु सत्य वर्तमान मीडिया परिवेश की गंभीर तस्वीर प्रस्तुत करता है।डिजिटल युग में सबसे बड़ी चुनौती यह भी है कि तेजी की प्रतिस्पर्धा में सत्य पीछे छूटता जा रहा है।'सबसे पहलेह्व दिखाने की होड़ में 'सबसे सही' दिखाने का दायित्व कमजोर पड़ रहा है। सोशल मीडिया ने हर व्यक्ति को अभिव्यक्ति का मंच तो दिया है, लेकिन बिना पुष्टि की सूचनाओं ने समाज में भ्रम और अविश्वास का वातावरण भी पैदा किया है। पत्रकारिता यदि केवल शोर बनकर रह जाएगी,तो समाज का विश्वास टूटेगा।लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका प्रहरी की होती है,प्रचारक की नहीं।पत्रकारिता का उद्देश्य केवल सूचना देना नहीं,बल्कि समाज को सही दिशा देना भी है।

इन चुनौतियों के बावजूद हिन्दी पत्रकारिता का भविष्य अत्यंत उज्ज्वल दिखाई देता है। भविष्य मे आने वाला समय 'भाषाई पत्रकारिता' का होगा। भारत की आत्मा भारतीय भाषाओं में बसती है और हिन्दी पत्रकारिता उसी आत्मा की सबसे बड़ी अभिव्यक्ति है।कृत्रिम बुद्धिमत्ता (अक),डेटा पत्रकारिता और तकनीकी नवाचार समाचारों की प्रस्तुति को बदलेंगे, लेकिन पत्रकारिता की वास्तविक आत्मा वही रहेगी।पत्रकारिता का भविष्य तकनीक से नहीं,उसकी नीयत से तय होगा। मशीनें खबर लिख सकती हैं, लेकिन समाज की पीड़ा को महसूस करने का सामर्थ्य केवल संवेदन शील पत्रकार के पास होता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि पत्रकारिता पुनः अपने मूल आदर्शों-सत्य,निष्पक्षता,जनहित और सामाजिक उत्तरदायित्व - को याद करे।' कलम बिकनी नहीं चाहिए,सत्य झुकना नहीं चाहिए।' निष्पक्ष पत्रकारिता ही लोकतंत्र की सबसे बड़ी सुरक्षा है।' हिन्दी पत्रकारिता की लगभग दो शताब्दियों की यह यात्रा केवल इतिहास नहीं,बल्कि भारत की सामाजिक चेतना का जीवंत दस्तावेज है।यह यात्रा संघर्ष की भी है,साहस की भी है और जनविश्वास की भी है।आज आवश्यकता ऐसे पत्रकारों की है जो सत्ता से प्रश्न पूछने का साहस रखें,समाज की आवाज बनें और राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानें।लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति संसद से पहले समाज की जागरूक चेतना में बसती है और उस चेतना को जगाने का कार्य पत्रकारिता ही करती है।हिन्दी पत्रकारिता दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि कलम की ताकत किसी भी सत्ता से बड़ी होती है।यही वह शक्ति है जिसने स्वतंत्रता आंदोलन को जनांदोलन बनाया,लोकतंत्र को मजबूत किया और समाज के अंतिम व्यक्ति की आवाज को मंच प्रदान किया।

आज हिन्दी पत्रकारिता दिवस पर उन सभी पत्रकारों,संपादकों, लेखकों, फोटोग्राफरों, कैमरामैनों और समाचार कर्मियों को विनम्र नमन,जिन्होंने अपनी लेखनी और कर्म से समाज को जागृत किया, लोकतंत्र को सशक्त बनाया और राष्ट्र की चेतना को जीवित रखा। 'स्याही से लिखी गई सच्चाई, इतिहास बदलने की ताकत रखती है।'हिन्दी पत्रकारिता केवल भाषा की पत्रकारिता नहीं, बल्कि भारत की आत्मा की अभिव्यक्ति है।

(नोट - लेखक स्वतंत्र पत्रकार ,स्तम्भकार व मान्यता प्राप्त पत्रकार कल्याण समिति के उपाध्यक्ष है।)

दिल्ली जनजातीय सम्मेलन- अस्मिता, अधिकार का आधुनिक उलगुलान

डॉ. प्रवीण दाताराम गुगनानी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संवैचारिक, वनवासी कल्याण आश्रम द्वारा कई दशकों से उठाए जा रहे मुद्दे अब राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में हैं। सम्मेलन की गठी हुई भाषा और प्रखर स्वर ने यह साफ कर दिया कि जनजातीय समाज अब मूक दर्शक नहीं, बल्कि अपने भाग्य का विधाता स्वयं बनने को आतुर है।

भील और भारिया की दो कहावतें हैं - भील कहते हैं, 'होने नी रेत, ने खोने नो डर' और भारिया कहते हैं 'डोकरी मरिगे त कए घलो, बाकी राकस घर नई देखे।' इन दो जनजातीय कहावतों में लालकिले से जनजातीय संदेश का सार छिपा है। भील कहावत का अर्थ है - 'जिसके पास सोने की रेत नहीं, उसे खोने का डर क्या?' जनजातीय समाज के लिए अब ये एक भुला-बिसरा चिंतन है। अब केवल भील नहीं अपितु देश के प्रत्येक जनजातीय, वनवासी, गिरिवासी समाज को पता है कि उसके पास खोने को एक स्वर्ण खदान से भी अधिक समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा है। इस जनजातीय सांस्कृतिक संपदा, उनकी वन संपदा, उनकी श्रम संपदा का अनैतिक दोहन बहुत हुआ! और भारिया कहावत का अर्थ है - 'बुढ़िया मर गई तो कोई बात नहीं, लेकिन राक्षस को घर का रास्ता नहीं देखना चाहिए'। जनजातीय समाज ने संसद के समक्ष सीना ठोककर कहा - 'हमारे समाज को तोड़ने के लिए विदेशी शक्तियों, ईसाईयत, इस्लाम और वामपंथी विचारकों रूपी 'राक्षस' ने जो लाल जाल बुना है, उसे अब हमने पहचान लिया गया है। अब हम उसे अपने घर की रह नहीं दिखायेंगे।

लालकिले से यह जनजातीय उद्घोष है - 'अब दोहन, शोषण और नहीं, अब मतांतरण और नहीं, अब सनातन की आलोचना सहन नहीं, अब हमारी भाषा, नृत्य, संगीत, पूजा पद्धति, का विरूपण सहन नहीं'।

रविवार को दिल्ली के लालकिले पर संपन्न विशाल जनजातीय सम्मेलन केवल पारंपरिक वेशभूषा, मांदल, खजरी आदि की थाप पर नृत्य और सांस्कृतिक वैभव का प्रदर्शन मात्र नहीं था, बल्कि यह भारत के मूल समाज द्वारा अपनी पहचान, संस्कृति और अधिकारों की शंखध्वनि थी।

यह सम्मेलन ऐसे समय में हुआ है सुदूर वनांचलों में रहने वाला हमारा जनजातीय समाज अपनी जल, जंगल और जमीन के साथ-साथ अपनी सनातन संस्कृति को बचाने के लिए चतुर्दिक संघर्ष कर रहा है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संवैचारिक, वनवासी कल्याण आश्रम द्वारा कई दशकों से उठाए जा रहे मुद्दे अब राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में हैं। सम्मेलन की गठी हुई भाषा और प्रखर स्वर ने यह साफ कर दिया कि जनजातीय समाज अब मूक दर्शक नहीं, बल्कि अपने भाग्य का विधाता स्वयं बनने को आतुर है।

लालकिले से वनवासी समाज ने प्रखरता, प्रचण्डता, प्रगल्भता और प्रबलता से 'डीलिस्टिंग' की अपनी पुरानी माँग का पुनरुद्घोष किया। आरएसएस सदा-सदा से यह कहता रहा है कि स्वधर्म छोड़कर ईसाइयत और इस्लाम को स्वीकारने वाले

लोगों को अनुसूचित जाति, जनजाति से बाहर किया जाना चाहिए।

ईसाई मिशनरियों ने व्यापक स्तर पर भोले-भाले जनजातीय समाज को बहला-फुसलाकर, आर्थिक लालच देकर, दबावपूर्वक; जैसे भी हो वैसे भी मतांतरण कराया है। देश में सतत चल रहे इस षड्यंत्रपूर्ण मतांतरण से झारखंड, छत्तीसगढ़ पूर्वोत्तर राज्य में ऐसे अनगिनत उदाहरण हो गए हैं जहां धर्मांतरित लोग दोहरे लाभ उठा रहे हैं। वे एक ओर अल्पसंख्यक होने के नाते सरकारी योजनाओं और विदेशों से आने वाले भारी-भरकम फंड (FCRA) का लाभ लेते हैं, वहीं दूसरी ओर जनजातीय कोटे से आईएएस, आईपीएस और अन्य ऊंचे पदों पर आसीन होकर विदेशी एजेंडे को लागू करते रहते हैं।

यह कटु सत्य है कि अपनी मूल संस्कृति में रमे ठेठ वनवासी आज भी सुविधाओं से वंचित हैं। सम्मेलन में सीधे शब्दों में चेतावनी दी गई कि 'जो अपनी संस्कृति और पुरखों के देवी-देवताओं को छोड़ चुका है, वह जनजातीय कहलाने का हकदार नहीं हो सकता।'

कुछ वर्षों से देश में कई प्रायोजित टूलकिट गिरोह सक्रिय हैं, जो जनजातीय समाज को बहका रही है कि ₹तुम हिंदू नहीं हो, इसलिए जनगणना के फॉर्म में खुद को हिंदू मत लिखाना।₹ लालकिले से जनजातीय समाज ने इस नैरेटिव का प्रखरता से खंडन किया है। यह षड्यंत्र मूलतः भारत की जड़ों को कमजोर करने का है। जनजातीय समाज प्रकृति पूजक है, और सनातन की आत्मा भी प्रकृति पूजा ही है। हम तुलसी, पीपल, सूर्य, नदी और गोवर्धन की पूजा करते हैं; और हमारे वनवासी भाई 'बूढ़ादेव', 'बड़ादेव' और जंगलों की पूजा करते हैं। शब्दों का अन्तर है, भाव हमारे एक हैं। भगवान राम के वनवास काल में निषादराज, शबरी और वानर-भालू (जो वनों के निवासी थे) उनके सहचर बने। भगवान शिव स्वयं 'किरात' (वनवासी) रूप धारण करते हैं। ऐसे में जनजातीय समाज को सनातन से अलग दिखाना एक गहरा जियोपालिटिकल षड्यंत्र है। यह भारत के भीतर 'सांस्कृतिक विभाजन' की नींव रखने का प्रयास है।

दिल्ली के इस मंच से वक्ताओं ने झारखंड के संथाल परगना और छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए 'लव जिहाद' और 'लैंड जिहाद' के अत्यंत विषैले व घातक पैटर्न को उजागर किया।

असम और झारखंड के सीमावर्ती क्षेत्रों में बांग्लादेशी घुसपैठियों और एक विशेष समुदाय के लोगों द्वारा जनजातीय महिलाओं को बहला-फुसलाकर या जबरन निकाह करने के मामले तेजी से बढ़े हैं। यह प्रवृत्ति मप्र जैसे राज्यों में भी बड़ी तेजी से बढ़ी है।

चूंकि कानूनन कोई गैर-जनजातीय व्यक्ति जनजातीय की भूमि क्रय नहीं कर सकता, इसलिए इस कानून को धता बताने के लिए जनजातीय लड़कियों को मोहरा बनाया जाता है। निकाह के बाद जमीन उस महिला के नाम पर हस्तांतरित करा दी जाती है और परोक्ष रूप से उस भूमि पर नियंत्रण उस समुदाय का हो जाता है।

झारखंड की रुबिका पहाड़िन या अंकिता सिंह जैसी बेटियों के उदाहरण अभी ताजा हैं। यह केवल एक सामाजिक अपराध नहीं है, बल्कि एक सोची-समझी रणनीतिक जनसांख्यिकीय लड़ाई है जो आने वाले समय में देश की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन सकती है।

वनवासी कल्याण आश्रम की प्रेरणा से ही मप्र में 'पंचायत उपबंध (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम' यानी पेसा कानून (PESA Act, 1996) का कार्य भली भाँति कार्य कर रहा है। पेसा कानून जनजातीय समाज को जल, जंगल और जमीन पर संप्रभुता का अधिकार देता है। लेकिन दुखद यह है कि कई राज्यों में नियम न बनने के कारण या राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी के कारण यह कानून केवल कागजों तक सीमित रहा। सम्मेलन में मांग की गई कि वन खनिजों की नीलामी, उद्योगों के लिए भूमि अधिग्रहण और स्थानीय विवादों के निपटारे में ग्राम सभा की अनुमति को अनिवार्य और सर्वोपरि बनाया जाए। इसके साथ ही, सरकारी नौकरियों और शिक्षा में मिल रहे आरक्षण का लाभ सुदूर अंचलों में बैठे अंतिम व्यक्ति तक कैसे पहुंचे, इसके लिए नीतियों के सरलीकरण पर जोर दिया गया।

दिल्ली में हुआ यह जनजातीय सम्मेलन केवल माँग, शिकायत और आवेदनों का प्रकटीकरण नहीं था, बल्कि यह आत्मनिर्भरता और स्वाभिमान का घोषणापत्र था। भगवान बिरसा मुंडा, टंट्या भील, रानी दुर्गावती और जतरा भगत जैसी महान विभूतियों की विरासत को याद करते हुए इस बात पर संकल्प लिया गया कि अब जनजातीय समाज अपनी पहचान के साथ कोई समझौता नहीं करेगा।

अब समय आ गया है कि सरकारें, न्यायपालिका और नागरिक समाज इन चिंताओं को गंभीरता से लें। डीलिस्टिंग की मांग को ठंडे बस्ते में नहीं डाला जा सकता, और न ही लव जिहाद या मिशनरी षड्यंत्रों को 'धर्मनिरपेक्षता' के चश्मे से देखकर नजरअंदाज किया जा सकता है। अपनी जड़ों की ओर लौटता और सजग होता यह वनवासी समाज आज देश की मुख्यधारा को दिशा दिखाने की स्थिति में है। यदि आज हम उनके जल, जंगल, जमीन और सबसे बढ़कर उनकी 'अस्मिता' की रक्षा करने में विफल रहे, तो इतिहास हमें कभी माफ नहीं करेगा। यह सम्मेलन आधुनिक भारत में एक नए 'उलगुलान' (क्रांति) का शंखनाद है, जिसकी गूंज नीति-नियंताओं को लंबे समय तक सुननी होगी।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में भारतीय नागरिक गिरफ्तार : बेसबॉल बैट से हमला करने का आरोप, पुलिस ने बताया अवैध अप्रवासी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका में अवैध रूप से दाखिल हुए एक भारतीय नागरिक को कथित तौर पर बेसबॉल बैट से हमला करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। धवल अमरतभाई पटेल को सबसे पहले 16 मई को मैसाचुसेट्स के वॉर्सेस्टर पुलिस विभाग ने गिरफ्तार किया था। उस पर खतरनाक हथियार से हमला और मारपीट करने का आरोप लगाया गया। पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक, जिस शराब की दुकान में पटेल काम करता था वहां एक ग्राहक के साथ उसकी बहस हो गई। आरोप है कि विवाद बढ़ने के बाद उसने बेसबॉल बैट उठाकर उस व्यक्ति पर हमला कर दिया। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग ने बुधवार को बयान जारी कर कहा कि मैसाचुसेट्स के सैंक्चुअरी पॉलिटिशियंस ने आईसीई अधिकारियों के साथ सहयोग नहीं किया और पटेल को बिना सूचना दिए जेल से रिहा कर दिया गया। इसके बाद ने 18 मई को पटेल को गिरफ्तार कर लिया। मुताबिक, पटेल ने अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश किया था। कार्यवाहक सहायक सचिव लॉरेन बिस ने कहा कि भारत से आया यह अवैध व्यक्ति सोचता था कि वह बेसबॉल बैट से लोगों पर हमला कर सकता है। सैंक्चुअरी नेताओं ने उसे गिरफ्तार होने के बाद भी रिहा कर दिया।

भारत को पाकिस्तान और चीन से ही सबसे बड़ा खतरा, रिपोर्ट में बड़ा दावा

सिंगापुर, एजेंसी। एशिया-प्रशांत क्षेत्र में भारत की पारंपरिक सुरक्षा चुनौतियां आगे भी पाकिस्तान और चीन के इर्द-गिर्द केंद्रित रहेंगी। सिंगापुर में सप्ताहांत में अंतरराष्ट्रीय रक्षा संवाद आयोजित होने जा रहा है, उससे पहले एक रिपोर्ट जारी हुई है, जिसमें यह दावा किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भविष्य में किसी भी संभावित पारंपरिक युद्ध की प्रकृति स्थानीय ही रहेगी। लंदन स्थित इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रैटेजिक स्टडीज की 'एशिया-पैसिफिक रीजनल सिक्योरिटी असेसमेंट' नामक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत अपने दोनों परमाणु संपन्न पड़ोसी देशों के साथ लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवादों के कारण बड़े पैमाने पर पारंपरिक सैन्य अभियानों के लिए सेना को तैयार कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, चीन के साथ भारत के सीमा विवाद अपेक्षाकृत पारंपरिक प्रकृति के हैं और इनके भारत-पाक संघर्षों जैसी तीव्रता तक पहुंचने की संभावना कम है। इसके बावजूद भारत की चीन और पाकिस्तान दोनों के साथ सीमाएं सैन्य रूप से संवेदनशील बनी रहेंगी। हिंद महासागर क्षेत्र से बाहर भारत की व्यापक एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सक्रिय सैन्य भूमिका निभाने की संभावना कम है। साथ ही भारत, ताइवान को लेकर संभावित अमेरिका-चीन संघर्ष से भी दूरी बनाए रखने की कोशिश करेगा।

सीजफायर के बीच ईरान पर दूसरा हमला, रक्षात्मक अमेरिकी कार्रवाई के बीच ट्रंप ने डील के दिए संकेत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने बुधवार को ईरान के खिलाफ इस सप्ताह अपना दूसरा रक्षात्मक हमला किया। अधिकारियों ने ईरानी सेना की आक्रामक गतिविधि देखी थी। दो अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि अमेरिकी सेना ने चार ईरानी ड्रोन मार गिराए। उन्होंने एक ऐसे अड्डे पर भी हमला किया जो पांचवां ड्रोन लॉन्च करने वाला था। अधिकारियों ने कहा कि ये ड्रोन होर्मुज जलडमरूमध्य के लिए खतरा पैदा कर रहे थे। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि ईरान 'कमजोर स्थिति में बातचीत कर रहा है'। उन्होंने जोर दिया कि नवंबर में होने वाले मध्यवर्ती चुनाव उन्हें जल्दबाजी में समझौता करने के लिए मजबूर नहीं करेंगे। यह संघर्ष लगभग तीन महीने पुराना है। इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था में अशांति फैली है। मंत्रिमंडल की बैठक की शुरुआत में ट्रंप ने विश्वास व्यक्त किया कि एक समझौता करीब है। उन्होंने सप्ताहांत में कहा था कि उनके प्रशासन और तेहरान ने 'बड़े पैमाने पर बातचीत' की है। हालांकि, बातचीत अभी भी अनिश्चित स्थिति में है। अमेरिकी सेना होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए एक समझौते की तलाश में है। इससे ईरान की परमाणु क्षमता कम होने का विश्वसनीय तर्क मिलेगा। यह रिपब्लिकन के लिए राजनीतिक रूप से अलोकप्रिय संघर्ष को समाप्त करेगा। पेंटागन ने सोमवार को दक्षिणी ईरान में मिसाइल लॉन्च स्थलों और माइन बिछाने वाली नौकाओं पर 'रक्षात्मक' हमले किए थे। अमेरिका ने कहा कि उसने सप्ताह भर के युद्धविराम के बावजूद 'संयम' से काम लिया। ईरान ने इस कार्रवाई को 'बदनीयती और अविश्वसनीयता' का संकेत बताया। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि समझौते से कई महत्वपूर्ण मुद्दे बाद के लिए टल जाएंगे। इससे रिपब्लिकन राष्ट्रपति को पहले ही कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा है। उनके कुछ समर्थकों ने भी आलोचना की है। उनका मानना है कि ईरान के कट्टरपंथी नेता संघर्ष से कमजोर होकर भी मजबूत होकर उभरेंगे। ट्रंप ने बुधवार को कहा कि अभी भी काम बाकी है। उन्होंने निश्चितता के साथ कहा कि दोनों पक्ष वहां पहुंचेंगे। उन्होंने कहा, 'वे बहुत समझौता करना चाहते हैं।

महिलाओं पर किस तरह का मानसिक बोझ बढ़ रहा? अदृश्य दबाव पर इस अध्ययन में बड़ा खुलासा

मेलबर्न, एजेंसी। दुनिया तेजी से बदल रही है, महिलाएं नौकरी, कारोबार और हर पेशे में आगे बढ़ रही हैं, लेकिन घर और परिवार की जिम्मेदारियों का मानसिक बोझ अब भी सबसे ज्यादा उन्हीं के कंधों पर है। यही वजह है कि महिलाओं में मानसिक थकावट और भावनात्मक तनाव तेजी से बढ़ रहा है। मेलबर्न यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर लिया रूपैनर के अध्ययन में खुलासा हुआ है कि महिलाओं पर केवल घर के काम का दबाव नहीं है, बल्कि परिवार, रिश्तों, बच्चों और भविष्य को लेकर लगातार चलने वाली मानसिक चिंता उन्हें भीतर से थका रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह ऐसा दबाव है जो दिखाई नहीं देता, लेकिन महिलाओं की मानसिक सेहत पर गहरा असर डाल रहा है।

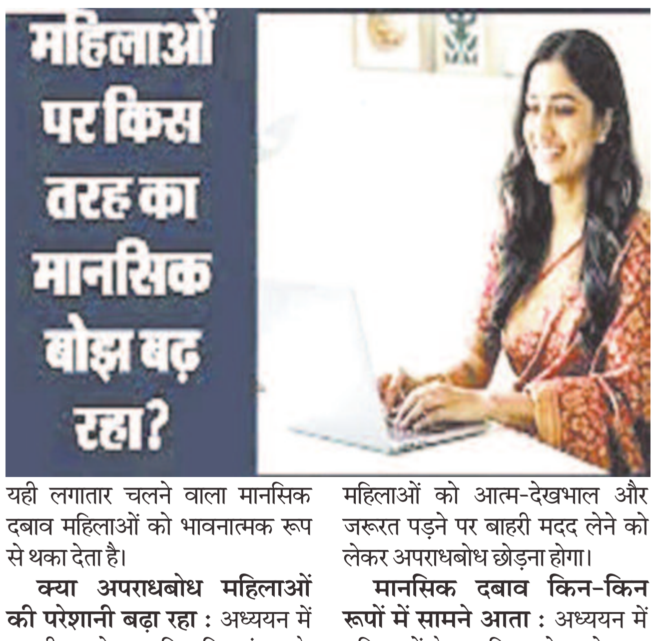

आखिर महिलाओं पर किस तरह का मानसिक बोझ बढ़ रहा : अध्ययन के मुताबिक अब पुरुष पहले के मुकाबले घर के कामों में ज्यादा मदद कर रहे हैं, लेकिन घर को व्यवस्थित रखने की मानसिक जिम्मेदारी अब भी महिलाओं के हिस्से में ही आती है। कौन-सा सामान खत्म हो रहा है, बच्चों की पढ़ाई कैसी चल रही है, परिवार में किसकी तबीयत खराब है, रिश्तेदारों से कब बात करनी है और भविष्य की क्या योजना बनानी है, ऐसी तमाम बातें महिलाओं के दिमाग में लगातार चलती रहती हैं। प्रोफेसर रूपैनर ने कहा कि घर का कोई काम खत्म हो सकता है, लेकिन मानसिक जिम्मेदारियां खत्म नहीं होतीं। यही लगातार चलने वाला मानसिक दबाव महिलाओं को भावनात्मक रूप से थका देता है।

क्या अपराधबोध महिलाओं की परेशानी बढ़ा रहा : अध्ययन में यह भी सामने आया कि महिलाएं खुद के लिए समय निकालने में भी अपराधबोध महसूस करती हैं। प्रोफेसर रूपैनर ने बताया कि कई महिलाएं अपनी जरूरतों से ज्यादा परिवार की जरूरतों को प्राथमिकता देती हैं। शोध के दौरान कुछ महिलाओं को आर्थिक सहायता दी गई, लेकिन अधिकांश महिलाएं वह पैसा खुद पर खर्च करने से हिचक रही थीं। वे उसे परिवार के लिए इस्तेमाल करना चाहती थीं। हालांकि जब महिलाओं ने खुद पर समय और संसाधन खर्च किए तो उनके मानसिक तनाव में कमी देखी गई। विशेषज्ञों का कहना है कि महिलाओं को आत्म-देखभाल और जरूरत पड़ने पर बाहरी मदद लेने को लेकर अपराधबोध छोड़ना होगा।

मानसिक दबाव किन-किन रूपों में सामने आता : अध्ययन में महिलाओं के मानसिक बोझ को आठ हिस्सों में बांटा गया है। इसमें घर की योजना बनाना, परिवार की भावनात्मक देखभाल करना, रिश्तों को संभालना और त्योहारों या खास मौकों को यादगार बनाने की जिम्मेदारी शामिल है। इसके अलावा परिवार के सपनों को पूरा करने की चिंता, खुद को फिट रखने का दबाव और परिवार की सुरक्षा को लेकर लगातार सोच भी महिलाओं पर असर डालती है। सबसे बड़ा दबाव यह होता है कि महिलाएं हमेशा यह सोचती रहती हैं कि वे परिवार और समाज के लिए पर्याप्त कर पा रही हैं या नहीं। यही लगातार चलने वाली मानसिक प्रक्रिया उन्हें भावनात्मक रूप से थका देती है।

क्या बराबरी से बदल सकती है स्थिति : विशेषज्ञों का कहना है कि जब महिलाओं को शिक्षा, आर्थिक स्वतंत्रता और फैसले लेने का अधिकार मिलता है, तब घरों में जिम्मेदारियों का बंटवारा बेहतर होता है। इससे रिश्ते भी मजबूत होते हैं और महिलाओं का मानसिक तनाव कम होता है। अध्ययन में यह भी कहा गया कि परिवारों को अब घर के अदृश्य मानसिक श्रम को समझना होगा। केवल खाना बनाना या सफाई करना ही काम नहीं है, बल्कि परिवार की हर छोटी-बड़ी चिंता को लगातार संभालना भी बड़ा मानसिक श्रम है। अगर घरों में जिम्मेदारियां बराबर बांटी जाएं तो महिलाओं की मानसिक स्थिति बेहतर हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि आधुनिक जीवनशैली में महिलाओं पर दोहरी जिम्मेदारी बढ़ गई है। वे बाहर नौकरी भी कर रही हैं और घर की मानसिक जिम्मेदारियां भी निभा रही हैं। यही कारण है कि तनाव, चिंता और मानसिक थकावट के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। अध्ययन ने यह संकेत दिया है कि समाज को अब महिलाओं के इस अदृश्य मानसिक श्रम को गंभीरता से समझना होगा। अगर समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो इसका असर परिवार, रिश्तों और समाज की मानसिक सेहत पर भी पड़ सकता है।

अमेरिका में नहीं इस देश में रहेंगे संक्रमित अमेरिकी, इबोला के खिलाफ ट्रंप प्रशासन की नई योजना

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन अब विदेशों में इबोला वायरस के संपर्क में आने वाले अमेरिकी नागरिकों को इलाज के लिए सीधे अमेरिका लाने के बजाय केन्या भेजने की योजना बना रहा है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, केन्या में एक नया क्वारंटीन और उपचार केंद्र बनाया जाएगा, जहां इबोला संक्रमित मरीजों का इलाज किया जाएगा।

तीन विभागों की मदद से तैयार किया गया केंद्र : यह केंद्र अमेरिकी रक्षा विभाग, विदेश विभाग और स्वास्थ्य एवं मानव सेवा विभाग की साझेदारी से तैयार किया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य यह है कि कांगो जैसे देशों में इबोला से संक्रमित लोगों को लंबी मेडिकल उड़ानों के जरिए अमेरिका लाने की जरूरत न पड़े और उन्हें जल्द इलाज मिल सके। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि यह केंद्र केन्या में कहां बनेगा और क्या केन्या सरकार ने इसे मंजूरी दी है। केन्या के स्वास्थ्य मंत्री एडन डुएले ने पुष्टि की कि अमेरिका और केन्या के बीच इबोला से निपटने को लेकर बातचीत चल रही है। हालांकि उन्होंने यह साफ नहीं किया कि अमेरिकी मरीजों के लिए विशेष उपचार केंद्र बनाया जाएगा या नहीं। उन्होंने कहा कि कोई भी अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य सहयोग केन्या के कानूनों और सुरक्षा मानकों के अनुसार ही होगा। विशेषज्ञों का

मानना है कि इबोला मरीजों को कम से कम यात्रा करानी चाहिए क्योंकि इससे उनकी हालत बिगड़ सकती है। लेकिन कुछ अमेरिकी डॉक्टरों ने चिंता जताई है कि केन्या में बनने वाला केंद्र अमेरिका जैसी उन्नत सुविधाएं नहीं दे पाएगा। इबोला एक बेहद खतरनाक और जानलेवा बीमारी मानी जाती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, कांगो में इबोला का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। वहां करीब 1000 संदिग्ध मामले सामने आ चुके हैं और 220 से अधिक लोगों की मौत होने की आशंका जताई गई है। अमेरिका के राष्ट्रपति पहले भी इबोला संक्रमित अमेरिकियों को अमेरिका लाने का विरोध कर चुके हैं। 2014 में उन्होंने कहा था कि संक्रमित लोगों का इलाज 'वहीं' किया जाना चाहिए। अब उनकी सरकार इसी तरह की योजना पर काम कर रही है। इस बीच अमेरिका ने इबोला प्रभावित देशों से आने वाले यात्रियों की जांच भी बढ़ा दी है। कई बड़े अमेरिकी एयरपोर्ट पर स्क्रीनिंग शुरू कर दी गई है। साथ ही जिन लोगों ने पिछले 21 दिनों में कांगो, युगांडा या दक्षिण सूडान की यात्रा की है, उनके अमेरिका प्रवेश पर अस्थायी रोक लगा दी गई है।

बांग्लादेश में गहरा संकट: शेख हसीना ने ईद पर हिंसा, अर्थव्यवस्था और कानून-व्यवस्था पर चिंता जताई

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने ईद-उल-अजहा के अवसर पर देशवासियों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह त्योहार ऐसे समय आया है जब देश गहरे संकट और कठिनाई का सामना कर रहा है। हसीना ने बांग्लादेश के लोगों के दर्द और पीड़ा पर गंभीर चिंता व्यक्त की। अवामी लीग द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए गए एक बयान में हसीना ने ये बातें कहीं। उन्होंने बताया कि पिछले 21 महीनों से अवामी लीग के नेताओं और कार्यकर्ताओं को क्रूर हत्याओं, लगातार हमलों और झूठे मामलों का सामना करना पड़ा है। कई पार्टी सदस्य अभी भी जेल में बंद हैं। उन्होंने आगे कहा, केवल हमारा राजनीतिक परिवार ही नहीं, बल्कि देश के लोग भी भारी पीड़ा सह रहे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री ने खसरा से सैकड़ों बच्चों की असामयिक मृत्यु, महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा और बलात्कार का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था का पतन और तबाह हुई अर्थव्यवस्था ने देश को गहरे अंधकार की ओर धकेल दिया है। अवामी लीग की चिंताएं पिछले सप्ताह अवामी लीग ने अपने नेताओं, कार्यकर्ताओं और उनके परिवारों पर हमलों पर गंभीर चिंता व्यक्त की थी। पार्टी ने चेतावनी दी कि इस मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय की लगातार चुप्पी देश को और अधिक क्रूरता और लंबे समय तक राजनीतिक हिंसा की ओर धकेल सकती है। अवामी लीग के अनुसार, जमीनी स्थिति बताती है कि पार्टी से जुड़ा कोई भी व्यक्ति अब सुरक्षित नहीं है, भले ही उसने कोई गलत काम न किया हो। महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा इस महीने की शुरुआत में पार्टी ने कहा था कि बांग्लादेश में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा में चिंताजनक बढ़ोतरी हो रही है। अवामी लीग ने कहा कि देश भर में महिलाएं और बच्चे लगातार डर और असुरक्षा में जी रहे हैं। सार्वजनिक स्थानों और घरों दोनों में सुरक्षा अनिश्चित होती जा रही है।

भारत में एआई-दुर्लभ खनिज क्षेत्र में निवेश और सहयोग करेगा कनाडा; नवंबर में दिल्ली आएगा दल

टोरंटो, एजेंसी। एआई, दुर्लभ खनिज समेत कई क्षेत्रों में सहयोग-निवेश के लिए कनाडाई कंपनियां भारत में दस्तक देंगी। कनाडा इस वर्ष नवंबर में टीम कनाडा ट्रेड मिशन भारत भेजेगा। यह एलान कनाडाई व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू ने केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के साथ किया। गोयल स्वच्छ ऊर्जा व एआई क्षेत्र में भारत के साथ साझेदारी के लिए कनाडाई निवेशकों के साथ बैठक की। उन्होंने कनाडा के कॉर्पोरेट प्रमुखों संग द्विपक्षीय कार्ययोजना भी तैयार की।

केंद्रीय मंत्री ने मैक्केन फूड्स के अध्यक्ष मैक्स कोयुने, फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स लिमि. के अध्यक्ष-सीईओ प्रेम वात्सा, समेत विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों से मिले। इस दौरान उन्होंने वित्तीय सेवाओं, अवसंरचना, सतत कृषि, बैंक-बीमा और दुर्लभ खनिज

प्रसंस्करण में निवेश के लिए आमंत्रित किया। कनाडाई मंत्री मनिंदर सिद्धू ने कहा, भारत में प्रस्तावित मिशन का लक्ष्य कनाडा की कंपनियों को भारत ले जाकर एआई, दुर्लभ खनिज, परमाणु व नवीकरणीय ऊर्जा, सेमीकंडक्टर, स्वच्छ प्रौद्योगिकी, डिजिटल अवसंरचना तथा उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में सहयोग के अवसर तलाशना है।

भारत-कनाडा व्यापार गलियारे की मजबूती पर चर्चा : वर्ल्ड ट्रेड सेंटर टोरंटो में कनाडा-इंडिया बिल्डिंग ब्रिजेस कार्यक्रम में गोयल ने मुख्य भाषण दिया। इसमें उन्नत विनिर्माण, औषधि एवं जैव-प्रौद्योगिकी, स्वच्छ प्रौद्योगिकी, ऊर्जा तथा तेल-गैस से जुड़े 150 से अधिक व्यवसायिक प्रतिनिधियों, निवेशक समूहों और उद्योग संगठनों ने भाग लिया। ब्रैम्पटन के पियर्सन कन्वेंशन सेंटर में पीयूष गोयल ने भारत-कनाडा व्यापार गलियारे को मजबूत करने पर चर्चा की।

आपूर्ति शृंखलाओं के निर्माण पर फोकसः कंपनी प्रमुखों के साथ मुलाकात के दौरान, केंद्रीय मंत्री ने भारतीय बाजार में कनाडाई कंपनियों के दीर्घकालिक संचालन का मूल्यांकन किया और उभरते औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र में गहन भागीदारी को आमंत्रित किया। उन्होंने खाद्य प्रसंस्करण, कोल्ड-चेन अवसंरचना, सतत कृषि और नवाचार में सहयोग को गहरा करने पर भी अपनी बात रखी। कनिष्क स्मारक में दी श्रद्धांजलि पीयूष गोयल ने कहा, भारतीय प्रवासी समुदाय न केवल भारत के साथ व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ाने में, बल्कि मजबूत सांस्कृतिक आदान-प्रदान और कनाडा में भारतीय व्यवसायों को बढ़ावा देने में भी भूमिका निभा सकता है। उन्होंने हंबर बे पार्क स्थित कनिष्क स्मारक का दौरा किया, जहां उन्होंने पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने पीड़ितों के परिवारों से बातचीत की और एयर इंडिया एआई 182 आतंकी हमले में जान गंवाने वालों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

कनाडा में तिरंगे का अपमान: खालिस्तानियों ने भारतीय उच्चायुक्त का काफिला रोका, तमाशबीन बनी रही पुलिस

ओटावा, एजेंसी। कनाडा की धरती पर एक बार फिर भारत विरोधी गतिविधियों ने शर्मनाक रूप ले लिया। वैंकूवर में भारतीय उच्चायुक्त दिनेश पटनायक के काफिले को खालिस्तान समर्थकों ने घेर लिया और खुलेआम भारतीय तिरंगे का अपमान किया गया। प्रतिबंधित आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस से जुड़ा कट्टरपंथी इंदरजीत सिंह गोसल सुरक्षा घेरा तोड़कर सीधे उच्चायुक्त की गाड़ियों के सामने पहुंच गया। उसने भारतीय ध्वज को फाड़ने और पैरों तले रौंदने की कोशिश की। आसपास मौजूद भीड़ भारत विरोधी नारे लगाती रही, जबकि कनाडाई सुरक्षा व्यवस्था तमाशबीन बनी दिखाई दी।

कार्यक्रम में जा रहे थे उच्चायुक्त : घटना उस समय हुई जब

भारतीय उच्चायुक्त एक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। खालिस्तानी समर्थक पहले से वहां जमा थे और जैसे ही काफिला पहुंचा, माहौल को उग्र बना दिया गया। पुलिसकर्मी बाद में दौड़ते हुए पहुंचे, लेकिन तब तक तिरंगे का अपमान पूरी दुनिया देख चुकी थी। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि गोसल ने अपने इस कृत्य को सही ठहराने की कोशिश करते हुए भारतीय उच्चायुक्त पर ही जान से मारने की साजिश रचने का आरोप लगा दिया। बिना किसी प्रमाण के लगाए गए इन आरोपों को लेकर खालिस्तानी समर्थक लगातार जहर उगलते रहे।

पन्नू का करीबी है गोसल : यह वही इंदरजीत सिंह गोसल है जिसे खालिस्तानी चरमपंथी गुरपतवंत सिंह पन्नू का बेहद करीबी माना जाता है। हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद कनाडा में खालिस्तानी गतिविधियों को आगे बढ़ाने में उसका नाम लगातार सामने आता रहा है। हिंदू मंदिरों के बाहर हिंसा, धमकी और उग्र प्रदर्शनों में भी उसका नाम जुड़ चुका है। भारत लंबे समय से कनाडा को चेतावनी देता रहा है कि वहां चरमपंथी तत्वों को खुली छूट मिल रही है। मगर हर बार अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर भारत विरोधी ताकतों को संरक्षण मिलता दिखाई देता है। भारतीय समुदाय में इस घटना को लेकर भारी रोष है। कनाडा निवासी जोगिंदर सिंह का कहना है कि तिरंगे का अपमान केवल एक झंडे का अपमान नहीं, बल्कि पूरे भारत और करोड़ों भारतीयों की भावनाओं पर हमला है। भारतीय उच्चायुक्त दिनेश पटनायक ने बाद में कनाडाई संस्थाओं पर भरोसा जताते हुए कहा कि भारत और कनाडा के बीच सुरक्षा सहयोग मजबूत है और उनके नाम पर फैलाए जा रहे भ्रामक दावों का कोई आधार नहीं है। लेकिन इस घटना ने एक बार फिर साफ कर दिया है कि कनाडा में बैठे खालिस्तानी चरमपंथियों के हौसले लगातार बढ़ते जा रहे हैं और भारत विरोध को वहां राजनीतिक संरक्षण मिलता दिखाई दे रहा है।

तेहरान का नया फरमानः इंटरनेट खुला लेकिन डिजिटल आजादी अब भी बंद, युद्ध के बीच कैसे ईरान ने मीडिया पर कसा शिकंजा

तेहरान, एजेंसी। ईरान में अमेरिका और इस्राइल के साथ जारी तनाव के बीच अब सूचना और इंटरनेट पर भी सख्ती बढ़ा दी गई है। ईरानी सरकार ने अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थानों के लिए नए नियम लागू करते हुए साफ कर दिया है कि उनके फोटो, वीडियो और रिपोर्ट का इस्तेमाल इस्राइली मीडिया या विदेशों में चल रहे फारसी चैनल नहीं कर सकेंगे। दूसरी तरफ महीनों बाद इंटरनेट सेवाएं आंशिक रूप से बहाल तो हुई हैं, लेकिन आम लोगों को अब भी धीमी स्पीड, भारी सेंसरशिप और सोशल मीडिया प्रतिबंधों का सामना करना पड़ रहा है। इससे साफ संकेत मिल रहे हैं कि युद्ध और राजनीतिक तनाव के बीच ईरान सूचना पर अपना नियंत्रण और मजबूत कर रहा है।

क्या हैं ईरान के नए मीडिया प्रतिबंध : ईरान के संस्कृति और इस्लामिक मार्गदर्शन मंत्रालय ने तेहरान में काम कर रहे कई अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थानों को नया निर्देश जारी किया है। इसमें कहा गया है कि ईरान से भेजी जाने वाली हर फोटो, वीडियो, रिपोर्ट और मीडिया सामग्री के साथ यह चेतावनी लिखना जरूरी होगा कि उसका इस्तेमाल इस्राइली मीडिया या ईरान के बाहर चलने वाले फारसी टीवी चैनल नहीं कर सकते। ईरान पहले से ही बीबीसी फारसी, वीओए फारसी, मनोटो टीवी और ईरान इंटरनेशनल जैसे चैनलों पर सख्त रोक लगाए हुए है। सरकार का कहना है कि राष्ट्रीय सुरक्षा और युद्ध की स्थिति को देखते हुए यह कदम जरूरी है। इंटरनेट बहाल हुआ, लेकिन क्या सच में सामान्य हुई स्थिति ईरान में जनवरी से शुरू हुआ इंटरनेट प्रतिबंध दुनिया के सबसे लंबे राष्ट्रीय इंटरनेट शटडाउन में से एक माना जा रहा है। अब सरकार ने कुछ क्षेत्रों में इंटरनेट सेवाएं बहाल की हैं, लेकिन स्थिति अभी भी पूरी तरह सामान्य नहीं हुई है। कई लोगों ने शिकायत की कि इंटरनेट बेहद धीमा चल रहा है और यूट्यूब, इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म पर भारी पाबंदियां बनी हुई हैं। इंटरनेट मॉनिटरिंग संस्थाओं के अनुसार ईरान की इंटरनेट क्षमता अभी भी पहले की तुलना में काफी कम है। डेटा ट्रैफिक भी सामान्य स्तर तक नहीं पहुंचा है। लोगों को डर है कि सरकार कभी भी दोबारा इंटरनेट बंद कर सकती है।

आम लोगों और कारोबार पर कितना पड़ा असर : लंबे इंटरनेट शटडाउन ने ईरान की अर्थव्यवस्था और आम लोगों की जिंदगी पर गहरा असर डाला है। ऑनलाइन काम करने वाले लाखों लोगों की कमाई लगभग बंद हो गई। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, गेमर, छोटे कारोबारी और डिजिटल सेवाओं से जुड़े लोग आर्थिक संकट में पहुंच गए। कई लोगों को अपना सामान बेचना पड़ा या दूसरे काम तलाशने पड़े। इंटरनेट बंद होने से परिवारों का संपर्क भी टूट गया। विदेश में रहने वाले रिश्तेदारों से महीनों तक बात नहीं हो सकी। सरकार की पाबंदियों के दौरान वीपीएन की कीमतें भी कई गुना बढ़ गई थीं, जिससे आम लोग खुले इंटरनेट तक पहुंच नहीं बना सके। ईरानी सरकार ने इंटरनेट बंदी और मीडिया नियंत्रण को राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़कर सही ठहराया। अधिकारियों का कहना था कि अमेरिका और इस्राइल के हमलों के बाद सैन्य सुरक्षा बनाए रखने के लिए यह जरूरी था। हालांकि आलोचकों का आरोप है।

गाजा में इस्राइल का बड़ा हमला, हमास के दो बड़े कमांडर ढेर; नए सैन्य प्रमुख को भी मार गिराने का दावा

गाजा पट्टी, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच इस्राइल ने गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ बड़ा सैन्य अभियान चलाते हुए दो वरिष्ठ आतंकियों को मार गिराने का दावा किया है। इस्राइली सेना ने कहा कि उत्तरी गाजा में किए गए हवाई हमलों में हमास के बड़े ऑपरेटिव निशाने पर थे। वहीं दूसरी ओर गाजा में आम नागरिकों के हताहत होने की खबरों ने एक बार फिर पूरे इलाके में तनाव बढ़ा दिया है। लगातार हो रहे हमलों और जवाबी कार्रवाई के बीच युद्ध और ज्यादा खतरनाक मोड़ पर पहुंचता दिखाई दे रहा है।

क्या हमास के नए सैन्य प्रमुख को मार गिराने का दावा किया गया : इस्राइली रक्षा बल यानी आईडीएफ ने दावा किया है कि उसने गाजा में हमास की सैन्य शाखा के नए प्रमुख मोहम्मद ओदेह को मार गिराया है। इस्राइल के अनुसार ओदेह सात अक्टूबर 2023 के हमले की साजिश रचने वालों में शामिल था। इस्राइल का कहना है कि वह हमास के खुफिया नेटवर्क का प्रमुख भी रह चुका था और हाल ही में उसे संगठन की सैन्य कमान सौंपी गई थी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि सात अक्टूबर के हमले में शामिल हर व्यक्ति को खत्म किया जाएगा। इस कार्रवाई को प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज के निर्देश पर अंजाम दिया गया।

गाजा में आम लोगों पर हमलों से क्या हालात बने : जहां इस्राइल हमास पर बड़े हमलों का दावा कर रहा है, वहीं गाजा में आम लोगों की मौतों की खबरें भी लगातार सामने आ रही हैं। फलस्तीनी रेड क्रिसेंट सोसायटी के मुताबिक, मध्य गाजा शहर में एक रिहायशी मकान पर हुए हवाई हमले में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 15 अन्य घायल हुए हैं। गाजा के कई इलाकों में लगातार बमबारी के कारण लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचने में भारी परेशानी हो रही है। अस्पतालों पर दबाव

बढ़ता जा रहा है और राहत सामग्री की कमी भी गंभीर चिंता बन चुकी है।

क्या लेबनान में भी बढ़ा इस्राइली हमला : आईडीएफ ने यह भी दावा किया है कि उसने पूरे दिन लेबनान में हिजबुल्लाह के कई ठिकानों पर हमले किए। इस्राइल के अनुसार हिजबुल्लाह के सैन्य ढांचे, कमांड सेंटर और लॉन्च साइट्स को निशाना बनाया गया। सेना ने कहा कि सिर्फ इस सप्ताह के दौरान हिजबुल्लाह के 550 ठिकानों पर कार्रवाई की गई है। लेबनान सीमा पर लगातार बढ़ रही सैन्य गतिविधियों ने पूरे पश्चिम एशिया में नए संघर्ष का खतरा और बढ़ा दिया है। हिजबुल्लाह भी लगातार इस्राइल पर जवाबी हमले करने का दावा कर रहा है।

सात अक्तूबर के हमले को लेकर क्यों सख्त है इस्राइल : इस्राइल अब भी सात अक्टूबर 2023 के हमले को अपनी सबसे बड़ी सुरक्षा चुनौती मान रहा है। हमास के उस हमले में बड़ी संख्या में इस्राइली नागरिकों और सैनिकों की मौत हुई थी। इसके बाद से इस्राइल लगातार गाजा में सैन्य कार्रवाई चला रहा है। इस्राइल का कहना है कि जब तक हमास की सैन्य ताकत पूरी तरह खत्म नहीं हो जाती, तब तक अभियान जारी रहेगा। दूसरी ओर फलस्तीन में लगातार बढ़ती तबाही और नागरिकों की मौतों को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चिंता गहराती जा रही है। गाजा और लेबनान में तेज हुए हमलों के बाद पूरे पश्चिम एशिया में हालात बेहद संवेदनशील बने हुए हैं। अमेरिका, ईरान और इस्राइल के बीच पहले से जारी तनाव के बीच यह संघर्ष अब और बड़े क्षेत्रीय संकट में बदलता दिखाई दे रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य, तेल आपूर्ति और सुरक्षा को लेकर दुनिया की चिंता बढ़ गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर जल्द युद्धविराम की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए।

पशुपालन के बिना संभव नहीं टिकाऊ खेती

कृषि कार्य से धन अर्जन प्राचीन समय से किया जा रहा है प्राचीन सभ्यताएं स्वावलम्बी कृषि पर ही निर्भर रहीं। जब भी कृषि में स्वावलंबन समाप्त हुआ सभ्यताएं गिर गई। स्वावलम्बी कृषक बाहर के आदानों का मूल्य नहीं चुकाता है, वह उन्हें स्वयं उत्पादित करता है। स्वावलम्बन का अर्थ है पर्याप्त उत्पादन करना, पैसा कमाना तथा विपत्ति के दिनों के लिये बचाकर रखना है। भारत के किसान अपने परम्परागत ज्ञान को परिमार्जित करते हुए कृषि कार्य द्वारा मिट्टी से सोना बनाने का कार्य करता रहे, परन्तु आज पाश्चात्य् कृषि शिक्षा का प्रभाव, हरित क्रांति की चकाचौंध, कृषि के मशीनीकरण, रसायनिक खाद एवं कीटनाशकों के तात्कालिक लाभों को देखकर भारतीय किसान कृषि के स्वावलम्बन से दूर होकर रसायनिक खेती अपनाने लगा।

किसान अधिक उपज लेने के लिये आवश्यकता से अधिक उर्वरक एवं रसायनिक दवाओं का प्रयोग करने लगा जिससे उत्पादन में बढ़ोत्तरी अवश्य होती है परन्तु साथ ही साथ प्रति हेक्टेयर खर्चा भी बढता जा रहा है। इससे न केवल किसानों की आय में कमी देखी जा रही है बल्कि पर्यावरण पर भी विपरीत असर होता दिखाई दे रहा है। पिछले चार दशकों में कृषि रसायनों (खाद, कीटनाशक, नींदानाशक, और बढ़वार कारकों) और पानी के अविवेकीय अन्धाधुन्ध उपयोग ने मृदा उर्वरता, कृषि उत्पादकता के कारकों, उत्पाद गुणवत्ता एवं पर्यावरण पर विपरीत प्रभाव डाला है। रसायनिक खेती या गहन कृषि पद्धति की ओर प्रेरित किया है क्योंकि विश्व की जनसंख्या दिन पर दिन बढ़ती जा रही है और खाद्यान्न की आवश्यकता में भी वृद्धि होती जा रही है। रसायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के प्रयोग से कृषि योग्य भूमि में निम्ननिखित परिणाम देखने को मिले हैं।

- भूमि की सतह का सख्त होना।
- लाभप्रद जीवाणुओं की संख्या में कमी।
- भूमि की जलधारण क्षमता में कमी।
- मृदा की क्षारीयता, लवणता तथा जलागम में वृद्धि।
- भूमि में जीवाश्म की मात्रा में कमी।
- फसलों में कीट, व्याधियों व खरपतवारों की समस्या में वृद्धि ।
- भूमि की उत्पादकता में निरन्तर कमी।

उपरोक्त कारणों की वजह से आज कृषक को खेती घाटे का सौदा बनती जा रही है। आज हमारे विश्व की जनसंख्या लगभग 6 अरब है व सन् 2050 तक इसका 9 अरब होने का अनुमान है। लेकिन हमारी कृषि उत्पादकता बढ़ने की बजाय स्थिर हो गई है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए कृषि वैज्ञानिक आधारित या टिकाऊ खेती करने पर जोर दे रहे हैं।

टिकाऊ खेती से तात्पर्य फसल एवं पशुपालन उत्पादन के एकीकरण तंत्र से है। जो लम्बे समय तक निम्न बातें पूर्ण कर सके।

- मनुष्य के भोजन की पूर्ति कर सके।
- वातावरण की गुणवत्ता एवं प्राकृतिक संसाधनों को बचायें।
- उन सभी संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग हो जिनका पुर्नउत्पादन नहीं हो सकता है।
- भूमि की आर्थिक उपयोगिता को बनाये रखें।
- कृषक व समाज के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाएं।

इस प्रकार से टिकाऊ खेती में वह सभी बातें समाहित हैं जिससे वातावरण सुधरे, आर्थिक लाभ हो एवं समाज में समानता आए। यहां पशुपालन की टिकाऊ खेती में बराबर की हिस्सेदारी है क्योंकि पशुओं की कृषि में आर्थिक उपयोगिता है, व साथ ही ये चराहाग एवं फसलों के अवशेषों आदि को मनुष्य को खाने योग्य बनाने में मदद करते हैं। टिकाऊ खेती का सबसे उत्तम उपाय है जैविक खेती। जैविक खेती से तात्पर्य है कि खेती में रसायनिक खाद, कीटनाशक व जैविक वृद्धिकारकों का उपयोग करके उत्पादन लिया जाय। जैविक खाद बनाने के लिये पशुओं की आवश्यकता पड़ेगी। क्योंकि पशुओं से ही गोबर, मलमूत्र इत्यादि प्राप्त होंगे।

इसके अतिरिक्त मुर्गी खाद भी भूमि की उर्वराशक्ति को बढ़ाने में काफी मदद करती है, क्योंकि मुर्गी खाद में लगभग 20 प्रतिशत प्रोटीन पाई जाती है। जिससे इस खाद में नाइट्रोजन की मात्रा अधिकतम लगभग 3 प्रतिशत व फास्फोरस एवं पोटाश क्रमशः 2-2 प्रतिशत होती है। वहीं सुअर के मल में नत्रजन, फास्फोरस एवं पोटाश क्रमशः 0.7, 0.6 एवं 0.7 प्रतिशत पाए जाते हैं।

इसके अतिरिक्त जैविक खेती में विभिन्न खादों जैसे गोबर व फसल अवशेष के मिश्रण से खाद (नाडेप या कम्पोष्ट खाद), गोबर गैस संयंत्र से उपलब्ध खाद एवं वर्मी कम्पोस्ट आदि का उपयोग होता है। वर्मी कम्पोस्ट केंचुए की मदद से बनने वाला खाद है। एक क्विंटल ताजा वर्मी कम्पोस्ट से भूमि को 800 ग्राम पोटेशियम प्राप्त होता है। इसके अतिरिक्त इसमें सूक्ष्म पोषक तत्व जैसे कि जस्ता 0.16: तांबा 0.09 और लोहा 1.38 अनुपात होते हैं।

इसमें कुछ पादप हार्मोन्स और एन्टीबायोटिक्स भी होते हैं जो कि फसल की अच्छी पैदावार एवं पौध संरक्षण को बढ़ावा देते हैं। वर्मी कम्पोस्ट की अम्लीयता क्षारीयता 6.8 से 7.2 के बीच होती है। इसमें मृदा का तापमान संतुलित रहता है व मिट्टी में पानी सोखने की प्रवृति बढती हैं। इसके अतिरिक्त मुख्य उपयोग पशु का ये है कि वह जमीन जो कि अत्यंत अनउपजाऊ एवं बंजर होती है उसको भी उपजाऊ बनाने में मदद करते हैं।

उपरोक्त के अलावा टिकाऊ खेती में प्राकृतिक संसाधनों का भी प्रभावी ढंग से उपयोग करना है। इसके लिये हम पशु ऊर्जा का उपयोग मशीनी ऊर्जा के स्थान पर कर सकते हैं। पशु ऊर्जा का उपयोग क्यों करना चाहिए यह निम्न बातों से स्पष्ट होता है-

- पशुओं का उपयोग किसान की कार्यक्षमता को बढ़ाता है। यह फसलों के विविधीकरण कृषि क्षेत्र को बढाने एवं समय पर कृषि कार्यों को सम्पन्न करने में सहायक है।
- मशीनों पर आधारित उत्पादन तन्त्र कुछ ही फसलों तक सीमित रह जाता है और इस तरह विविधता को तहस-नहस कर देता है।
- पशु चलित यन्त्र सस्ते, सुलभ और गांवों में भी बनाये जा सकते हैं।
- पशु ऊर्जा का उपयोग मंहगे और अनवीनीकरण ईंधन पर होने वाले खर्च को बचाना है। पशु खेतों से ही आने वाले फसलों के अवशेष को खाकर उसे उपयोगी चीजों जैसे- दुग्ध, बायोगैस, खाद इत्यादि में बदल देते हैं, और ये भोजन के लिये मानव के प्रतियोगी भी नहीं है।
- ऊर्जा पशुओं का उपयोग पशुओं को फसलोत्पादन से जोड़ने में किसानों की मदद करता है। इस तरह पशुओं की शक्ति का फसलोत्पादन निरन्तर बनाये रखने के लिये दोहन होता रहता है।
- एक बार ट्रैक्टर या पावर टिलर की जीवन अवधि जो कि प्रायः बहुत छोटी होती है, समाप्त हो जाती है तो उसका कोई प्रयोगात्मक उपयोग नहीं रह जाता है। पशु उस पर किये गये खर्च को कई तरह से लौटाता है। वह जीवनभर व मृत्यु उपरान्त भी पशु पालकों को अनेक उपयोगी चीजें देता है। मशीनों के साथ किसानों के कर्ज में फंसने का डर बना रहता है। यदि बढ़ी ऋण सहायता से मशीनीकरण पूर्ण हो भी जाये तो अधिकतर कृषक आबादी अपनी भूमि छोड़ने के लिये बाध्य हो जायेगी। क्योंकि मशीनों की सहायता से बड़े से बड़ा क्षेत्र कुछ ही हाथों द्वारा तैयार किया जा सकता है। इस प्रकार से स्पष्ट है कि टिकाऊ खेती में पशुओं का बहुत बढ़ा योगदान है जिसकों अनदेखा नहीं किया जा सकता है।

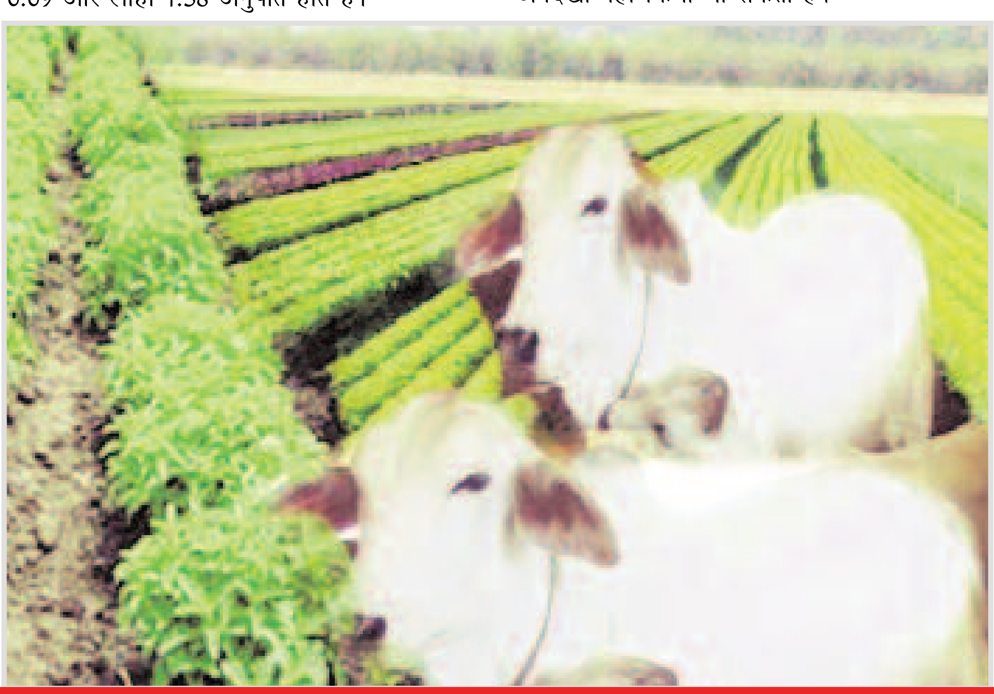

रसायनिक उर्वरकों के लाभकारी सुझाव

उर्वरकों के भरपूर लाभ कैसे लें इसके लिये निम्नलिखित बातें ध्यान रखें -
● मिट्टी परीक्षण के आधार पर नत्रजन, फास्फोरस एवं पोटाश तत्व का संतुलित मात्रा में प्रयोग करें.● मिट्टी परीक्षण के आधार पर गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों का उपयोग करें. ● रसायनिक उर्वरकों के साथ जैविक खादों का समावेश करें.
● फसल चक्र अपनायें. ● उपयुक्त सस्य क्रियायें अपनायें.

मिट्टी परीक्षण के आधार पर गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों का उपयोग--जैसा कि विदित है कि हमारे द्वारा लगातार अधिक मुख्य तत्वों वाले रसायनिक उर्वरक उपयोग कर उपज में बढ़ोत्तरी की है लेकिन जमीन से गौण व सूक्ष्म पोषक तत्व जमीन में नहीं दिये जा रहे हैं. जिसके फलस्वरूप हमारी जमीन में मुख्य पोषक तत्वों के साथ-साथ गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों की भी कमी हो गई है। जिसमें सल्फर तत्व चौथे आवश्यक पोषक तत्व के रूप में उभर कर आया है। जिसका मुख्य कारण सघन खेती के साथ जमीन में इन पोषक तत्वों का उपयोग न करना तथा कार्बनिक पदार्थों का खेतों में न डालना है।

रसायनिक उर्वरकों के साथ जैविक खादों का समावेश- परम्परागत खेती के समय रसायनिक खादों का उपयोग कम था लेकिन किसान खेती में गोबर खाद,हरी खाद एवं भूसा आदि को खेत में मिला दिया जाता था तथा सघन खेती भी नहीं होती थी जिसके कारण जमीन की जलधारण क्षमता अच्छी थी तथा पोषक तत्व भी पर्याप्त होते थे परंतु वर्तमान युग मशीनरी की खेती का युग हो गया है जिसमें पशुपालन कम होता जा रहा है किसान भाई अधिक उपज प्राप्ती के लिये मिट्टी के स्वास्थ्य का ध्यान रखना भूल गये हैं जिसके परिणाम किसानों को दिखने लगे हैं कि रासायनिक खाद दिये जाने पर फसल उसका उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। इसलिये प्रत्येक तीन वर्ष में एक बार 15-20 टन गोबर खाद प्रति हेक्टर खेत में डालें.

फसल चक्र अपनायें- फसल चक्र से आशय एक ही फसल को लगातार न बोयें. पहली वर्ष यदि खरीफ में सोयाबीन और रबी में गेहूं तो दूसरी वर्ष खरीफ में मक्का एवं रबी में चना बोयें। फसल चक्र में दलहनी फसलों का समावेश अवश्य करें. दलहनी फसल वायुमंडलीय नत्रजन को अवशोषित कर स्थिर करती है. तथा नत्रजन दलहनी फसल में नहीं देना पड़ता है.उथली जड़ वाली फसल के बाद गहरी जड़ वाली फसल,अधिक पानी वाली फसल के बाद कम पानी चाहने वाली फसल बोये. फसल चक्र अपनाने से उर्वरकों की क्षमता तो बढ़ती ही है साथ ही साथ कीड़े बीमारी भी कम लगती है।

उपयुक्त सस्य क्रियायें अपनायें- उपयुक्त सस्य क्रियायं अपनाने से रसायनिक उर्वरकों की दी गई मात्रा अधिक से अधिक फसल द्वारा ली जावेगी जिससे उपज भी अच्छी मिलेगी. इसके लिये कुछ मुख्य कृषि क्रियायें मुख्य हैं जो निम्नलिखित हैं.
● उपलब्ध साधनों के अनुरूप अधिक उपज देने वाली किस्म बोयें. ● बीज जनित रोगों से बचने के लिये बाबिस्टीन, थाइरम से बीज को उपचारित कर बोयें. ● किस्म की पकने की अवधि के अनुसार समय पर बुवाई करें.● उर्वरकों को सही विधि व समय पर दें. ● फसलों की बढ़वार के क्रान्तिक समय में खेत को खरपतवार रहित रखें. ● सिंचाई आवश्यकतानुसार एवं सही विधि से करें. ● रोग व बीमारियों का प्रबंधन करें. ● समय पर कटाई कर,थ्रेसिंग कर उचित भंडारण करें.

दूध के साथ रेशम उत्पादन

मिल्क विथ सिल्क सिद्धांत की जरूरत और महत्व

भारत के कई इलाकों में सिंचाई की सुविधाएँ सीमित मात्रा में होने से 50 प्रतिशत से ज्यादा खेती बारानी है। यह सर्वविदित हैं कि पिछले कुछ वर्षों से अनियमित मानसून, अमौसमी बरसात, कठोर जलवायु तथा अन्य कई कारणों से बारानी खेती बिना भरोसे की तथा नुकसानमंद साबित हो रही हैं। इससे किसानों में निराशा आर्थिक नुकसान के कारण आत्महत्या तक हो रही हैं। इस स्थिति से उबरने का एक उपाय हैं खेती से जुड़े पूरक व्यवसाय शुरू करना और उन्हें ज्यादा प्रभावी तथा ज्यादा फायदेमंद बनाने हेतु दो या तीन पूरक व्यवसायों को एक साथ करना जैसे दुग्ध व्यवसाय और रेशमकीट पालन एक साथ करना जो एक-दूसरे के पूरक हैं।

दुग्ध उत्पादन हेतु पशुपालन तथा रेशम कीट पालन हेतु मलबेरी की काश्त करना एक-दूसरों के कई तरह से पूरक हैं। पशुओं को दूध उत्पादन हेतु पौष्टिक चारा चाहिए जो उन्हें मलबेरी की पत्तियों से मिलता हैं।

इसके अलावा मलबेरी की पत्तियाँ जायकेदार पाई गई। उनकी पाचकता 70 से 90 च पाई गई। उनमें खनिज लवण 25 प्रतिशत तक पाये गये जो दूध उत्पादन बढ़ाने हेतु तथा पशु के स्वास्थ्य एवं प्रजनन क्षमता बरकरार रखने हेतु अत्यंत उपयुक्त हैं।

एक गाय को उसके शरीर पोषण हेतु रोजाना 7 ग्राम कैल्शियम तथा 7 ग्राम फॉस्फोरस आवश्यक होता हैं जबकि मलबेरी की पत्तियों में करीब 1.8 से 2.4 प्रतिशत कैल्शियम तथा 0.14 से 0.24 प्रतिशत फास्फोरस पाया गया हैं। इसका मतलब हैं कि अगर मलबेरी की पत्तियाँ भरपूर मात्रा में दुधारू पशु को खिलाई जाये तो उनके दूध उत्पादन में बढ़ोत्तरी होगी इसके अलावा उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। एक वैज्ञानिक प्रयोग में पाया गया कि खुराक और मलबेरी को पत्तियां अनुक्रम 60:40 तथा 25:75 प्रतिशत इस अनुपात में खिलाने पर गायों का दूध उत्पादन 13.2 और 13.8 लीटर प्राप्त हुआ जबकि सिर्फ खुराक खिलाने पर 14.2 लीटर था। इसका मतलब यह हुआ की मलबेरी की पत्तियाँ खिलाने से दूध उत्पादन में ज्यादा कमी नहीं आई बल्कि खुराक की मात्रा कम लगने से उसके पोषण खर्च में कमी आई यानि मलबेरी की पत्तियां खिलाने से दूध उत्पादन का धंधा किफायती होता हैं।

रेशम कीटों को डाली हुई मलबेरी की जो पत्तियां बाकी रह जाती हैं वो पत्तियाँ, डालियाँ दुधारू पशुओं को खिलाया जाये तो वह बरबाद होने से बच जाता हैं। कुछ स्थानों पर रेशम की इल्लियों के अपशिष्ट पदार्थ पर नमक का घोल डालकर वह दुधारू पशुओं को खिलाया जाता हैं।

इस प्रकार रेशम कीट पालन तथा दुग्ध व्यवसाय का आपस में घनिष्ठ नाता जोड़कर दोनों ही व्यवसाय एक साथ एक ही खेत पर कर सकते हैं। इसमें जो मजदूर होते हैं उनका उत्कृष्ठ इस्तेमाल होता हैं. रेशम कीटों द्वारा कोष निर्माण होने पर उन्हें बेचकर पैसा प्राप्त होता हैं। इसके अलावा दुग्ध व्यवसाय से दूध, खाद तथा बछड़े बेंचकर अधिक धन प्राप्त होगा और इस प्रकार किसान भाईयों को कमाई के दो स्त्रोत प्राप्त होंगे जिससे ज्यादा आर्थिक सम्पन्नता का लाभ होगा।

रेशम कीट पालन हेतु प्रशिक्षण, जानकारी, तांत्रिक मार्गदर्शन, रेशम उद्योग, संचालनालय से प्राप्त होते हैं तथा दुग्ध व्यवसाय के विषय में जानकारी प्रशिक्षण तथा तांत्रिक मार्गदर्शन हर जिले में स्थित कृषि विज्ञान केंद्र, जिले के पशुपालन विभाग, कृषि विश्वविद्यालयों में स्थित पशुपालन एवं दुग्ध शास्त्र विभाग आदि जगह से प्राप्त कर सकते हैं।

ध्यान रहे, पूरक व्यवसाय के बिना किसान भाईयों की सही मायने में उन्नति नहीं हो सकती अतः पूरक व्यवसाय अवश्य अपनाएं और अपनी आर्थिक उन्नति हासिल करें.

काफल केवल फल नहीं, हिमालय और प्रकृति का दिव्य प्रसाद : डॉ. नौडियाल

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : थलीसैंण विकासखंड के ग्राम खंड तल्ला में जिला पंचायत सदस्य डॉ. शिवचरण नौडियाल द्वारा घने वन क्षेत्र में ह्लकाफल पार्टीह्व एवं युवा सहभोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं और ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को प्रकृति, जलस्त्रोतों, जंगलों और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना तथा सामाजिक एकता और सांस्कृतिक चेतना को मजबूत करना रहा। इस दौरान युवाओं ने प्राकृतिक फल काफल का आनंद लिया, सामूहिक सहभोज में हिस्सा लिया और सांस्कृतिक व संगीत कार्यक्रमों के माध्यम से लोक संस्कृति को जीवित रखने का संदेश दिया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य डॉ. शिवचरण नौडियाल ने कहा कि काफल केवल एक मौसमी फल नहीं, बल्कि प्रकृति, भाईचारे और सीमित प्राकृतिक संसाधनों के महत्व का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि आज के समय में युवाओं को प्रकृति के साथ जुड़कर जल, जंगल और जमीन के संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए। कार्यक्रम में उपस्थित युवाओं ने जल संरक्षण, नदी संरक्षण, जंगलों की सुरक्षा, स्वच्छता अभियान और पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक संकल्प लिया। साथ ही भविष्य में गांव स्तर पर नियमित रूप से स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण और सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम चलाने का निर्णय भी लिया गया। डा. नौडियाल ने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को अपनी संस्कृति, प्रकृति और सामाजिक जिम्मेदारियों से जोड़ने का कार्य करते हैं। उन्होंने युवाओं से नशामुक्ति, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक एकता को मजबूत करने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में वन सरपंच ध्यान सिंह, क्षेत्र पंचायत सदस्य राम सिंह, दलीप सिंह, साबर सिंह, जगत सिंह, भगत सिंह, कुलवीर नेगी, बलवीर नेगी, नीरज कुमार, वेणीराम नौडियाल, जीत सिंह, संतोष नेगी, महिधर सिंह, मयंक नौडियाल, सचिन नौडियाल सहित अनेक ग्रामीण एवं युवा मौजूद रहे।

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को बीस साल का कठोर कारावास

चमोली : नाबालिग से दुष्कर्म कर उसे गर्भवती करने के मामले में विशेष सत्र न्यायाधीश बिंध्याचल सिंह की अदालत ने आरोपी चचेरे भाई को दोषी ठहराते हुए 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने आरोपी पर विभिन्न धाराओं में अर्थदंड भी लगाया है। मामला 2024 का है। पीड़िता के पिता ने सितंबर 2024 में थाना चमोली में तहरीर देकर बताया था कि उनकी बेटी के पेट में दर्द होने पर उसे जिला चिकित्सालय गोपेश्वर ले जाया गया जहां जांच में उसके तीन माह की गर्भवती होने का पता चला। पूछताछ में पीड़िता ने बताया कि जून 2024 में रिश्ते में चचेरे भाई ने उसे अपने घर बुलाकर दुष्कर्म किया और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता एवं पॉक्सो एक्ट की धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की। विवेचना उपनिरीक्षक पूनम खत्री ने की। सुनवाई के बाद न्यायालय ने आरोपी को दुष्कर्म एवं पॉक्सो में दोषी मानते हुए 20 वर्ष के कठोर कारावास तथा अर्थदंड की सजा सुनाई।

छात्रों ने सीखें लोक नृत्य झोड़ा के गुर

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : विद्यालयी शिक्षा विभाग एवं एससीईआरटी उत्तराखण्ड एवं अजीज प्रेम जी फाउन्डेशन (सहयोगी संस्था) के तत्वाधान में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में चल रही कार्यशाला के दूसरे दिन गुरूवार को छात्र-छात्राओं को लोक नृत्य के अन्तर्गत झोड़ा नृत्य की बारीकियां सीखाई गई। इसका उद्देश्य पहाड़ की संस्कृति और पारंपरिक कला को नई पीढ़ी तक पहुंचाना है।

इस मौके पर मुख्य अतिथि उद्यान एवं वानिकी विश्वविद्यालय भरसार के सुरेन्द्र सिंह ने छात्र-छात्राओं को वानिकी एवं उद्यान की महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने देश के प्रथम कृषि विश्वविद्यालय गोविन्द बल्लभ पंत कृषि विश्वविद्यालय के बारे में जानकारी दी। इस दौरान खरीदारी करना, रेस्टोरेंट में खाना आर्डर करना, बस स्टॉप पर दिशा पूछना, ट्रैफिक नियम समझना, ऑटो/बस चालक और आम लोगों से बातचीत करना के बारे में चर्चा की गई। इस मौके पर प्रधानाचार्य भगवती सिंह, सीआरपी समन्वयक सुमित शाह, संदर्भदाता मीना अधिकारी, श्रीमती तरूछाया, दीक्षा पाण्डेय, चन्द्रकला, सुमित शाह आदि मौजूद थे। संचालन मीना अधिकारी ने किया।

संक्षिप्त समाचार

पलायन रोकने को स्थानीय रोजगार पर फोकस: डीएम

बागेश्वर। नव नियुक्त जिलाधिकारी अपूर्वा पांडेय ने कहा कि जनपद में पलायन रोकने के लिए स्थानीय संसाधनों पर आधारित रोजगार और आजीविका के अवसर विकसित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पर्वतीय क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं की कमी बड़ी चुनौती है, जिसे दूर करना प्रशासन की प्राथमिकता रहेगी। वर्ष 2018 बैच की आईएएस अधिकारी अपूर्वा पांडेय इससे पहले रानीखेत, रुड़की, देहरादून तथा अपर सचिव पेयजल जैसे महत्वपूर्ण पदों पर सेवाएं दे चुकी हैं। कार्यभार ग्रहण करने के बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि आम जनता की समस्याओं और शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा।

पर्वतीय क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल और सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करना जरूरी है। लंबित पेयजल योजनाओं की नियमित समीक्षा कर उन्हें शीघ्र पूरा कराया जाएगा। जल जीवन मिशन के तहत लंबित धनराशि जल्द मिलने की उम्मीद है। कहा कि जनपद में प्रतिभाओं की कमी नहीं है और युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए सकारात्मक माहौल तैयार किया जाएगा। शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए रिक्त पदों को भरने के प्रयास किए जाएंगे। स्वास्थ्य सेवाओं को सरकार की प्राथमिकता बताते हुए उन्होंने कहा कि दूरस्थ क्षेत्रों तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए ठोस प्रयास किए जाएंगे। वहीं, जंगली जानवरों से फसलों को होने वाले नुकसान की समस्या के समाधान के लिए परीक्षण आधारित पहल की जाएगी।

मां-बेटी बही, एक व्यक्ति को बचाया

चमोली : चमोली जिले में नारायणबगड़-किमोली सड़क पर शुक्रवार को बारिश से नाले उफान पर आ गए। इस दौरान इन नालों को पार करते मां-बेटी बह गई। वहीं, उनके साथ गए एक अन्य व्यक्ति को ग्रामीणों ने बचाया। घायल मां-बेटी को काफी दूर से निकाला। उन्हें उपचार के लिए नारायणबगड़ अस्पताल में भर्ती कराया गया है। (एजेंसी)

104 की उम्र में भूतपूर्व सैनिक कुंदन का निधन

काशीपुर। पाकिस्तान के विरूद्व जंग लड़ चुके सेवानिवृत हवलदार कुदंन सिंह का 104 वर्ष की आयु में निधन हो गया। विधायक समेत सेवानिवृत सैनिकों ने उनके घर पहुंचकर उन्हे श्रद्वांजली दी। जसपुर के ग्राम फजलपुर निवासी हवलदार कुंदन सिंह 45 वर्ष की आयु में सेना से रिटायर हो गए थे ।तब से वह गांव में रहकर खेती आदि करते थे। शुक्रवार को उनका निधन हो गया। उनके निधन की सूचना पर विधायक आदेश चौहान एवं सेवानिवृत सैनिकों ने उनके घर पहुंचकर शोक जताया। जहां पुत्र मुख्तार सिंह ने बताया कि उनके पिता ने पाक के खिलाफ तीनों लड़ाई लड़ी थी। उनके तीन बेटे है। उन्होंने अपने पीछे भरे पूरे परिवार को रोता बिलखता छोड़ा है।

दो महीने में शुरू होगी मल्टीलेवल पार्किंग

काशीपुर। सचिव, आवास डॉ. आर राजेश कुमार दो दिवसीय भ्रमण कार्यक्रम के तहत काशीपुर पहुंचे। उन्होंने शुक्रवार को उधमसिंह नगर प्राधिकरण के उपाध्यक्ष जय किशन और सचिव पंकज उपाध्याय के साथ महाराणा प्रताप चौक के निकट निर्माणाधीन मल्टीलेवल पार्किंग स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि मल्टीलेवल पार्किंग अगले दो महीने में जनता के लिए खोल दी जाएगा। 17 करोड़ की लागत से बनने वाले इस मल्टीलेवल पार्किंग में 170 गाड़िया पार्क होगी। उन्होंने बताया कि विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष व सचिव को इस मल्टीलेवल पार्किंग की संपूर्ण जानकारी मुहैया कराने के लिए एक जागरुकता अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। मल्टीलेवल पार्किंग की कार्यकारी संस्था आरडब्लयूडी है। बताया कि वह उधम सिंह नगर व नैनीताल के दो दिवसीय दौरे पर है। इस दौरान वह उधम सिंह नगर व नैनीताल विकास प्राधिकरण द्वारा कराए जा रहे विभिन्न कार्यों का स्थलीय निरीक्षण करेंगे। इस दौरान विकास प्राधिकरण के सहायक अभियंता उत्कर्ष पांडे, अवर अभियंता हिमांशु पंत, रमनदीप सिंह समेत आदि मौजूद रहे।

मारपीट मामले में पांच पर मुकदमा दर्ज

काशीपुर। मारपीट के मामले में आईटीआई पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। आईटीआई थाना क्षेत्र के ग्राम गुलड़िया निवासी सैफ पुत्र मोहम्मद इसराईल ने कोर्ट में प्रार्थना पत्र दिया। बताया कि बीते 10 मार्च को वह अपने घर से बाइक पर काशीपुर जा रहा था।

इस दौरान रास्ते में तालाब के पास जावेद पुत्र बुनियाद अली, आगा पुत्र जावेद, बिलाल व हसन पुत्रगण अजहर, अजहर पुत्र बुनियाद निवासी ग्राम गुलरिया ने उसको घेर लिया और कहा कि तेरी भाभी ग्राम प्रधान है। उनसे बोलना रोड 30 फीट चौड़ी क्यों नहीं करवाती हैं। जिस पर उसने कहा कि वह सड़क पीडब्ल्यूडी बनवा रही है। जिसकी चौड़ाई 18 फिट ही है। यह बात सुनते ही उन्होंने उसके साथ गाली गलौज कर मारपीट की। जिसके चलते वह घायल हो गया। उसने मामले की सूचना घटना के अगले दिन आईटीआई पुलिस को दी। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद उसने कोर्ट की शरण ली। कोर्ट के आदेश पर आईटीआई पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस अब मामले की जांच कर रही है।

शराब के साथ एक युवक गिरफ्तार

रुद्रपुर। ट्रांजिट कैंप कोतवाली पुलिस ने 155 पाउच कच्ची शराब के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। ट्रांजिट कैंप कोतवाली में तैनात उप निरीक्षक सौरव कुमार भारती पुलिस टीम के साथ शांति व्यवस्था को लेकर गस्त पर थे।

आईएचएमएस में सौरभ मिस्टर और मुस्कान बनी मिस फ्रेशर 2026

कॉलेज के कार्यकारी निदेशक ने किया प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पीटेलिटी, मैनेजमेंट एंड साइंसेज (आईएचएमएस) कॉलेज की ओर से आयोजित फ्रेशर पार्टी यशस्वी में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रही। छात्र-छात्राओं ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर समारोह में समा बांधा। इस अवसर पर कार्यक्रम में बेहतर प्रदर्शन करने पर सौरभ को मिस्टर फ्रेशर और मुस्कान को मिस फ्रेशर-2026 का खिताब दिया गया।

बलभद्रपुर स्थित कॉलेज परिसर में आयोजित कार्यक्रम का कॉलेज के कार्यकारी निदेशक अजय राज नेगी, निदेशक प्रबंधन ले. कर्नल बीएस गुसाईं (सेनि) और प्राचार्य डॉ. अश्वनी शर्मा ने दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर बीसीए, बीबीए, बीएचएम, एमसीए और एमबीए कोर्स के छात्र-छात्राओं ने नृत्य, गीत, कविता और कहानियों की एक से बढ़कर एक प्रस्तुति देकर सबका मन मोहा। कार्यक्रम को मुख्य आकर्षण रैंप पर कैट वाक प्रतियोगिता रही। जिसमें छात्र-छात्राओं ने रैंप पर कैटवाक कर अपने जलवे बिखेरे। निर्णायक डॉ. प्रवीन त्रिपाठी, ममता, वीरेंद्र आर्य और हर्षपाल सिंह रावत के द्वारा दिए गए अंकों के आधार पर सौरभ रावत को मिस्टर फ्रेशर, मुस्कान रावत को मिस फ्रेशर, गौरव रावत को मिस्टर परफॉर्मर और दिव्यानी नेगी को मिस चार्मी का अवार्ड दिया गया। इसके अलावा कॉलेज में आयोजित आईएचएमएस कैंपस चैंपियन सोशल मीडिया हंट-2026 प्रतियोगिता के परिणामों की घोषणा की गई। जिसमें मो. अर्ष सलमानी ने प्रथम, विकास सिंह ने द्वितीय, कामनी बिंजोला ने तृतीय, जिया रावत ने चौथा, मानसी चौधरी ने पांचवां और परिधि बिष्ट ने छठा स्थान प्राप्त किया। जबकि वैदही डोगरा को बेस्ट वीडियो क्रियेटिविटी, हिमांशु असवाल को बेस्ट व्यूवर्स च्वाइस, खुशी असवाल को बेस्ट कॉन्टेंट अवार्ड, जबकि दिया भारद्वाज को प्रतिभागी के तौर पर सम्मानित किया गया। कॉलेज के कार्यकारी निदेशक अजय राज नेगी ने विजेताओं को शैसे, क्राउन और गिफ्ट देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर कॉलेज के जन संपर्क अधिकारी नरेश थपलियाल, मैनेजमेंट के विभागाध्यक्ष सुरेंद्र जगवान, कंप्यूटर साइंस विभागाध्यक्ष अनुराग सेमवाल, कार्यक्रम संयोजक सपना रौथाण नेगी सहित कॉलेज सभी प्राध्यापक और कर्मचोरी मौजूद रहे। समारोह का संचालन वैदेही डोगरा और परिधि बिष्ट ने किया।

आबादी क्षेत्र से हटाएं शराब की दुकानें

हल्द्वानी। नगर के वार्ड नंबर—2 में आबादी क्षेत्र में शराब की दुकानों के विरोध में धरना प्रदर्शन शुक्रवार को भी जारी रहा। स्थानीय लोगों के धरना प्रदर्शन को राजनैतिक दलों और सामाजिक लोगों का समर्थन भी मिल रहा है।धरने पर बैठी महिलाओं और जन प्रतिनिधियों ने सरकार, आबकारी विभाग और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आबादी क्षेत्र से शराब की दुकानों को हटाने की मांग की। भाजपा नेता दीवान सिंह बिष्ट, तारा चंद्र पांडे, पूर्व ब्लॉक प्रमुख रवि कन्याल और कई नेताओं ने धरना स्थल पर पहुंचकर अपना समर्थन दिया। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य अर्नव कम्बोज, सभासद रोहित बुधलाकोटी, मनोज अधिकारी, कविता वालिता, कमल बोरा, योगिता पंत, शीला देवी, जनार्दन पांडे, विनीता नेगी, हरिओम तिवारी, कमल अधिकारी, पुष्पा आर्या, गीता देवी, रानी कौर, दिव्या आर्या, लक्ष्मी देवी, दुर्गा अधिकारी, भावना जोशी, गंगा देवी मौजूद रहे।

अपूर्वा पाण्डे ने संभाली बागेश्वर की कमान

बागेश्वर। देवभूमि बागेश्वर में प्रशासनिक नेतृत्व के नए अध्याय की शुरुआत उस समय हुई, जब जनपद की नवयुक्त जिलाधिकारी श्रीमती अपूर्वा पाण्डे ने शुक्रवार पूर्वाह्न विधिवत रूप से अपना कार्यभार ग्रहण किया। कार्यभार संभालने से पूर्व उन्होंने आस्था और परंपरा के प्रतीक श्री बागनाथ मंदिर पहुँचकर विधि–विधान के साथ पूजा–अर्चना की तथा जनपद की सुख–समृद्धि, विकास और जनकल्याण की मंगलकामना की। धार्मिक आस्था और प्रशासनिक दायित्वों के समन्वय का संदेश देती इस गरिमामयी शुरुआत के बाद श्रीमती पाण्डे कलेक्ट्रेट परिसर पहुँचीं, जहाँ अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उनका आत्मीय स्वागत किया। इसके उपरांत उन्होंने जिलाधिकारी बागेश्वर का विधिवत कार्यभार ग्रहण कर प्रशासनिक दायित्वों की कमान संभाली। कार्यभार ग्रहण करने के तुरंत बाद उन्होंने जनपद की विकास योजनाओं, जनकल्याणकारी कार्यक्रमों तथा प्रशासनिक व्यवस्थाओं की विस्तृत प्रारंभिक जानकारी अधिकारियों से प्राप्त की।

कार खाई में गिरी, चालक समेत तीन घायल

बागेश्वर। कांडा थाना पुलिस क्षेत्र के अंतर्गत ढप्टी—विजयपुर मार्ग पर एक कार खाई में गिर गई। इस हादसे में चालक समेत तीन लोग घायल हो गए। तीनों को 108 एंबुलेंस के माध्यम से सीएचसी कांडा में भर्ती किया है। चालक के सिर पर गंभीर चोट है। अन्य यात्रियों की हालत खतरे से बाहर है। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार उक कार शुक्रवार को ढप्टी से विजयपुर की ओर आ रही थी। ढप्टी के पास चालक का कार से संतुलन हो गया और कार खाई में गिर गई। इस हादसे में 46 वर्षीय ढप्पटी गांव निवासी चालक दीपक धामी पुत्र केशर सिंह धामी, 32 साल की अनीता दफौटी पत्नी सज्जन सिंह निवासी दफौट गांव तथा उनकी नौ साल की बेटी भूमिका घायल हो गई। ग्राम प्रधान नीमा धामी ने थानाध्यक्ष कांडा बलवंत कम्बोज को फोन से घटना की सूचना दी। उन्होंने बताया कि स्कूल के बच्चों ने स्कूल जाते समय गाड़ी गिरते हुए देखी। सूचना ग्रामीणों को भी दी। उसके बाद ग्रामीणों की मदद से तीनों को सुरक्षित खाई से निकाला गया।

अब तक साढ़े नौ लाख तीर्थयात्री कर चुके हैं केदारनाथ के दर्शन

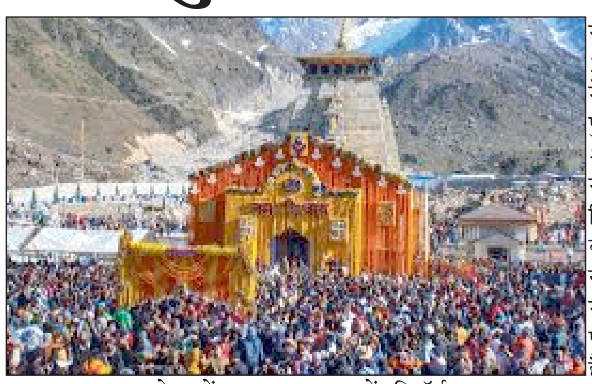

रुद्रप्रयाग : प्रदेश में इस यात्राकाल में रिकॉर्ड संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं जिससे स्थानीय कारोबारियों में भारी उत्साह है। केदारनाथ धाम में अब तक रिकॉर्ड साढ़े नौ लाख तीर्थयात्री दर्शन कर चुके हैं। वहीं तृतीय केदार तुंगनाथ के कपाट 22 अप्रैल को खुलने के बाद से अब तक 55 हजार भक्त दर्शन कर चुके हैं। मंदिर प्रबंधक प्रकाश पुरोहित के अनुसार यात्री चंद्रशिला और रावणशिला क्षेत्र का भी भ्रमण कर रहे हैं। द्वितीय केदार मदमहेश्वर के कपाट 21 मई को खुलने के महज एक सप्ताह में रिकॉर्ड 9,512 यात्री पहुंचे हैं। मुख्य पुजारी शिव शंकर लिंग ने बताया कि श्रद्धालु बूढ़ा मध्यमहेश्वर और प्राकृतिक स्थलों के दर्शन भी कर रहे हैं। गौंडार निवासी 85 वर्षीय आलम सिंह पंवार ने कहा कि पहली बार ऐसा हुआ है जब यात्रा में इतने रिकॉर्ड यात्री पहुंच रहे हैं। गौंडार, बनतोली और नानू सहित सभी पड़ावों के होटल, लॉज व होमस्टे फुल हैं। इससे कारोबारी भी खुश हैं। वहीं ओंकारेश्वर मंदिर में 16 हजार 394 यात्रियों ने दर्शन किए हैं। यहां यात्रियों की सुविधा के लिए 14 किमी लंबे पैदल मार्ग पर घोड़े और डंडी-कंडी की व्यवस्था की गई है। प्रधान अनूप पंवार व अन्य जनप्रतिनिधियों के अनुसार यहां बुनियादी सुविधाएं जुटाई जा रही हैं। वहीं केदारनाथ विधायक आशा नौटियाल ने यात्रियों से स्वच्छता बनाए रखने और बुग्यालों को संरक्षित रखने की अपील की है। (एजेंसी)

आंधी से नुकसान, मकानों की छत उड़ी, गोशालाएं टूटी

चमोली : बृहस्पतिवार देर शाम को देवाल ब्लॉक के हिमनी गांव में आंधी और भारी बारिश से कई मकानों व गोशालाओं को नुकसान पहुंचा। कई मकानों और शौचालयों की टिन की छत उड़ गई वहीं गोशालाएं भी क्षतिग्रस्त हो गईं। आंधी से रमेश राम और दलबीर सिंह के मकानों की छतें उड़ गईं, जबकि राम सिंह और खीम सिंह की गोशालाएं क्षतिग्रस्त हो गईं। लक्ष्मण सिंह और जयबीर सिंह के शौचालयों की टिन की छतें भी उड़ गईं। वहीं फसलों को भी नुकसान पहुंचा है। पटवारी योगेंद्र सिंह ने बताया कि क्षति का आकलन किया जा रहा है। वहीं ग्वालदम क्षेत्र में आंधी और ओलावृष्टि से फसलों को भारी क्षति हुई है। ओलों ने फल पौधों, सब्जियों और गेहूं की खड़ी फसलें बर्बाद की दी हैं। कर्णप्रयाग में बृहस्पतिवार शाम को आंधी चली और मूसलाधार बारिश हुई। इससे तापमान में गिरावट आई है। वहीं शुक्रवार अपराह्न को भी एक घंटे तक तेज बारिश हुई। बारिश से होने से गर्मी से राहत मिली है और तापमान आठ डिग्री कम होकर 35 से 27 डिग्री सेल्सियस जा पहुंचा। करीब दो सप्ताह से तेज धूप और गर्मी हो रही थी और जंगलों में आग की घटनाएं भी हो रही थीं। बीते सप्ताह बृहस्पतिवार और शुक्रवार को यहां 35 डिग्री के आसपास तापमान रहा। बृहस्पतिवार रात्रि और शुक्रवार को हुई बारिश होने के कारण तापमान काफी गिर गया। शुक्रवार को तापमान करीब 27 डिग्री के आसपास रहा। व्यापारी पुष्कर सिंह रावत ने बताया कि बारिश होने से गर्मी से राहत मिली है। (एजेंसी)

वन विभाग ने ली राहत की सांस

कर्णप्रयाग : बारिश के कारण पोखरी, नंदानगर, गोपेश्वर और पीपलकोटी क्षेत्र के अधिकांश जंगलों में लगी आग बुझ गई है। इससे लोगों ने राहत की सांस ली है। लगातार फैल रही वनाग्नि के कारण वातावरण में धुआं और गर्मी बढ़ गई थी जिससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। बारिश के बाद मौसम सुहावना हो गया और तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। वहीं प्रशासन और वन विभाग ने भी जंगलों की आग बुझने पर राहत की सांस ली है। वही कर्णप्रयाग में जंगलों में लगी आग भी बुझ गई। गौचर के समीपवर्ती बांसकोट, सिरकोट, पनाई, शैल, कमेड़ा, सारी, कांडा आदि गांवों के जंगल पिछले एक हफ्ते से धू-धू कर जल रहे थे। कमेड़ा गांव के समीप जंगल में लगी आग शैल गांव में लोगों की गोशालाओं तक भी पहुंच गई थी जो अब बुझ गई है। वही कर्णप्रयाग के उमट्टा धार के जंगलों में शुक्रवार दोपहर को अचानक आग लग गई लेकिन कुछ देर बाद हुई बारिश से आग बुझ गई। (एजेंसी)

दलमोटी रोड पर गिरे पेड़ को हटाकर फायर टीम ने बहाल किया यातायात

अल्मोड़ा। रानीखेत क्षेत्र के दलमोटी रोड पर चीड़ का पेड़ गिरने से यातायात बाधित हो गया। सूचना मिलने पर फायर सर्विस की टीम ने मौके पर पहुंचकर पेड़ हटाया और मार्ग को यातायात के लिए सुचारू कराया। जानकारी के अनुसार शुक्रवार को फायर स्टेशन रानीखेत को दलमोटी रोड पर पेड़ गिरने से सड़क अवरुद्ध होने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही प्रभारी अग्निशमन अधिकारी गणेश चंद्र के नेतृत्व में फायर रेस्क्यू टीम आवश्यक उपकरणों के साथ घटनास्थल के लिए रवाना हुई। मौके पर पहुंचने पर टीम ने पाया कि एक विशाल चीड़ का पेड़ सड़क पर गिरा हुआ है, जिससे यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया था। फायर कर्मियों ने उड़न कटर की सहायता से पेड़ को काटा तथा जेसीबी मशीन की मदद से उसे सड़क किनारे हटाया। मार्ग से पेड़ हटाए जाने के बाद यातायात को सुरक्षित रूप से बहाल कर दिया गया, जिससे लोगों को राहत मिली।

जागेश्वर धाम में यातायात और सुरक्षा व्यवस्था संभाल रही अल्मोड़ा पुलिस

अल्मोड़ा। विश्व प्रसिद्ध जागेश्वर धाम में पर्यटन सीजन के दौरान श्रद्धालुओं और पर्यटकों की बढ़ती संख्या को देखते हुए अल्मोड़ा पुलिस ने यातायात और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष प्रबंध किए हैं। पुलिस की ओर से की गई व्यवस्थाओं की श्रद्धालुओं और पर्यटकों ने सराहना की है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोड़के के निर्देशन में थानाध्यक्ष दन्या दिनेश नाथ महंत के नेतृत्व तथा जागेश्वर चौकी प्रभारी कमित जोशी एवं पुलिस टीम द्वारा क्षेत्र में यातायात संचालन और सुरक्षा व्यवस्था को सुचारू बनाए रखा जा रहा है। बढ़ती भीड़ और यातायात दबाव को नियंत्रित करने के लिए जागेश्वर धाम क्षेत्र में शटल सेवा का संचालन व्यवस्थित ढंग से किया जा रहा है। पुलिस कर्मी श्रद्धालुओं और पर्यटकों को पार्किंग, शटल सेवा तथा यातायात व्यवस्था संबंधी आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराते हुए मार्गदर्शन भी कर रहे हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार दर्शनार्थियों की सुविधा और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए लगातार निगरानी रखी जा रही है, ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या परेशानी की स्थिति उत्पन्न न हो। जागेश्वर धाम पहुंचे श्रद्धालुओं और पर्यटकों ने अल्मोड़ा पुलिस की सहयोगात्मक कार्यशैली, अनुशासित व्यवस्था और यातायात प्रबंधन की सराहना करते हुए इसे सुगम दर्शन व्यवस्था में महत्वपूर्ण बताया।

एएनएम को बांटे प्रतिरक्षण किट

बागेश्वर। मोहन सिंह मेहता सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बैजनाथ में एएनएम को प्रतिरक्षण किट बांटे गए। इस मौके पर एएनएम को किट के उपयोग के लिए निर्देशित किया गया। अस्पताल में एएनएम को किट वितरित करते हुए प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. सपना राजपूत ने कहा कि प्रत्येक को शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ानी होगी। इसके लिए एएनएम को जागरूक होना पड़ेगा और अपने—अपने क्षेत्र में जाकर लोगों को भी जागरूक करना होगा। इस मौके पर किट के साथ विभिन्न सहायक सामग्री भी वितरित की गई। इस दौरान जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. प्रमोद सिंह जंगपांगी, गिरीश चंद्र पंत, रोहित पंत, पंकज कुमार आदि मौजूद थे।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

बीसीसीआई ने खिलाड़ियों के प्रतिबंधित क्षेत्रों में स्मार्ट ग्लासेस पहनने पर रोक लगायी

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने खिलाड़ियों के प्रतिबंधित क्षेत्रों में स्मार्ट ग्लासेस पहनने पर रोक लगा दी है। बोर्ड ने ये कदम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अत्याधुनिक संचार उपकरणों के बढ़ते चलन और उनके संभावित दुरुपयोग को रोकने के लिए उठाया है। ऐसे में अब सहयोगी स्टाफ के लिए एक नई एडवाइजरी जारी की गयी है। इसके तहत अब खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम, डगआउट और मैदान के आसपास के प्रतिबंधित क्षेत्रों में स्मार्ट ग्लासेस, सनग्लासेस और गॉगल्स नहीं पहन सकेंगे। यह कदम लीग की अखंडता और निष्पक्षता बनाए रखने की दिशा में एक बड़ा प्रयास माना जा रहा है। बीसीसीआई की भ्रष्टाचार-रोधी और सुरक्षा इकाई से बोर्ड को जानकारी दी गयी थी कि कुछ कंपनियां टी20 लीग में शामिल खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों को ऐसे विशेष उपकरण बेचने का प्रयास कर रही हैं। साथ ही कहा गया कि स्मार्ट आईवियर प्रोडक्ट्स लाइव स्ट्रीमिंग करने, टेक्स्ट मैसेज भेजने और वाई-फाई या मोबाइल डेटा के जरिए ऑडियो-वीडियो कॉल करने में सक्षम हैं।

एमपीएल के नए सीजन में इतिहास रचने के इरादे से उतरेगी जबलपुर रॉयल लायंस

राहुल बाथम बोले- शेरों की तरह खेलेंगे और चैंपियंस की तरह जीतेंगे

इंदौर ।

मध्य प्रदेश लीग (एमपीएल) के बहुप्रतीक्षित नए सीजन का काउंटडाउन शुरू होते ही क्रिकेट प्रेमियों का उत्साह चरम पर पहुँच गया है। इस खिताबी महासमर में जबलपुर रॉयल लायंस (जेआरएल) नए आत्मविश्वास, अभेद्य रणनीतियों और विजय के एक दृढ़ संकल्प के साथ मैदान पर उतरने के लिए पूरी तरह तैयार है। संतुलित टीम संयोजन, अनुभवी सहयोगी स्टाफ और निडर खेल शैली के बल पर फ्रेंचाइजी को पूर्ण विश्वास है कि यह अभियान उनके इतिहास का सबसे स्वर्णिम अध्याय सिद्ध होगा।सीजन से पहले टीम की तैयारियों और खिलाड़ियों की मानसिक सुदृढ़ता पर विश्वास जताते हुए हुए वरिष्ठ ऑलराउंडर राहुल बाथम ने कहा, ÷दल के भीतर इस समय सकारात्मकता और ऊर्जा का प्रवाह अपने चरम पर है। हमने एक ऐसी संतुलित टीम का गठन किया है जिसमें विलक्षण प्रतिभा, कड़ा अनुशासन और विजय की तीव्र आकांक्षा साफ परिलक्षित होती है। हमारा ध्येय केवल इस प्रतियोगिता का हिस्सा बनना नहीं, अपितु मैदान पर अपनी अमिट छाप छोड़ना और उत्कृष्ट क्रिकेट से खेलप्रेमियों का दिल जीतना है।÷ उन्होंने पूरे आत्मविश्वास के साथ जोड़ा, ÷यह जबलपुर रॉयल लायंस का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन होगा, क्योंकि हम हम शेरों की तरह खेलेंगे और चैंपियंस की तरह जीत दर्ज करेंगे।÷अनुभव और युवा ऊर्जा का अद्भुत संगम मुख्य कोचइस वर्ष जबलपुर की टीम में अनुभवी दिग्गजों और उभरती हुई युवा प्रतिभाओं का एक अनूठा संगम देखने को मिलेगा। टीम के मुख्य कोच आनंद राजन का मानना है कि यही जुगलबंदी टीम की सफलता का मुख्य आधार बनेगी। राजन ने अपनी रणनीति साझा करते हुए कहा, ÷हमने टीम के भीतर एक ऐसी सुदृढ़ खेल संस्कृति विकसित की है, जहाँ अनुशासन, सूक्ष्म तैयारी और मैदान पर उसका सटीक क्रियान्वयन सर्वोपरि है। अभ्यास सत्र के दौरान खिलाड़ियों ने जो समर्पण और प्रतिबद्धता दिखाई है, वह अनुकरणीय है। हम एक ऐसे दल के रूप में उभर रहे हैं जो पूरे आत्मविश्वास के साथ प्रतिद्वंद्वियों को कड़ी चुनौती देगा। हमारा एकमात्र लक्ष्य सकारात्मक क्रिकेट खेलना और अपने प्रशंसकों को गौरव के क्षण उपहार में देना है।÷ इतिहास रचने का सामर्थ्य रखती है ।

प्रणति नायक को राष्ट्रमंडल खेल और एशियाई खेल 2026 के लिए साई और टीओपीएस का मिल रहा सहयोग

नई दिल्ली।

भारतीय जिमनास्ट प्रणति नायक की 2026 के राष्ट्रमंडल खेल और एशियाई खेलों की तैयारी को युवा मामले और खेल मंत्रालय, भारतीय खेल प्राधिकरण (साई), और टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टीओपीएस) के निरंतर सहयोग से बल मिल रहा है। सरकार द्वारा उन्हें और जिमनास्टिक्स टीम को अंतरराष्ट्रीय अनुभव, विदेशी प्रशिक्षण, राष्ट्रीय कोचिंग शिविर, और अन्य निरंतर सहायता प्रदान की जा रही है। टोक्यो 2020 ओलंपियन प्रणति वर्तमान में सीनियर और जूनियर महिला आर्टिस्टिक जिमनास्टिक्स राष्ट्रीय कोचिंग शिविर का हिस्सा हैं, जो 22 मई से 20 जून, 2026 तक भुवनेश्वर के हाई परफॉर्मेंस सेंटर में चल रही है। यह शिविर 25 से 28 जून, 2026 तक चीन के जुनी में आयोजित होने वाली 13वीं सीनियर एशियाई चैंपियनशिप की तैयारी के लिए आयोजित किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में प्रणति भारतीय सीनियर महिला आर्टिस्टिक जिमनास्टिक्स टीम का हिस्सा हैं। भुवनेश्वर में आयोजित इस शिविर के लिए कुल 23.52 लाख की राशि स्वीकृत की गई है, जिसमें सीनियर और जूनियर जिमनास्ट, कोच और सहायक कर्मचारियों सहित कुल 21 प्रतिभागी शामिल हैं। अगले महीने चीन में होने वाली महाद्वीपीय चैंपियनशिप के लिए, सरकार ने भारतीय सीनियर और जूनियर महिला आर्टिस्टिक जिमनास्टिक्स दल की भागीदारी हेतु 36.59 लाख की वित्तीय सहायता स्वीकृत की है। इस दल में खिलाड़ी, कोच और सहायक कर्मचारियों सहित कुल 17 सदस्य

शामिल हैं। प्रणति को टॉप्स के तहत व्यक्तिगत रूप से भी महत्वपूर्ण सहायता प्राप्त हुई है। 19 से 25 मई, 2026 तक उज्बेकिस्तान के ताशकंद में आयोजित एफआईजी आर्टिस्टिक जिमनास्टिक्स विश्व चैलेंज कप में भागीदारी के लिए प्रणति नायक, उनके कोच अशोक कुमार मिश्रा और फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. श्वेता अत्तिली के लिए 5.89 लाख की वित्तीय सहायता स्वीकृत की गई थी। इस प्रतियोगिता में प्रणति ने रजत पदक जीता था।

ललित मोदी का खुलासा, 2005 के बीसीसीआई चुनाव में बोर्ड सदस्यों को होटलों में बंद रखा था

लंदन ।

आईपीएल के पहले कमिश्नर रहे ललित मोदी ने खुलासा किया है कि साल 2005 के बीसीसीआई चुनाव में प्रतिद्वंद्वी पक्षों ने बोर्ड मेंबरों को होटलों में बंद रखा। वहीं दूसरे पक्ष के समर्थक मेंबरों की उड़ानों का ठिकाना ही बदलवा दिया। दोनों पक्ष इन प्रकार से एक दूसरे के समर्थक सदस्यों को बैठक में पहुंचने से ही रोकने के प्रयास कर रहे थे। भ्रष्टाचार के आरोपों में फंसे ललित मोदी आज भारत से भागकर ब्रिटेन में रह रहे हैं। हालांकि देश में आईपीएल की शुरुआत का श्रेय उन्हें ही जाता है। आज बीसीसीआई का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में प्रभाव हैउसमें आईपीएल की भूमिका सबसे अहम है। ललित मोदी के अनुसार शरद पवार बीसीसीआई अध्यक्ष के चुनाव में जगमोहन डालमिया से सिर्फ एक वोट से हार गए थे। ललित मोदी के लिए ये झटका था क्योंकि पवार को चुनाव लड़ाने के लिए राजी करने वालों में वह भी थे। उन्होंने ने यह भी बताया कि कैसे उसके बाद अगले चुनाव में शरद पवार ने जीत हासिल की और उसके बाद के वर्षों में आईपीएल की शुरुआत हुई। ललित मोदी नेकहा, हमने शरद पवार को चुनाव लड़ने के लिए राजी किया। हम चुनाव में गए, हम जीत के प्रति आश्वस्त थे और एक वोट से हार गए। वजह थी हमारे अपने ही लोगों के बीच लड़ाई। पुणे क्रिकेट एसोसिएशन में अजीत शिरके और दयानेश्वर अगाशे की लड़ाई। अगाशे डालमिया गुट से जा मिले।

आईपीएल फाइनल को देखते हुए हवाई टिकट के साथ ही होटल भी हुए महेंगे

अहमदाबाद ।

आईपीएल के 19 सत्र का खिताबी मुकाबला रविवार को अहमदाबाद में खेला जाएगा। इस मुकाबले को लेकर प्रशंसकों में जबरदस्त आकर्षण है। फाइनल देखना हालांकि प्रशंसकों की जेब पर भारी पड़ेगा। फाइनल के लिए पहले ही मैच के लगभग सभी टिकट बिक चुके हैं।

वहीं होटल की बुकिंग और हवाई किराए में भी भारी तेजी आयी है। प्रशंसक मैच में पहुंचने के लिए तीन से चार गुना ज्यादा किराया देने को भी तैयार दिख रहे हैं। इसी कारण दिल्ली-अहमदाबाद और बेंगलुरु-अहमदाबाद जैसे मुख्य रूटों पर हवाई किराए दोगुने हो गए हैं। मैच के समय के आस-पास की उड़ानों में प्रीमियम इकॉनमी और बिजनेस क्लास की सीटें कई रूटों पर पहले ही बिक चुकी हैं। बेंगलुरु से कुछ उड़ानो का एक तरफ का किराया ही 22,800 रुपए से भी ज़्यादा हो गया है, जबकि आम तौर पर यह 6,000 से 8,000 रुपए के बीच रहता है। इसके अलावा अहमदाबाद और गांधीनगर के होटलों में भी भारी मांग देखने को मिल रही है। होटल के कमरों का किराया जो आम तौर पर 6,000 से 16,000 रुपए (टैक्स के अलावा) के बीच रहता है, भारी मांग के चलते बढ़ गया है। अधिकारियों ने बताया कि फाइनल मैच से दो दिन पहले ही गांधीनगर स्थित एक पंच सितारा होटलों में दाम कई गुना बढ़ गये हैं। ट्रैलव

ऑपरेटर्स को यह भी उम्मीद है कि हवाई जहाज के टिकट महंगे होने या उपलब्ध न होने की वजह से सड़क के रास्ते आने वाले फैन्स की भारी भीड़ उमड़ेगी। मैच के तुरंत बाद वापसी की यात्रा की मांग आमतौर पर ट्रांसपोर्ट के खर्च को सामान्य रेट से लगभग डेढ़ गुना तक बढ़ा देती है। इस बीच आईपीएल फाइनल के टिकट, जिनकी शुरुआती कीमत ऊपरी-स्तरीय स्टैंड्स के लिए 2500 रुपए है और जो प्रेसिडेंट्स गैलरी के लिए 25000 रुएप तक जाती है, आधिकारिक वेबसाइट पर लगभग बिक चुके हैं। ऑनलाइन टिकट पाना अभी भी मुश्किल बना हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

आईसीसी ने महिला टी20 विश्व के लिए मैच अधिकारी घोषित किये

दुबई ।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अगले माह जून में होने वाले महिला टी20 विश्व कप 2026 के लिए मैच अधिकारियों की घोषणा कर दी है। इसके लिए घोषित सभी मैच अधिकारी महिलाएं हैं। यह लगातार तीसरा अवसर है जब टूर्नामेंट में पूरी तरह से महिला मैच अधिकारियों को रखा गया है। इस पैनल में चार अधिकारी कैंडेस ला बोर्डे, गायत्री वेणुगोपालन, केरिन क्लास्टे और शतिरा जाकिर जेसी हो पहली बार पैनल में शामिल किया गया है। यह टूर्नामेंट 12 जून से इंग्लैंड और वेल्स में खेला जाएगा। आईसीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजोग गुप्ता ने बताया कि महिला मैच अधिकारियों यह पैनल खेल के सभी पहलुओं में प्रतिनिधित्व बढ़ाने और महिला अधिकारियों की प्रगति के प्रति आईसीसी की प्रतिबद्धता को दिखाता है। इसमें 33 मैचों के लिए कुल 14 अंपायर और चार मैच रेफरी रखे गये हैं। जिनमें से 9 अधिकारी 2024 एडिशन से वापस लौटेंगे। ऑस्ट्रेलियाई अधिकारी क्लेयर पोलोसाक सबसे अनुभवी हैं, जो अपनी छठी उपस्थिति दर्ज करेंगी और उन्होंने पहले 22 मैचों में अंपायरिंग की है। वहीं जैकलीन विलियम्स और किम कॉटन भी 19-19 मैचों के अनुभव के साथ पांच टी20 विश्व कप के मील के पत्थर तक पहुंचेंगी। मैच रेफरी में शैंड्रे फ्रिट्ज, जीएस लक्ष्मी और मिशेल परेरा 2024 एडिशन से लौट रही हैं, जबकि न्यूजीलैंड की ट्रुडी एंडरसन भी इस समूह में शामिल हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने विनेश को एशियन गेम्स के ट्रायल में भाग लेने की अनुमति दी

डब्ल्यूएफआई की याचिका खारिज

नई दिल्ली ।

सुप्रीम कोर्ट ने महिला पहलवान विनेश फोगाफ को राहत देते हुए एशियन गेम्स के ट्रायल में हिस्सा लेने की अनुमति दे दी है। इससे पहले दिल्ली हाई कोर्ट ने भी विनेश के पक्ष में फैसला सुनाया था पर रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया(डब्ल्यूएफआई) उसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में पहुंच गयी थी। इस मामले में शुक्रवार को हुई सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने डब्ल्यूएफआई की याचिका को खारिज करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा। ऐसे में अब विनेश के गेम्स 2026 के ट्रायल्स में भाग लेने का रास्ता साफ हो गया है। अदालत ने कहा कि विनेश ने देश का सिर ऊंचा किया है। साथ ही कहा, अगर कोई और होता तो बात दूसरी होती। उसने देश को गर्व कराया है। सुप्रीम कोर्ट ने हालांकि इस पूरे मामले में हाई कोर्ट ने जिस तरह सुनवाई की, उस पर चिंता भी जताई पर उनके आदेश में हस्तपेक्ष से इनकार कर दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि हाई कोर्ट ने जिस तरीके से इस मामले की सुनवाई की, वह ठीक नहीं है। अदालत ने चेताया कि खेल प्रशासन में अदालतों की जरूरत से ज्यादा दखलअंदाजी से स्पोर्टिंग इकोसिस्टम पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। इससे पहले 22 मई को दिल्ली हाई कोर्ट की एक बेंच ने विनेश फोगाट को एशियाई खेलों के चयन ट्रायल में भाग लेने की अनुमति दे दी थी। अपने फैसले में हाई कोर्ट ने डब्ल्यूएफआई को फटकार लगाते हुए कहा था कि फेडरेशन की चयन नीति भेदभावपूर्ण थी क्योंकि मातृत्व अवकाश के बाद वापसी करने वाली उनकी नीति में दिग्गज खिलाड़ी पर विचार करने का उसमें कोई अधिकार नहीं था। हाई कोर्ट के इस फैसले को

डब्ल्यूएफआई ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। हाई कोर्ट ने अपने आदेश दिया था कि फेडरेशन 30 और 31 मई को होने वाले चयन ट्रायल की वीडियो रिकॉर्डिंग कराये।

सनराइजर्स टीम गेंदबाजी पर अधिक ध्यान नहीं देने से बाहर हुई ः कोच

नई दिल्ली।

सनराइजर्स हैदराबाद के पूर्व मुख्य कोच टॉम मूडी ने आईपीएल से बाहर होने पर कहा कि टीम ने अबतक बल्लेबाजी पर ही ध्यान दिया है और अपने आक्रामक अंदाज से प्रशंसा पायी है पर इस दौरान टीम गेंदबाजी पर अधिक ध्यान नहीं दे पायी। जिसका नुकसान उसे उठाना पड़ा है। कोच के अनुसार टीम का बल्लेबाजी पर जरुरत से ज्यादा देना अच्छी बात है पर जीत के लिए गेंदबाजी पर भी जोर देना होगा। उन्होंने आगे कहा कि टीम में संतुलन बनाने के लिए फ्रेंचाइजी को अपनी गेंदबाज इकाई पर और ज्यादा ध्यान देना होगा। मूडी के अनुसार टीम के एलीमिनेटर मुकाबले में मिली हार से एक बार फिर ये कमजोरी सामने आई है। आईपीएल में टीम अंक तालिका में तीसरी सबसे अच्छी टीम के तौर पर प्लेऑफ में पहुंची थी। उसके बल्लेबाजों हेनरिक क्लासेन ने 624 रन, ईशान किशन ने 602 रन, अभिषेक शर्मा ने 563 रन और ट्रैविस हेड ने 410 रन बनाये। वहीं गेंदबाजी में ईशान मलिंगा ही 20 विकेट और साकिब हुसैन ही 15 विकेट विकेट ले पाये। प्रफुल हिंगे और शिवांग कुमार ने काफी उम्मीदें थीं पर वे उसके अनुसार सफल नहीं हुए। मूडी के अनुसार टीम के पासा पैट कमिंस के अलावा कोई स्टार गेंदाबाज नहीं था। मूडी ने कहा, यह एक तारीफ के काबिल तरीका है पर इसकी एक कीमत चुकानी पड़ती है। इस तरीके से वे अभी तक ट्रॉफी नहीं जीत पाए हैं। हां, वे अपने को अवसर देने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन इसकी कीमत यह भी है कि आपको उस तरीके में निवेश करना पड़ता है। जब गेंदबाज की बात आती है, तो वह निवेश नहीं हो पाता। इसलिए आप गेंदबाज इकाई के तौर पर खेलने के तरीके पर बहुत सारा पैसा खर्च कर रहे हैं। आपके पास एक मजबूत गेंदबाज ईकाई बनाने के लिए जरूरी पैसे कम पड़ जाते हैं, जो स्कोर का बचाव कर सकें। उन्होंने कहा, यह सब कुछ संतुलन बनाने की कोशिश के बारे में है और मुझे लगता है कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु इसमें सफल रही है।

वैभव सूर्यवंशी ने अपने निडर होकर खेलने का राज बताया

नई दिल्ली।

आईपीएल में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के कारण छाये वैभव सूर्यवंशी ने अपने निडर होकर खेलने का राज खोला है। वैभन ने कहा कि अगर वह तेजी से खेलने के प्रयास में शतक के पास पहुंचकर भी आउट भी होते हैं तो उन्हें कोई निराशा नहीं होती। इस उभरते हुए क्रिकेटर ने कहा, बचपन से, मेरे पापा हमेशा मुझसे कहते आए हैं कि अगर तुम तिहरा शतक भी लगा देते पर टीम नहीं जीतती है तो उसका कोई लाभ नहीं है। वे सिर्फ तुम्हारे निजी रिकॉर्ड के लिए हो सकते हैं पर उनसे टीम को कोई लाभ नहीं होता। क्रिकेट, आखिर में, एक टीम गेम है। इसलिए, अगर मैं शतक की जगह पर 80 रन बनाता हूं और मेरी टीम जीत जाती है, और अगर मेरे सेंचुरी बनाने के बाद भी हम नहीं जीतते, तो वह 80 रन मेरे लिए शतक से अधिक बढ़कर हैं। वैभव के अनुसार मुझे रोमी भिंडर सर का पहला कॉल आया, जो टीम मैनेजर हैं। मैं दुबई में था, और नीलामी भी वहीं हो रहा था। ट्रायल्स के बाद, मैंने उनसे बात की थी और उन्होंने मुझे बताया था कि वे मुझे लेंगे, और फिर हमने कॉल पर दो से तीन मिनट बात की, जबकि उन्होंने मुझे बधाई दी। अपने डेब्यू मैच में, मैंने पहली गेंद पर छक्का मारा, इसलिए यह एक बहुत ही खास पल और एक शानदार याद थी। फिर, मैंने उसी सीजन में शतक बनाया, जो मेरे परिवार और मेरे लिए बहुत गर्व का पल था। यह मेरा सिर्फ तीसरा मैच था, इसलिए अपने आईपीएल करियर की इतनी अच्छी शुरुआत करके बहुत अच्छा लगा, और मैं अब बस उसी लय को आगे बढ़ा रहा हूं।

पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद यूसुफ ने वैभव की तुलना शाहिद अफरीद से की

भारतीय प्रशंसक भड़के

लाहौर ।

पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद यूसुफ भी आईपीएल में धमाकेदार बल्लेबाजी कर रहे वैभव सूर्यवंशी के मुरीद हो गये हैं। वैभव ने जिस प्रकार आईपीएल के 19 वें सत्र में बल्लेबाजी की है उसकी तारीफ करते हुए यूसुफ ने कहा कि उनकी बल्लेबाजी देखकर उन्हें पूर्व विस्फोटक ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी के शुरुआती दिनों की याद आती हे। उन्होंने वैभव को अफरीदी की तरह बेखौफ, आक्रामक और ऊर्जा से भरपूर बताते हुए क्रिकेट का भविष्य कहा है। । वहीं मोहम्मद यूसुफ की इस तुलना से भारतीय क्रिकेट प्रशंसक भड़क गये।

आइस हॉकी वर्ल्ड चैंपियशिप 2027 में तीन टीमों के साथ उतरेगा भारत

कुआलालंपुर।

भारत की अंडर-20 पुरुष टीम को एशियन कप 2027 क्वालीफायर्स के ग्रुप बी में रखा गया है। भारतीय टीम उज्बेकिस्तान, सीरिया और बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगी। इसकी घोषणा एफसी हाउस में हुए ड्रॉ के बाद की गई। उज्बेकिस्तान 25 अगस्त से 6 सितंबर, 2026 के बीच अपनी राजधानी ताशकंद में एक सेंट्रलाइज्ड एकल राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में ग्रुप बी की मेजबानी करेगा। इस साल की शुरुआत में घोषित एएफसी युवा प्रतियोगिताओं के नए फॉर्मेट के अनुसार, एएफसी अंडर-20 एशियन प्रणाली शुरू की गई है, जिसमें प्रमोशन और रेलिगेशन का तंत्र शामिल है। क्वालिफिकेशन चरण में, 32 टीमों को चार-चार टीमों के आठ ग्रुप में बांटा गया है। इनमें से ग्रुप विजेता और सात सर्वश्रेष्ठ दूसरे स्थान पर रहने वाली टीमें एएफसी अंडर-20 एशियन कप के 43वें संस्करण के लिए आगे बढ़ेंगी। वहीं, प्रत्येक ग्रुप की सबसे नीचे रहने वाली टीम को अगले संस्करण के डेवलपमेंट चरण में भेज दिया जाएगा। आगामी क्वालीफायर्स के डेवलपमेंट चरण के लिए, 12 टीमों को चार-चार टीमों के तीन ग्रुप में बांटा गया है। इनमें से तीन ग्रुप विजेता और प्रत्येक ग्रुप की दूसरे स्थान पर के क्वालिफिकेशन चरण में प्रमोट किया जाएगा। टीमों का वरीयता क्रम पिछले तीन संस्करणों (2018, 2023, 2025) में उनके प्रदर्शन और प्रतियोगिता में भाग लेने वाली टीमों की संख्या के आधार पर तय किया गया था। 20वें स्थान पर मौजूद भारत को क्वालिफिकेशन चरण में पॉट 3 में रखा गया था। भारत का लक्ष्य 2006 के बाद पहली बार एएफसी अंडर-20 एशियन कप के लिए क्वालीफाई करना होगा। 2006 में भारत ने ही इस टूर्नामेंट की मेजबानी की थी। इस टूर्नामेंट में भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 1974 में ईरान के साथ संयुक्त विजेता बनना रहा है। पिछले

अंतर के आधार पर क्वालीफाई करने से मामूली अंतर से चूक गई थी। क्वालिफिकेशन चरण के ग्रुप ए में, 12 बार के चैंपियन कोरिया गणराज्य का मुकाबला मेजबान किर्गिज गणराज्य, फिलीपींस और लेबनान से होगा। वहीं ग्रुप बी में मेजबान उज्बेकिस्तान के सामने सीरिया, भारत और

हरभजन के सवाल पर सहवाग और चोपड़ा बोले, वैभव को नीलामी में मिल सकते है 30 करोड़ रुपये

मुम्बई ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी छाये हुए हैं। वैभव ने जिस प्रकार एक एक के बाद एक नये रिकार्ड बनाये हैं। उससे भी उनकी कीमतें बढ़ीं है। अब कहा जा रहा है कि वैभव पर अगली नीलामी में 30 करोड़ रुपये तक की बोली लग सकती है। वैभव ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ एलिमिनेटर मुकाबले में केवल 16 गेंदों में ही तेजी से अर्धशतक लगा दिया था। उनकी 29 गेंदों में 97 रनों की विस्फोटक देखकर सभी हैरान हैं। इस पारी के साथ ही सूर्यवंशी ने एक सीजन में सर्वाधिक छक्के लगाने का वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिस गेल का वैभव की इसी आक्रामक बल्लेबाजी को देखकर पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने कमेंट्री के दौरान वीरेंद्र सहवाग से पूछा कि अगर यह युवा खिलाड़ी नीलामी में आता है तो वह कितनी रकम देंगे। सहवाग ने बिना देर किये कहा कि वह 30 करोड़ रुपये देंगे। वहीं पूर्व भारतीय बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने भी इतनी ही रकम देने की बात कही। वहीं अभी राजस्थान रॉयल्स ने वैभव सूर्यवंशी को आईपीएल नीलामी में केवल 1.10 करोड़ रुपये में खरीदा था, जो उसके प्रदर्शन को देखते हुए काफी कम है। 15 साल के वैभव ने आईपीएल 2026 में अब तक 15 मैचों में कुल 680 रन बनाए हैं। उनका औसत 45.33 का रहा है और सबसे हैरानी की बात है कि उनका 242.86 का अविश्वसनीय स्ट्राइक रेट है। इस सीजन में वह सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं